ಶುಭ್ ಲಾಭ್

शुभ लाभ

खबरें जो सोच बदल दे

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मानसून कमजोर, फिलहाल बारिश की उम्मीद नहीं @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शनिवार, 01 नवंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-298

परेश रावल की फिल्म द ताज स्टोरी से इतिहास की खामियां ताजा हुईं

ताजमहल का विवाद नहीं, यह मवाद है..!

परेश रावल की फिल्म द ताज स्टोरी पर चर्चा हो रही है। चर्चा हो रही है, लेकिन समाधान नहीं हो रहा है। इतिहास की गलतियों को सुधारने के बजाय इतिहास की गलतियों को सहने और स्वीकारने की सीख दी जा रही है। भारत के लोगों को समझ में नहीं आ रहा है कि ताजमहल का विवाद, विवाद नहीं, भारत के शरीर से रिसता मवाद है, जिसका इलाज समय पर हो जाना चाहिए। ताजमहल राजा जयसिंह के मंदिर या जमीन पर बना था, इससे किसी को इन्कार नहीं है, लेकिन देश की पीढ़ियों को समझाने की कोशिश की जा रही है कि शाहजहां ने जयसिंह से जमीन ली थी और उसके बदले में जयसिंह को चार महल दिए थे। यह कुतर्क खड़ा कर इतिहास पर कालिख पोतने का काम किया गया है। ताजमहल की ऐतिहासिक असलियत के पन्ने हम आगे खोलेंगे, अभी परेश रावल की फिल्म द ताज स्टोरी की बात करते हैं। किसी फिल्म से दर्शकों के एक वर्ग को नाराज करने के लिए प्रतिभा की जरूरत होती है। और फिल्म से हर वर्ग के सिनेमा प्रेमियों को

शुभ-लाभ सरोकार

नाराज करने के लिए विशेष प्रतिभा की जरूरत होती है। परेश रावल की कोर्टरूम ड्रामा द ताज स्टोरी, ठीक यही करने में कामयाब रही है। द ताज स्टोरी ने सबसे पहले सोशल मीडिया का ध्यान तब खींचा जब हिंदी फिल्म के मोशन पोस्टर में ताजमहल के गुंबद से भगवान शिव की मूर्ति निकलती दिखाई गई।

इतिहासकार पुरुषोत्तम ओक ने अपनी किताब में लिखा है कि ताजमहल के हिंदू मंदिर होने के कई सबूत मौजूद हैं। सबसे पहले यह कि मुख्य गुम्बद के किरीट पर जो कलश वह हिंदू मंदिरों की तरह है। यह शिखर कलश आरंभिक 1800 ईस्वी तक स्वर्ण का था और अब यह कांसे का बना है। आज भी हिंदू मंदिरों पर स्वर्ण कलश स्थापित करने की परंपरा है। यह हिंदू मंदिरों के शिखर पर भी पाया जाता है। इस कलश पर चंद्रमा बना है। अपने नियोजन के कारण चंद्रमा एवं कलश की नोक मिलकर एक त्रिशूल का आकार बनाती है, जो कि हिंदू भगवान शिव का चिह्न है। इसका शिखर एक उलटे रखे कमल से अलंकृत है। यह गुम्बद के किनारों को शिखर पर सम्मिलन देता है।

राजा जयसिंह के महल और मंदिर पर बनी थी मुमताज की कब्रगाह

महल इस्लामिक शब्द नहीं, फिर मुमताजमहल क्यों नहीं रखा नाम?

ताजमहल 1653 में बना, मुमताज की मृत्यु 1631 में ही हो गई थी

ताजमहल का निर्माण कार्य 1632 में शुरू हुआ और लगभग 1653 में इसका निर्माण कार्य पूर्ण हुआ। अब सोचिए कि जब मुमताज का इंतकाल 1631 में ही हो गया तो फिर उसे कहां दफनाया गया? स्पष्ट है कि मुमताज को ताजमहल में नहीं दफनाया गया। इससे यह भी स्पष्ट है कि ताजमहल को लेकर अंग्रेज, मुस्लिम और नस्लदूषित प्रगतिशील इतिहासकारों ने मनगढ़ंत कहानियां लिख कर पीढ़ियों को गुमराह किया। तथ्य यह है कि 1632 में हिंदू मंदिर को इस्लामिक स्वरूप देने का काम शुरू हुआ। 1649 में इसका मुख्य द्वार बना जिस पर कुरान की आयतें तराशी गईं। इस मुख्य द्वार के ऊपर हिंदू शैली का छोटे गुम्बद के आकार का मंडप है और अत्यंत भव्य प्रतीत होता है। आस पास मीनारें खड़ी की गई और फिर सामने स्थित फव्वारे को फिर से बनाया गया।

इतिहासकार पुरुषोत्तम ओक ने लिखा है कि मुमताज की मृत्यु के सात साल बाद जेए मांडेलस्लो के वॉयजेज एंड ट्रैवेल्स टू द ईस्ट इंडीज़ नाम से निजी पर्यटन के संस्मरणों में आगरा का तो उल्लेख किया गया है किंतु ताजमहल के निर्माण का कोई उल्लेख नहीं किया। टॉम्हरनिए के कथन के अनुसार 20 हजार मजदूर यदि 22 वर्ष तक ताजमहल का निर्माण करते रहते तो मांडेलस्लो उस विशाल निर्माण कार्य का उल्लेख अवश्य करता। ताज के नदी के तरफ के दरवाजे के लकड़ी के एक टुकड़े की एक अमेरिकन प्रयोगशाला में की गई कार्बन जांच से पता चला है कि लकड़ी का वह टुकड़ा शाहजहां के काल से 300 वर्ष पहले का है, क्योंकि ताज के दरवाजों को 11वीं सदी से ही मुस्लिम आक्रामकों द्वारा कई बार तोड़कर खोला गया है और फिर से बंद करने के लिए दूसरे दरवाजे भी लगाए गए हैं। ताज और भी पुराना हो सकता है। असल में ताज को सन् 1115 में अर्थात शाहजहां के समय से लगभग 500 वर्ष पूर्व बनवाया गया था। ताजमहल के गुम्बद पर जो अष्टधातु का कलश खड़ा है वह त्रिशूल आकार का पूर्ण कुंभ है। उसके मध्य दंड के शिखर पर नारियल की आकृति बनी है। नारियल के तले दो झुके हुए आम के पत्ते और उसके नीचे कलश दर्शाया गया है। उस चंद्राकार के दो नोक और उनके बीचोबीच नारियल का शिखर मिलाकर त्रिशूल का आकार बना है। हिंदू और बौद्ध मंदिरों पर ऐसे ही कलश बने होते हैं। कब्र के ऊपर गुंबद के मध्य से अष्टधातु की एक जंजीर लटक रही है। ▶10पर

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर पीएम मोदी ने दिलाई एकजुटता की शपथ

इतिहास सच हो, न कि कांग्रेस का गढ़ा हुआ पक्ष : पीएम मोदी

केवड़िया (गुजरात), 31 अक्टूबर (एजेंसियां)।

देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर गुजरात के केवड़िया में हुए भव्य आयोजन में उपस्थित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, हर ऐसी बात जो देश की एकता को कमजोर करती है। हर देशवासी को उससे दूर रहना है। यह राष्ट्रीय कर्तव्य है। यही सरदार साहब को सच्ची श्रद्धांजलि है। यही आज देश की जरूरत है। यही आज एकता दिवस का हर भारतीय के लिए संदेश भी है, संकल्प भी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इतिहास की संरचना झूठे और मनगढ़ंत कहानियों से नहीं बल्कि कठोर तथ्य और सत्य से होती है। यह देश का दुर्भाग्य है कि देश का इतिहास कांग्रेस के मनगढ़ंत पक्षों से भरा पड़ा है। सरदार पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। आजादी के बाद देश की 550 से ज्यादा रियासतों को मिलाकर एकजुट भारत बनाने में सरदार पटेल की मुख्य भूमिका रही। केवड़िया के कार्यक्रम में पीएम मोदी ने परेड की सलामी ली जिसमें सेना और पुलिस की टुकड़ियों ने हिस्सा लिया। विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बाद पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सरदार साहब चाहते थे कि जैसे उन्होंने बाकी रियासतों का विलय किया, वैसे ही कश्मीर का विलय हो, लेकिन, पंडित नेहरू ने उनकी वह इच्छा पूरी नहीं होने दी। कश्मीर को अलग संविधान और अलग निशान से बांट दिया गया। कश्मीर पर कांग्रेस ने जो गलती की थी, उसकी आग में देश दशकों तक जलता रहा। पीएम मोदी ने कहा, आज हमारे देश की एकता और अंदरूनी सुरक्षा को घुसपैठियों से गंभीर खतरा है। दशकों से, विदेशी घुसपैठिए हमारे देश में घुस रहे हैं, इसके संसाधनों का इस्तेमाल कर रहे हैं, ▶10पर

पटेल चाहते थे कश्मीर का विलय, नेहरू ने होने नहीं दिया

भारत की एकता को कमजोर करने वाली बातों से दूर रहें

महिला क्रिकेट टीम की जूझारू खिलाड़ियों ने कर दिखाया

ऑस्ट्रेलिया को हराकर फाइनल में पहुंची महिला टीम

मुंबई, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में गुरुवार का दिन भारतीय महिला क्रिकेट इतिहास के लिए स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। भारत ने सात बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को वर्ल्ड कप 2025 के दूसरे सेमीफाइनल में पांच विकेट से हराकर न सिर्फ फाइनल में जगह बनाई, बल्कि एक ऐसा मैच खेला जिसमें रिकॉर्ड्स की झड़ी लग गई। यह जीत भारतीय क्रिकेट के आत्मविश्वास, जज्बे और नए युग की पहचान बन गई। भारत के लिए अमनजोत कौर ने जैसे ही जीत का चौका लगाया, मैदान पर भारतीय महिला टीम के सदस्य खुशी से झूम उठे। जेमिमा और अमनजोत ने एक दूसरे गले लगा लिया और दोनों खिलाड़ी भावुकता से भर गईं।

17 साल की उम्र में इंटरनेशनल डेब्यू करने वाली जेमिमा रोड्रिग्स को टीम में कभी बेबी कहा जाता था, लेकिन गुरुवार को वही बेबी भारत की रीढ़ बनकर खड़ी रहीं। उन्होंने 127 रन की नाबाद पारी खेली और भारत को 339 रनों के मुश्किल लक्ष्य तक पहुंचाया। यह सिर्फ उनके करियर की नहीं, बल्कि महिला क्रिकेट इतिहास की सबसे शानदार पारियों में से एक थी। वह वर्ल्ड कप नॉकआउट में शतक लगाने वाली सिर्फ दूसरी बल्लेबाज बनीं। इससे पहले 2022 के फाइनल में इंग्लैंड की नैट स्किवर-ब्रंट (148) ने यह कमाल किया था।

ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम, जिसने 2017 के बाद से किसी वर्ल्ड कप मैच में हार नहीं देखी थी, भारत के सामने घुटने टेक गई। ▶10पर

जेमिमा रोड्रिग्स ने किया कमाल, टीम भावना मुखर

भारत और चीन के व्यापारिक रिश्तों में फिर से आ रही गर्माहट

चीन ने भारत को रेयर अर्थ मैग्नेट्स आयात की मंजूरी दी

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)।

चीन और अमेरिका के बीच चल रहे ट्रेड वॉर के बीच चीन ने भारत की कुछ कंपनियों को रेयर अर्थ मैग्नेट्स इंपोर्ट करने की इजाजत दे दी है। ये मैग्नेट्स ऑटोमोटिव और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर के लिए बेहद जरूरी हैं। ये इलेक्ट्रिक वाहनों और हाई-टेक प्रोडक्ट्स में इस्तेमाल होते हैं। लेकिन ये मंजूरी पहले लगाई गई पाबंदियों के बाद आई है। इंपोर्ट पर सख्त शर्तें भी हैं. इनका इस्तेमाल डिफेंस में नहीं हो सकता और न ही इन्हें अमेरिका को एक्सपोर्ट किया जा सकता है।

सरकार ने बताया कि कुछ भारतीय कंपनियां चीन से रेयर अर्थ मैग्नेट्स इंपोर्ट करने की मंजूरी पा चुकी हैं। ये मैग्नेट्स ऑटोमोटिव और इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री के लिए हैं। विदेश मंत्रालय के स्पोक्सपर्सन रणधीर जायसवाल ने कहा कि चीन ने पहले इनकी बिक्री रोक दी थी, लेकिन अब लाइसेंस जारी हो गए हैं। उन्होंने कहा, अमेरिका और चीन के बीच हाल की बातचीत और रिलैक्सेशन का हमारे यहां क्या असर होगा, ये देखना बाकी है। मैं टेक्निकल डिटेल्स से वाकिफ नहीं हूं, लेकिन हां, भारतीय कंपनियों को चीन से रेयर ▶10पर

रूसी तेल कंपनियों पर लगे अमेरिकी प्रतिबंधों का बुरा असर

अमेरिका और अबू धाबी से कच्चा तेल खरीदने लगीं भारतीय कंपनियां

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)।

रूस की तेल कंपनियों पर अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद भारत की सरकारी रिफाइनरी कंपनियों ने अब अमेरिका और अबू धाबी से कच्चा तेल खरीदना शुरू कर दिया है। इंडियन ऑयल और एमआरपीएल ने नए अनुबंध किए हैं। देश की सरकारी रिफाइनरी कंपनियां अब रूस के बजाय अमेरिका और अबू धाबी से कच्चा तेल खरीदने पर जो दे रही हैं। इंडियन ऑयल अमेरिका से और तेल की मांग कर रही है। मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स (एमआरपीएल) ने भी अबू धाबी से कच्चा तेल खरीदा है। पिछले हफ्ते अमेरिका ने रूस के दो शीर्ष उत्पादकों पर प्रतिबंध दिया था। इससे कई घरेलू कंपनियों ने रूसी तेल के लिए नए ऑर्डर रोक दिए हैं। घरेलू सरकारी कंपनियां अब रूस के बजाय और कुछ विकल्प के लिए हाजिर बाजार का रूख कर रही हैं। एमआरपीएल ने दिसंबर में रूसी आपूर्ति की भरपाई के लिए एक निविदा के जरिये ग्लेनकोर से 20 लाख बैरल अबू धाबी मुरबन क्रूड खरीदा है। रिफाइनर हर महीने हाजिर बाजारों का इस्तेमाल करेगी और अपने स्थायी आपूर्तिकर्ताओं से अतिरिक्त आपूर्ति की मांग करेगी। प्रतिबंधों के जोखिम से बचने के लिए रूस से तेल आयात करने से कंपनियां परहेज कर रही हैं। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन-मित्तल एनर्जी ने कहा, उसने भी रूसी तेल खरीदना बंद कर दिया है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ने 2026 की पहली तिमाही के लिए अमेरिका से 2.4 करोड़ बैरल तेल के लिए प्रारंभिक बोलियां आमंत्रित की हैं। इस निविदा में कम सल्फर और उच्च सल्फर दोनों प्रकार के कच्चे तेल के कार्गो की मांग की गई है। इंडियन ऑयल बाजार का आकलन करने और अमेरिका से तेल खरीदने की स्थिति में विक्रेताओं का चयन करने पर विचार कर रही है। निविदा शुक्रवार को बंद हो जाएगी। इंडियन ऑयल ने बुधवार को एक निविदा के जरिए एक्सॉन मोबिल से 20 लाख बैरल पश्चिम अफ्रीकी कच्चा तेल खरीदा। यह खरीद दिसंबर डिलीवरी के लिए अंगोला से मोंडो और नाइजीरिया से उटापेट के लिए थी। ▶10पर

2020 के दिल्ली दंगों पर बड़ा खुलासा

देश की संप्रभुता को चुनौती देने का मकसद था

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)।

वर्ष 2020 के दिल्ली दंगों के मामले में दिल्ली पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट को अहम खुलासा किया है। पुलिस ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी में हुई हिंसा अचानक नहीं हुई थी, बल्कि यह भारत की संप्रभुता को कमजोर करने के उद्देश्य से रची गई संगठित साजिश का हिस्सा थी। यह जानकारी 177 पन्नों के हलफनामे में दी गई, जो छात्र नेता उमर खालिद, शरजील इमाम और अन्य आरोपियों की जमानत याचिकाओं के जवाब में प्रस्तुत किया गया।

पुलिस का कहना है कि जांचकर्ताओं ने प्रत्यक्षदर्शियों और तकनीकी साक्ष्यों को जोड़कर यह साबित किया कि दंगे सांप्रदायिक आधार पर सुनियोजित तरीके से भड़काए गए। यह योजना नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) के खिलाफ विरोध को हथियार बनाने और भारत की अखंडता पर प्रहार करने के लिए बनाई गई थी। हलफनामे में कहा गया कि यह हिंसा अकेली घटना नहीं थी, बल्कि उत्तर प्रदेश, असम, पश्चिम बंगाल, केरल और कर्नाटक जैसे अन्य राज्यों में भी इसी पैटर्न में फैल गई थी। ▶10पर

पाकिस्तान सीमा पर बड़ा सैन्य जमावड़ा

शुरू हुआ तीनों सेना का त्रिशूल युद्धाभ्यास

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत ने पाकिस्तान सीमा के पास ऑपरेशन त्रिशूल नामसे अब तक का सबसे बड़ा संयुक्त युद्धाभ्यास शुरू किया है। 10 नवंबर तक चलने वाले इस अभ्यास में तीनों सेनाओं के 25 हजार से ज्यादा जवान शामिल हुए हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह पहला मौका है जब भारत किसी सामरिक चुनौती से निपटने के लिए युद्ध के सभी संभावित क्षेत्रों में अपने युद्धकौशल का परीक्षण कर रहा है। राजस्थान और गुजरात के सीमाई इलाकों में इस अभ्यास को एक चेतावनी के तौर पर देखा जा रहा है कि यदि पाकिस्तान ने इस बार हिमाकत की तो जवाब सीमा पार तक जाएगा। भारत यह रणनीतिक संदेश देना चाहता है कि वह सीमाओं की सुरक्षा पर किसी भी चुनौती से निपटने के लिए तैयार है। 10 नवंबर तक चलने वाले इस अभ्यास में तीनों सेनाओं के 25 हजार से ज्यादा जवान शामिल हुए हैं।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का घोषणा-पत्र जारी

वादा निभाता है एनडीए कहकर खोला वादों का पिटारा

पटना, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने अपना घोषणापत्र जारी कर दिया है। एनडीए के सभी घटक दलों के प्रमुख नेताओं ने मिलकर संकल्प पत्र 2025 के नाम से घोषणा पत्र जारी किया। सीएम नीतीश कुमार, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी, चिराग पासवान और सांसद उपेंद्र कुशवाहा, बिहार भाजपा के चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान, भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा की मौजूदगी में जारी किए गए घोषणा पत्र को विकसित बिहार का ब्लू प्रिंट बताया गया।

घोषणा पत्र के बारे में जानकारी देते हुए सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार की जनता अब केवल विकास जानती है। उन्हें पता है कि पीएम मोदी और सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में कितना विकास हुआ है। अगले पांच साल में बिहार को एक औद्योगिक हब के रूप में डेवलप किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमलोगों ने युवा, महिला, गरीब, दलित, अति पिछड़ों पर फोकस किया। ▶10पर

एक ग्लैमरस हेयरस्टाइलिंग वर्कशॉप का आयोजन

सौंदर्य केवल बाहरी नहीं होता, बल्कि आत्मविश्वास का माध्यम: तरुणा मेहता

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ ने सक्षम के अंतर्गत अपनी विशिष्ट पहल से सबका ध्यान आकर्षित किया। टाइमलेस ट्रेसेस शीर्षक से आयोजित यह ग्लैमरस और ज्ञानवर्धक हेयरस्टाइलिंग वर्कशॉप जीतो कार्यालय में आयोजित हुई, जिसमें लगभग 160 महिलाओं ने दो सत्रों में बड़ी उत्सुकता के साथ भाग लिया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य केवल बालों की साज-संवार सिखाना नहीं था, बल्कि हर महिला को आत्मविश्वास और आत्म-अभिव्यक्ति की शक्ति से परिचित कराना था। कार्यक्रम की संयोजिका निशा कोठारी और सह-संयोजिका तरुणा मेहता रहीं, जिन्होंने पूरे आयोजन की रूपरेखा बेहद सौंदर्यपूर्ण ढंग से तैयार की। शुभारंभ नवकार मंत्र के मंगलपाठ से हुआ, जिसने वातावरण को शांत और सकारात्मक बना दिया। स्वागत भाषण में सह-संयोजिका तरुणा मेहता ने कहा कि आज की दुनिया में हर महिला, उम्र की परवाह किए बिना, खुद को सुसज्जित और आत्मविश्वासी महसूस करना चाहती है। उन्होंने कहा सौंदर्य केवल बाहरी नहीं होता, बल्कि आत्मविश्वास का माध्यम होता है। जब महिला स्वयं को संवारती है, वह और भी उज्ज्वल बन जाती है। अध्यक्षा बबिता रायसोनी ने अपने संबोधन में कहा जब हम अच्छे दिखते हैं, तो हम अच्छा महसूस करते हैं, और जब हम अच्छा महसूस करते हैं, तो हम अच्छा करते हैं। उन्होंने बताया कि इस वर्कशॉप का उद्देश्य महिलाओं को अपने रूप, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व के प्रति सजग बनाना है। उन्होंने आयोजन टीम को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे उपयोगी और समसामयिक कार्यक्रम महिलाओं को भीतर और बाहर, दोनों रूपों में सशक्त बनाते हैं। हर महिला स्वभाव से ही सुंदर है, पर जब वह अपने आत्मविश्वास के साथ उस सुंदरता को व्यक्त करती है, तब वह वाकई अविस्मरणीय बन जाती है।

मुख्य सचिव निधि पलरेचा ने भी कार्यक्रम की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं भेजीं और आयोजन टीम के प्रयासों की सराहना की। वर्कशॉप की मुख्य प्रशिक्षक हर्षा चोपड़ा सेलिब्रिटी हेयर स्टाइलिस्ट, जिन्होंने अपने अनुभव और सरल अंदाज से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने महिलाओं द्वारा झेली जाने वाली आम समस्याओं, जैसे बालों का झड़ना, पतले बाल, बालों में खालीपन या वॉल्यूम की कमी पर विस्तार से चर्चा की और आसान समाधान बताए। हर्षा ने सिखाया कि कैसे एक्सटेंशन के माध्यम से बालों को घना दिखाया जा सकता है, कैसे पतले बालों को वॉल्यूम दिया जा सकता है, और कैसे चेहरे के आकार के अनुसार हेयरस्टाइल चुना जाए ताकि व्यक्तित्व और अधिक आकर्षक लगे। उन्होंने यह भी बताया कि यदि माथा चौड़ा हो, तो बालों की फ्रिंज या साइड लॉक से उसे संतुलित कैसे किया जा सकता है। उन्होंने विभिन्न जुड़ा स्टाइल्स, तेज और प्रोफेशनल स्टूडियो टाइप हेयरस्टाइल्स, तथा हेयर पिन, क्लिप, स्प्रे, जेल, शैंपू, कंडीशनर और ऑयल्स के सही उपयोग पर विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने यह भी समझाया कि बाल धोते समय पानी का तापमान कितना मायने रखता है और नियमित हेयर स्पा से बालों को कैसे पोषण मिलता है। हर्षा ने बताया कि किस तरह ब्रोच या फूलों का सही संयोजन कपड़ों के साथ लुक को और अधिक आकर्षक बना सकता है। उन्होंने विभिन्न अवसरों, जैसे त्योहार, शादी या औपचारिक समारोहोंके लिए उपयुक्त हेयरस्टाइल्स का प्रदर्शन किया। वर्कशॉप के दौरान माहौल अत्यंत जीवंत रहा। महिलाएँ स्वयं मॉडलों की तरह मंच पर आईं, नई तकनीकें आजमाईं और उत्साह के साथ सहभागिता कीं। हर्षा का सहज स्वभाव और हर प्रश्न का मुस्कुराकर उत्तर देने की शैली ने सबका दिल जीत लिया।

आत्म-सम्मान का प्रतीक

इस आयोजन में वनीता बच्छावत, संगीता सियाल और अश्मिता चौहान की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा और बढ़ा दी। आयोजन टीम के समर्पण, एकता और ऊर्जा ने इस पूरे कार्यक्रम को विशेष बना दिया। समापन के समय प्रतिभागियों ने व्यक्त किया कि टाइमलेस ट्रेसेस केवल एक हेयरस्टाइलिंग वर्कशॉप नहीं थी यह आत्म-देखभाल और आत्मविश्वास की एक प्रेरक यात्रा थी। हर प्रतिभागी नई जानकारी और मुस्कान के साथ लौटी, इस अहसास के साथ कि सुंदरता केवल बाहरी नहीं, बल्कि भीतर से उपजती है। जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ का यह आयोजन संगठन के उस उद्देश्य को पुनः सिद्ध करता है, जिसमें महिलाओं को निरंतर सीखने, आगे बढ़ने और आत्मविश्वास से जीवन जीने के लिए प्रेरित किया जाता है। ग्लैमर, ज्ञान और गरिमा से भरा टाइमलेस ट्रेसेस वास्तव में अपने नाम के अनुरूप साबित हुआ, ऐसा आयोजन जिसने हर महिला को यह अहसास कराया कि खुद को संवारना केवल कला नहीं, बल्कि आत्म-सम्मान का प्रतीक है।

गुरु भगवंतों के दर्शन वंदन का लिया लाभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के प्रतिनिधिमंडल ने अपने अध्यक्ष धनपत राज बोहरा के नेतृत्व में सिंधनूर पहुंच कर जयगछाधिपति आचार्य श्री पार्श्वचन्द जी एवं डा. मुनि पदमचंद्र जी के दर्शन का लाभ लिया और उनके आज्ञा-नुवर्तिनी साध्वी श्री शशिप्रभा जी का 2025 का चातुर्मास अलसूर संघ को प्रदान करने के लिए संघ की ओर से कृतज्ञता व्यक्त की। सिंधनूर में प्रवचन सभा में अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने अलसूर चातुर्मास की उपलब्धियों को बताते हुए कहा कि अलसूर में महासति जी की प्रेरणा से 6 मासखमन तप और 125 से ज्यादा बड़े तप हुए। चारों महीने जिनवाणी की वर्षा हुई और दर्शनार्थियों का आवागमन हुआ। साध्वी जी के सान्निध्य में कई महापुरुषों के गुणानुवाद का अवसर भी मिला। उन्होंने उम्मीद व्यक्त की कि यदि द्रव्य क्षेत्र काल और भाव अनुकूल रहे और क्षेत्र की पुनवानी रही तो आचार्य के अगले चातुर्मास का दिव्य और दुर्लभ लाभ भी अलसूर को मिल सकता है। अपने प्रवचन में डॉ. मुनि पदमचंद्र जी ने कहा कि 12 व्रत लेने से हमारे पुण्य का बंध होता है और संयम की ओर रुचि बढ़ती है। त्याग में आनंद आता है। मर्यादा में आने से धर्म आराधना बढ़ती है। आसक्ति घटेगी तो निवृत्ति बढ़ेगी। प्रवचन सभा में वचन सिद्ध साधक, आजीवन आयम्बिल तपस्वी मुनि हरखचंद जी की 200 वीं जन्म जयंती गुणानुवाद के साथ मनाई गई।

अलसूर संघ के अध्यक्ष धनपत राज बोहरा एवं मंत्री अभय कुमार बांठिया का सम्मान किया गया। प्रतिनिधिमंडल ने रायचूर में विराजित साध्वी श्री प्राप्ति जी के दर्शन और ज्ञान चर्चा का लाभ लिया और बेंगलूरु पधारने की विनती रखी। प्रतिनिधिमंडल में गौतमचंद छाजेड़, प्रकाशचंद नाहटा, उगमराज मुथा तथा तेजराज तातेड़ शामिल थे।

मौत का बुलावा आने से पहले ही कर लें अच्छा कर्म: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि तन, धन और जल पर वार्ता चल रही है। तीनों का अपना अलग महत्व है। तन में सुकून है और धन, जल का अपना महत्व है। तन का खेल दिखाना, चमकाना और बोलना है। तन में मुसाफिर बैठा है। स्टेशन आयेगा तो मुसाफिर तन से उतर जाएगा। तन में आत्मा एक मुसाफिर की तरह है। समय आयेगा तो आत्मा निकल जाएगी। यह तीन मंजिल का मकान है। ऐसे अमूल्य समय में मनुष्य आत्मा की जगह तन को चमकाने का कार्य कर रहा है। शरीर में सबसे महत्वपूर्ण धड़कन है। जब तक धड़कन है सब मामला अच्छा रहेगा। सांस के टूटते ही शरीर नष्ट हो जाता है। आंखें है तब सब है। अगर आंख नहीं है तो सब बेकार हैं। आंखों की वजह से ही संसार दिखता है। मुख से खाना खाते हैं लेकिन सारा काम पेट करता है। पेट ही सब शरीर को अच्छा रखता है। लेकिन याद रखना जब मौत का हुक्म आएगा तो यह बंगले जैसा तन खाली करके जाना पड़ेगा। जब तक सांस है तो आत्मा को तपा लेना चाहिए। इस शरीर के चक्कर में धर्म, ध्यान, तप त्याग नहीं भूलना चाहिए। तन तो एक दिन जाना है। जब तक मौका है तब तक अच्छा कार्य कर लेना चाहिए। मौत का बुलावा आते ही सब खत्म हो जाएगा। इसलिए इस तन को सजाने के चक्कर में नहीं पड़ना चाहिए। इस मौके का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। सारी चीज उपलब्ध है तो अच्छा कार्य करके जीवन को तार लेना चाहिए। भगवान ने स्वस्थ शरीर दिया है तो उसका अच्छा उपयोग कर लेना चाहिए। दिल बड़ा रखते हुए लोगों की मदद करते रहना चाहिए। अच्छे कर्मों का फल भी अच्छा ही मिलेगा। संचालन महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने किया।

गुरु के विनय से जीवन में विनय आचार का विकास संभव: साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि उत्त-राध्ययन सूत्र का प्रथम अध्ययन विनय का निर्देश करता है। गुरु के विनय (सम्मान) से जीवन में विनय आचार का विकास होता है। एक प्रतिमा को बनाने में शिल्पी का श्रम जितना मूल्यवान् होता है, पाषाण की कमनीयता भी उतनी ही मूल्यवान् होती है। पाषाण कितनी ही अच्छी गुणवत्ता का धारक क्यों न हो, पर जब तक वह कुशल शिल्पी के हाथों में नहीं पहुँचता, तब तक उसका कोई मूल्य नहीं। यदि कुशल शिल्पी के हाथों में अच्छा पाषाण आ भी जाए पर वह चोट सहने को तैयार नहीं हो तो भी उसमें से भव्य और नव्य प्रतिमा की आशा करना मिट्टी को पीलकर तेल निकालने जैसा निरर्थक कार्य है। जब पाषाण शिल्पी की हर चोट को झेलना स्वीकार कर लेता है, तब उसमें से विकास की नयी रश्मियाँ जन्म लेने लगती हैं। हर चोट के साथ वह पाषाण प्रतिमा में वैसे ढ़लता जाता है, जैसे आग में सोना कुन्दन बनता हुआ निखार पाता जाता है। जो शिष्य गुरु की चोट को नहीं सह पाता, वह जीवन में कुछ बन पाये, यह असंभव ही है। बीज सोचे कि मैं स्वयं वृक्ष बन जाऊँगा। फल से परिपूर्ण हो जाऊँगा तो यह बात केवल अहंकार को प्रकट करती है। सब जानते हैं कि बीज स्वयं कुछ भी नहीं कर सकता। उसके लिये योग्य बागबान की जरूरत होती है। वह उसे जमीन में वपन करता है। समय पर धूप और पानी देता है। सार-संभाल करता है, तब वह बीज छायादार वटवृक्ष के रूप में परिणत होता है। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेंद्र गुरु मंदिर संघ उपाध्यक्ष राजेंद्र पोरवाल ने बताया कि पुणे से छगनलाल सोलंकी, हस्तीमल राणावत, चंचल राणावत, मंजुबाई सोलंकी, इंद्रा बाई, लता, रंजन, रमीला, संगीता, फूली बाई, दीप्ति डोसी का स्वागत अंबालाल शाह, सुरेश संघवी, वैभव कुमार, भवरलाल जैन, सुरेश पोरवाल ने किया।

एडीजीपी अशोक जैन ने साध्वीवृंद के किए दर्शन वंदन

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जैन मरूधर संघ में चातुर्मास हेतु विराजित साध्वी श्री भगवंत मोक्ष मालाश्री के दर्शनार्थ उनके सांसारिक भ्राता एवं उत्तर प्रदेश कैडर के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी, गोरखपुर जोन के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) अशोक कुमार मांगीलाल जैन (आहोर) अपनी धर्मपत्नी सहित हुब्बल्ली पधारे।

इस दौरान जैन ने श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित मधुर व्याख्यानी मुनि श्री नवीन प्रज्ञ जी के समक्ष उपस्थित होकर आशीर्वाद प्राप्त किया। प्रथम बार हुब्बल्ली आगमन पर स्थानकवासी समाज द्वारा एडीजीपी अशोक जैन का ससम्मान स्वागत-सत्कार किया गया। इस अवसर पर संघ के गौरव अध्यक्ष बाबूलाल पारेख, पूर्व अध्यक्ष महेंद्र सिंघी, निदेशक गौतम गोलेच्छा, अशोक कानुंगा, प्रवीण भुरट, भूपेंद्र संघवी सहित अन्य गणमान्य जनों ने उनका हार्दिक अभिनंदन किया।

राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु मंडल ने शुक्रवार को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया।

इस अवसर पर, बेंगलूरु के एम.जी. रेलवे कॉलोनी में एकता दौड़ का आयोजन किया गया। मंडल रेल प्रबंधक आशुतोष कुमार सिंह ने अधिकारियों, कर्मचारियों और छात्रों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई। बाद में, उन्होंने एकता दौड़ का नेतृत्व किया, जो रेलवे खेल मैदान से शुरू होकर एम.जी. रेलवे कॉलोनी से होते हुए रेलवे खेल मैदान पर समाप्त हुई। अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक परीक्षित मोहनपुरिया और प्रवीण कटारकी, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी उमा शर्मा, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त (आरपीएफ) डॉ. श्रेयांस चिंचवड़े, अन्य रेलवे अधिकारी और कर्मचारी, पीएम केंद्रीय विद्यालय और शमा विद्या शाला के छात्र, और स्काउट और गाइड ने इस कार्यक्रम में उत्साह-पूर्वक भाग लिया और सद्भाव और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया।

सुहास शेट्टी हत्याकांड में एनआईए ने दाखिल की चार्जशीट

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) ने अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया है, जिसमें कहा गया है कि दक्षिण कन्नड़ जिले में बजरंग दल कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की नृशंस हत्या एक पूर्वनियोजित कृत्य था।

यह आरोपपत्र गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम, 1967, भारतीय दंड संहिता, 2023 और शस्त्र अधिनियम, 1959 की विभिन्न धाराओं के तहत दायर किया गया है। सुहास शेट्टी की मई 2025 में घातक हथियारों से लैस सात लोगों ने बेरहमी से हत्या कर दी थी। यह एक सुनियोजित और पूर्वनियोजित हत्या थी, क्योंकि अपराधियों ने पहले ही सुहास शेट्टी की हत्या की साजिश रची थी। उन पर घात लगाकर हमला किया गया और उनकी हत्या कर दी गई। जब उन पर हमला हुआ तो सुहास शेट्टी अपनी जान बचाने के लिए भागे थे।

दस्तावेजों से पता चलता है कि पीछा किए जाने के बावजूद हत्यारों ने कोई दया नहीं दिखाई। आर-ोपपत्र में कहा गया है कि आरोपियों ने जानबूझकर सुहास शेट्टी द्वारा चलाई जा रही इनोवा कार को टक्कर मारी। मेंगलूरु स्थित सुहास

शेट्टी हत्याकांड में गिरफ्तार 11 आरोपियों के खिलाफ एनआईए ने एक विशेष अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया है। बजरंग दल के सदस्य शेट्टी की इसी साल 1 मई को सात लोगों ने हत्या कर दी थी। एनआईए ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि यह हत्या समाज में भय और आतंक फैलाने के उद्देश्य से की गई थी। गृह मंत्रालय के निर्देश पर मामले की जाँच कर रही एजेंसी ने कहा कि हत्या के पीछे एक बड़ी साजिश है। पता चला है कि सात आरोपी, जो कई महीनों से सुहास शेट्टी की गतिविधियों और गतिविधियों पर कड़ी नजर रख रहे थे, ने दो कारों में उनकी टोयोटा इनोवा कार का पीछा किया और उनकी हत्या कर दी। आरोपी अब्दुल सफवान, नियाज, मोहम्मद मुसमीर, वामनाद और प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के पूर्व सदस्य नौशाद उर्फ छोटू ने मिलकर आतंकी साजिश रची थी। अब्दुल सफवान कर्नाटक फोरम फॉर डिग्निटी और पीएफआई के पूर्व सदस्य हैं। एनआईए ने कहा कि आरोपी आदिल महरूफ उर्फ आदिल ने भुगतान के वादे पर अन्य आरोपियों को भर्ती करने के लिए पैसे दिए थे। आरोप पत्र में कलंदर शफी, एम. नागराज, रंजीत, मोहम्मद रिजवान, अज-हरुद्दीन और अब्दुल खादर समेत पांच आरोपियों के नाम शामिल हैं। गिरफ्तार दूसरे आरोपी अब्दुल रजाक के खिलाफ जांच चल रही है।

श्री मरुधरा जैन संघ, बेंगलोर
स्नेह मिलन
दिनांक- 2.11.2025 स्थल- भिक्षु धाम
बस प्रस्थान- सुबह 7.30 से 8.30 तक
चिकलालबाग - चामराजपेट - राजाजी नगर से
भावभरा आमंत्रण
लाभार्थी परिवार
1-श्रीमति सोनीदेवी-श्री केसरीमलजी बडेरा परिवार-दुंदाडा
2-श्रीमती अणचीदेवी-श्री भंवरलालजी गुलेच्छा परिवार-दुंदाडा
3-श्रीमति पानीदेवी-श्री सुकनराजजी मकाणा परिवार-दुंदाडा
4-श्रीमति झमकूदेवी-श्री बादरमलजी श्रीश्रीमाल परिवार-दुंदाडा
5-श्रीमान ढाबरचंदजी-महिपालजी-श्रीपालजी-कवाड परिवार- सालावास
6-श्री धींगडमलजी-उतमचंदजी-किशोरकुमारजी-बडेरा परिवार- अजीत
7-श्रीमति कमलाबाई-श्री देवीचंदजी सालेचा परिवार- भोरडा
8-श्रीमति मगीदेवी-श्री भंवरलालजी मुणोत परिवार ढीढस
9-श्रीमति शांतिदेवी-श्री चंपालालजी पालरेचा परिवार- दुंदाडा
10-श्रीमति कमलादेवी-श्री भंवरलालजी भंडारी-दौलती परिवार- दुंदाडा
11-श्रीमान उगमराजजी-भंवरलालजी-जवाहरलालजी-भंडारी परिवार - भाँवरी
निवेदक
श्री मरुधरा जैन संघ * श्री नवयुवक मंडल * श्री महिला मंडल के समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य
आमंत्रण पत्रिका संघ के ग्रुप में 2.10 को ही भेज दी गयी है!
आपका आगमन-संघ का सौभाग्य

रिश्वत लेने का दोषी पाए जाने पर पुलिस अधिकारियों को सेवा से बर्खास्त किया जाएगा: गृह मंत्री परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने चेतावनी दी है कि अगर पुलिस विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा रिश्वत लेने की बात साबित हो जाती है, तो उन्हें सेवा से बर्खास्त कर दिया जाएगा। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी सरकार भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं करेगी।

बेंगलूरु के के. शिवकुमार ने सोशल मीडिया पर विस्तार से लिखा था कि कैसे उनकी बेटी की मौत के बाद पोस्टमार्टम समेत विभिन्न कार्यों के लिए रिश्वत वसूली गई। इस मामले में बेलंदूर पुलिस स्टेशन के एक सब-इंस्पेक्टर और एक कांस्टेबल को निलंबित कर दिया गया है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री परमेश्वर ने कहा कि न केवल पुलिस विभाग, बल्कि

किसी भी सरकारी विभाग में, अगर अधिकारियों और कर्मचारियों ने रिश्वत ली है, तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हम सख्त कार्रवाई करेंगे। खासकर अगर पुलिस विभाग में रिश्वत ली जाती है, चाहे वह हजार हो या पाँच सौ, तो निलंबन जैसी तत्काल कार्रवाई की जाएगी और विभाग की जाँच की जाएगी। उन्होंने कहा कि अगर जाँच में रिश्वत लेने की बात साबित होती है, तो उन्हें सेवा से बर्खास्त कर दिया जाएगा। हमने पुलिस सम्मेलन और अन्य बैठकों में निर्देश दिए हैं कि अगर ऐसे मामले हमारे या वरिष्ठ अधिकारियों के ध्यान में आते हैं, तो तुरंत और निर्णायक कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने भी स्पष्ट आदेश दिया है। उन्होंने कहा कि वे किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार का समर्थन नहीं करेंगे। पिछली सरकार ने आंतरिक आरक्षण के मुद्दे पर भ्रम की स्थिति पैदा की थी। हमारी सरकार ने इसे ठीक करने और कानून को मजबूत बनाने के लिए कदम उठाए हैं। आंतरिक आरक्षण को लेकर हमारी सरकार द्वारा उठाए गए कदमों में कोई भ्रम नहीं है। आंतरिक आरक्षण को ए, बी, सी के आधार पर विभाजित किया गया था। इसे एक अध्यादेश के माध्यम से लागू किया गया और फिर एक कानून बनाकर उसके क्रियान्वयन पर चर्चा की गई। लेकिन मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हुई एक बैठक में कानून मंत्री को निर्देश दिया गया कि वे अध्यादेश के बजाय कानून बनाएँ और उसे बेलगावी के शीतकालीन सत्र में पेश करें। भाजपा सांसद गोविंद करजोल आंतरिक आरक्षण के मुद्दे को समझ नहीं पाए। उनकी सरकार ने प्रशासन में बहुत भ्रम पैदा किया था। हमने इसे ठीक कर दिया है और इसे कानून का रूप देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने धर्मस्थल मामले में एसआईटी जाँच पर रोक लगाने वाले उच्च न्यायालय के आदेश को नहीं पढ़ा है। हम इस बारे में विधि विभाग के महाधिवक्ता और कानूनी विशेषज्ञों से चर्चा करेंगे। क्या हमें उच्च न्यायालय के आदेश की समीक्षा याचिका दायर करनी चाहिए? या हमें सर्वोच्च न्यायालय का रुख करना चाहिए? हम चर्चा करेंगे और तय करेंगे कि किस प्रकार की कानूनी कार्रवाई की जाए।

कृष्णा बायरे गौड़ा ने उप संभागीय अधिकारी पर साधा निशाना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने एक उप-मंडल अधिकारी पर निशाना साधते हुए उन्हें एक बोर्ड लगाने को कहा है जिसमें लिखा हो कि आपके कितने एजेंट हैं और उनमें से आधिकारिक एजेंट कौन है।

विकास सौधा में सभी उप-मंडल अधिकारियों के साथ एसी अदालतों में लंबित विवाद मामलों के निपटारे के संबंध में आयोजित प्रगति समीक्षा बैठक में, मंत्री ने बेंगलूरु उत्तर मंडल की उप-मंडल अधिकारी किरण पर निशाना साधा। बैठक में, उन्होंने उप-मंडल अधिकारी से कहा कि वे एजेंटों से उनके काम के लिए मिलें। उन्होंने पूछा अगर मैं आपको ढूंढ नहीं पा रहा हूँ, तो लोगों की क्या कहानी है? उप-मंडल अधिकारियों की अदालतों में लंबित मामलों का शीघ्र निपटारा किया जाना चाहिए। मंत्री ने सुझाव दिया कि मामलों का अनावश्यक रूप से निपटारा नहीं किया जाना चाहिए और इसमें कोई देरी नहीं होनी चाहिए।

मानसून कमजोर, फिलहाल बारिश की उम्मीद नहीं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

चक्रवात मोंटा के बाद, राज्य में मानसून की बारिश कमजोर पड़ गई है और 3 नवंबर तक राज्य में शुष्क मौसम बना रहेगा। दिन में धूप खिली रहेगी, जबकि रात में ठंड बढ़ेगी। गुरुवार को तटीय जिलों में व्यापक बारिश हुई, जबकि राज्य के बाकी हिस्सों में कुछ ही जगहों पर बारिश हुई। मैसूरु और विजयपुरा सहित कुछ जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, फिलहाल अच्छी बारिश के कोई संकेत नहीं हैं, लेकिन कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश जारी रह सकती है। मौसम विभाग के बेंगलूरु केंद्र के निदेशक सी.एस. पाटिल ने बताया कि राज्य में बारिश की दर कम हो जाएगी और 3 नवंबर तक राज्य के अधिकांश हिस्सों में शुष्क मौसम बना रहेगा। उन्होंने कहा कि तटीय क्षेत्र में 3 नवंबर तक शुष्क मौसम बना रहेगा। इसके बाद, 6 नवंबर तक हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। 3 से 6 नवंबर तक मलनाड, उत्तरी आंतरिक, दक्षिणी आंतरिक और कल्याण कर्नाटक में कुछ स्थानों पर बारिश होने का अनुमान है। उन्होंने बताया कि 4 से 6 नवंबर तक बेंगलूरु के आसपास के क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर मध्यम वर्षा होने की संभावना है। इस बार बेसिन में अच्छी मानसूनी बारिश के कारण, केआरएस, काबिनी, हेमावती, भद्रा, घटप्रभा, मलप्रभा, अलमट्टी, वाणीविलास सागर जलाशय अक्टूबर के अंत तक पूरी तरह भर चुके हैं। शेष जलाशयों में भी जलभराव की अच्छी स्थिति है। चूँकि मानसून के मौसम में भी राज्य के प्रमुख जलाशयों में पर्याप्त जल प्रवाह बना रहता है, इसलिए सिंचित फसलों के लिए जलाशयों से पानी छोड़ा जाता है और वे भरे रहते हैं।

राज्य भाजपा में आंतरिक कलह से तंग आकर कार्यकर्ता पार्टी से दूरी बना रहे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विपक्षी भाजपा में नदी में बहते पानी की तरह संकट सुलझता नहीं दिख रहा है। आरोप लग रहे हैं कि सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी सत्ताधारी दल में हो रहे घटनाक्रम और सरकार की नाकामियों को जनता तक पहुंचाने में नाकाम साबित हो रही है। तीन दरवाजों वाले घर जैसी भाजपा की गुटबाजी से कार्यकर्ता खुद तंग आ चुके हैं और पार्टी की गतिविधियों से मुंह मोड़ रहे हैं। इससे स्वाभाविक रूप से नेताओं की नींद हराम हो गई है।

चाहे कितनी भी नाराजगी और पारिवारिक प्रेम क्यों न हो, जब पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा पार्टी अध्यक्ष या विपक्ष के नेता थे, तो वे कार्यकर्ताओं को पहचानते, उनकी पीठ थपथपाते और उनका हौसला बढ़ाते थे। इसी वजह से, बीएसवाई से चाहे कितना भी असंतोष क्यों न हो, कार्यकर्ता पार्टी संगठन में जुट जाते थे। अब, समय बदलने के साथ, वफादारों की पहचान करना संभव नहीं है। इसके बजाय, कार्यकर्ताओं को लगता है कि उनके समर्थकों को ही रणनीतिक स्थानों पर बिठाया जा रहा है। नेता चाहे जितना भी दावा करें कि हम सब एकजुट हैं, हकीकत पार्टी से अलग है। देश में भाजपा भले ही मजबूत है, लेकिन यहां स्थिति उलट है।

ज्यादातर लोग पार्टी की इस हालत की वजह येदियुरप्पा जैसे मजबूत नेता का न होना और सबको विश्वास में न लेना मान रहे हैं। हालांकि भाजपा अध्यक्ष पद की घोषणा की उल्टी गिनती शुरू होने की चर्चाएं हैं, लेकिन आलाकमान के नेता आधिकारिक घोषणा से आगे नहीं बढ़ रहे हैं। राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर आलाकमान के नेताओं के दरबार तक पहुंच रही आरोपों की बौछार इसकी वजह है। भाजपा अध्यक्ष गुट को भरोसा था कि विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल के भाजपा से निष्कासन के बाद सब ठीक हो जाएगा। लेकिन उम्मीद के मुताबिक ऐसा नहीं हो रहा है। यतनाल गुट के असंतुष्ट सदस्य लगातार अपनी मांगें उठा रहे हैं। वे अलग-अलग बैठकों के जरिए अंदरूनी बगावत के संकेत दे रहे हैं।

बी.वाई. विजयेंद्र भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हैं। उन्हें मनोनीत किया जा चुका है। लेकिन भाजपा अध्यक्ष की नियुक्ति की प्रक्रिया जैसी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। हालांकि यह प्रक्रिया चल रही है, लेकिन इसमें काफी देर हो रही है। विजयेंद्र को आधिकारिक तौर पर अध्यक्ष क्यों नहीं घोषित किया जा रहा है, इस सवाल का जवाब नहीं मिल रहा है। भाजपा में आंतरिक अराजकता थमी नहीं है। एक ओर असंतुष्ट गुट और विजयेंद्र गुट के बीच समस्या बढ़ती जा रही है। दूसरी ओर, विपक्षी नेता आर. अशोक और प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र के बीच समन्वय का अभाव है। इसका कोई समाधान निकालना संभव नहीं है। इन सारी अराजकता का सीधा असर भाजपा पार्टी की गतिविधियों पर पड़ रहा है। राज्य में भाजपा 2023 के चुनावों में झटका लगने के बाद उभर नहीं पाई है। भले ही सत्ता विजयेंद्र को सौंप दी गई हो, लेकिन इसका कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ रहा है। भाजपा को राज्य सरकार से लड़ने में भी झटके लग रहे हैं। वर्तमान में, भाजपा के प्रदेश नेतृत्व पर यह सबसे बड़ा आरोप सुनने को मिल रहा है। आरोप है कि राज्य भाजपा सत्ताधारी दल के साथ समझौतावादी राजनीति कर रही है। असंतुष्ट गुट लगातार यह आरोप लगा रहा है। इससे पहले, बसनगौड़ा पाटिल यतनाल यह आरोप लगाते थे। अब असंतुष्ट धड़े के अन्य सदस्यों की ओर से भी यही आरोप सुनने को मिल रहे हैं। फिलहाल राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की कोई संभावना नहीं है, कुछ लोग नेतृत्व के खिलाफ खुलकर बयानबाजी करके भ्रम की स्थिति पैदा कर रहे हैं। प्रदेश प्रभारी डॉ. राधामोहन ने कहा था कि ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। जाहिर है, इन सब बातों ने कई शंकाओं को जन्म दिया है। फिलहाल, भाजपा की असहमति का समाधान निकालना जरूरी है। राज्य सरकार को दो साल पूरे हो चुके हैं। हालांकि, भाजपा एक विपक्षी दल के रूप में विफल रही है। ऐसे में, आने वाले दिनों में भाजपा कैसे लड़ेगी, यह उत्सुकता की बात है।

पोस्टमार्टम जांच के लिए रिश्वत, राज्य के सम्मान की राष्ट्रीय स्तर पर नीलामी: शोभा करंदलाजे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के बेटे और विधान परिषद सदस्य यतींद्र रिश्वत लेकर काम कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने गंभीर आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री आवास की नाक के नीचे भ्रष्टाचार हो रहा है। उनके बेटे के पोस्टमार्टम के लिए रिश्वतखोरी के मामले ने राष्ट्रीय स्तर पर कर्नाटक की प्रतिष्ठा को धूमिल कर दिया है। राज्य में भ्रष्टाचार का बोलबाला है। अधिकारी पैसे देकर पद ले रहे हैं। उन्होंने शिकायत की कि इस सरकार में बिना रिश्वत के कोई काम नहीं होता। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि सिद्धरामैया की नाक के नीचे भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी हो रही है। आज अगर आप बिना पैसे के

मुख्यमंत्री आवास जाते हैं, तो कोई काम नहीं होता। उनका बेटा रिश्वत लेकर कोई भी काम करवा लेता है। उन्होंने इसे रिश्वतखोर सरकार बताया।

सहारनपुर विधानसभा चुनाव के लिए राज्य की जनता से लूट हो रही है। जब हम इस बारे में बात करते हैं, तो कुछ लोग हम पर व्यंग्यात्मक लहजे में बात करते हैं। उन्होंने पूछा कि अगर वे उन्हें बता दें कि क्या हुआ था, तो उन्हें इसमें क्या दिक्कत है। राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। मुझे नहीं पता कि गृह मंत्री हैं भी या नहीं, मैं उनसे कुछ भी पूछूँ, उन्हें पता ही नहीं। वे तुरंत जवाब देते हैं कि उन्हें नहीं पता। वे पुलिस की टोपी बदलने की सोच रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें कानून का पालन करने का जरा भी अंदाजा नहीं है। मुख्यमंत्री आसमान में उड़ रहे हैं, लेकिन उन्हें जमीन पर क्या हो रहा है, यह भी नहीं पता। नतीजतन, लड़कियों के बलात्कार और हत्या की घटनाएं बढ़ गई हैं। अधिकारी तबादलों के लिए पैसे दे रहे हैं। तबादलों के लिए पैसे कहाँ से आएंगे? मुख्यमंत्री के गृह जिले मैसूरु में एक लड़की के साथ बलात्कार हुआ और हुब्बल्ली में नेहा की हत्या कर दी गई। बेलगावी में एक महिला को नंगा करके बलात्कार किया गया। व्याख्याताओं ने अतिथि व्याख्याताओं के साथ बलात्कार किया। सौतेले पिता ने अपनी ही बेटी के साथ बलात्कार किया और बिहार और उड़ीसा के परिवारों के बच्चों को उठाकर बलात्कार किया गया। अपराधियों में इतनी हिम्मत कैसे आ गई? वहां की सरकार मर चुकी है, इसलिए बलात्कारियों में इतनी हिम्मत है। अधिकारी आत्महत्या कर रहे हैं। ठेकेदार आयोग पर आरोप लगा रहे हैं। राज्य में लड़कियों की जिंदगी और इज्जत की गारंटी है। ऐसे कमजोर गृह मंत्री के रहते कोई राज्य कैसे चला सकता है? बजरंग दल कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की हत्या कर दी गई। एनआईए की रिपोर्ट आ गई है। उन्होंने धर्म और जाति के नाम पर हत्यारों को बचाने का आरोप लगाया है। महिलाओं की रक्षा करें। अपनी कुर्सी को कलह से दूर रखें। हमें नहीं पता कि आप किसे मुख्यमंत्री बना रहे हैं। करंदलाजे ने मांग की कि जो भी मुख्यमंत्री बने, उसे पहले महिलाओं की सुरक्षा करनी चाहिए।

एक ही परिवार के चार सदस्यों ने की आत्महत्या की कोशिश

पिता और पुत्र की मौत मां और दूसरा बेटा बचे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उत्पीड़न के कारण एक ही परिवार के चार सदस्यों द्वारा आत्महत्या का प्रयास करने के मामले में पिता और पुत्र की मृत्यु हो गई, जबकि मां और एक अन्य पुत्र बाल-बाल बच गए और उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

देवनहल्ली तालुका के हेग्गनहल्ली में रहने वाले कुमारप्पा (60) रियल एस्टेट का व्यवसाय करते थे। अपने व्यवसाय में घाटे के कारण उन्होंने हाल ही में कुछ लोगों से कर्ज लिया था। जब कर्ज चुकाने का दबाव और उत्पीड़न बढ़ा, तो उन्हें समझ नहीं आया कि आगे क्या करें, इसलिए उन्होंने अपनी पत्नी रमा (55)

और बच्चों अरुण कुमार (30) और एक अन्य बेटे अक्षय कुमार (25) से बात की और सभी ने आत्महत्या करने का फैसला किया। गुरुवार शाम अरुण ने आत्महत्या कर ली, जबकि अन्य तीनों ने जहर खा लिया। मामला सामने आते ही चिक्काजला पुलिस मौके पर पहुंची, दरवाजा तोड़कर अंदर गई तो पिता और पुत्र मृत पाए गए, जबकि माँ और बेटा तड़प रहे थे। उन्हें तुरंत एम्बुलेंस से अस्पताल ले जाया गया और इलाज के लिए भर्ती कराया गया। दोनों सुरक्षित बच गए। पुलिस ने जब घर की तलाशी ली, तो उन्हें एक सुसाइड नोट मिला, जिसमें कुछ लोगों द्वारा हमें परेशान करने की बात लिखी थी। इसमें लिखा था कि पूरा परिवार इससे तंग आकर आत्महत्या कर रहा है। पुलिस ने पत्र को कब्जे में ले लिया है और आगे की जांच कर रही है।

अंतिम संस्कार के लिए भी लिया जा रहा रिश्वत: अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने डीसीएम डी.के. शिवकुमार से सवाल किया कि कांग्रेस आलाकमान और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की जेबें भरकर मुख्यमंत्री की कुर्सी पाने के लिए आपने निगम अधिकारियों को कितनी रिश्वत दी। उन्होंने इस संबंध में एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट पाने के लिए रिश्वत, मृत्यु प्रमाण पत्र पाने के लिए रिश्वत, अंतिम संस्कार करने

के लिए रिश्वत लिया जा रहा है। कुर्सी के लिए आम लोगों का खून और कितना चूसेंगे उपमुख्यमंत्रीजी। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा कि निगम के शिक्षकों को 6 महीने से वेतन नहीं मिला है। निगम के हाउसकीपिंग कर्मचारियों को 8 महीने से वेतन नहीं मिला है। निगम के कनिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारियों को 8 महीने से वेतन नहीं मिला है। सिर्फ टनल रोड, स्काई डेक, ब्रांड बेंगलूरु जैसे बड़े-बड़े शब्द न गढ़ें, स्वामी, पहले निगम कर्मचारियों को उचित ऋण दें। आपके शासन में हर दिन अखबारों और टीवी पर बेंगलूरु की कमियों को लेकर कोई न कोई नकारात्मक खबर आती रहती है, और शहर का नाम बदनाम हो रहा है। अगर आप सुशासन दे सकते हैं, तो जारी रखें, वरना किसी काबिल व्यक्ति के लिए रास्ता बनाएं।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

लोकसभा सदस्य राधाकृष्ण ने कलबुर्गी हवाई अड्डे पर हवाई सेवाओं की बहाली की मांग की

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो। कलबुर्गी के सांसद राधाकृष्ण दोड्डामणि ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू से कलबुर्गी से हवाई संपर्क बहाल करने के लिए तत्काल कदम उठाने और हवाई अड्डे को क्षेत्रीय संपर्क योजना (आर-सीएस-उड़ान) के अंतर्गत प्राथमिकता के आधार पर शामिल करने का आग्रह किया है ताकि कल्याण कर्नाटक क्षेत्र में निरंतर संचालन सुनिश्चित हो सके और क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिल सके। मंत्री को संबोधित एक विस्तृत पत्र में, दोड्डामणि ने आवश्यक बुनियादी ढाँचे और बढ़ते यात्री यातायात के बावजूद कलबुर्गी हवाई अड्डे के संचालन और व्यावसायिक कठिनाइयों की ओर ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने बताया कि 15 अक्टूबर से स्टार एयरलाइंस द्वारा कलबुर्गी के लिए और कलबुर्गी से आने-जाने वाली सेवाओं के अचानक निलंबन से यात्रियों, व्यावसायिक यात्रियों, छात्रों और पर्यटकों को काफी कठिनाई हुई है जो इस महत्वपूर्ण संपर्क पर निर्भर हैं। हवाई अड्डे के सामरिक महत्व पर

जोर देते हुए, सांसद ने कहा कि चार प्रमुख विश्वविद्यालयों, कर्नाटक उच्च न्यायालय की एक स्थायी पीठ, बहु-विशिष्ट स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं और प्रमुख प्रशासनिक कार्यालयों के साथ, कल्याण कर्नाटक की क्षेत्रीय राजधानी होने के नाते, कलबुर्गी को अपने शैक्षिक, वाणिज्यिक और प्रशासनिक विकास के लिए विश्वसनीय हवाई सेवाओं की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हवाई सेवाओं के बंद होने से पहले से ही बोझ तले दबी रेलवे और सड़क परिवहन प्रणालियों पर और अधिक दबाव पड़ा है। उन्होंने संबंधित एयरलाइन को परिचालन फिर से शुरू करने का निर्देश देने या जल्द से जल्द हवाई संपर्क बहाल करने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने के लिए मंत्री से व्यक्तिगत हस्तक्षेप की माँग की। दोड्डामणि ने लाभदायक और निरंतर उड़ान संचालन सुनिश्चित करने के लिए कलबुर्गी हवाई अड्डे को आरसीएस-उड़ान ढांचे के तहत लाने का भी आह्वान किया, जिसमें निरंतर व्यवहार्यता अंतर निधि और परिचालन सब्सिडी शामिल हो। उन्होंने सुझाव दिया कि आरसीएस-उड़ान योजना के तहत एक घंटे तक की उड़ान अवधि के लिए हवाई किराया 2,500 निर्धारित किया जाए, जिससे यात्रियों के लिए किफायती और अनुमानित मूल्य सुनिश्चित होगा और साथ ही एयरलाइन संचालन की दीर्घकालिक स्थिरता भी बनी रहेगी। हवाई अड्डे की क्षमता बढ़ाने और भविष्य में यातायात वृद्धि को समायोजित करने के लिए, उन्होंने दो विमान पार्किंग बे और कनेक्टिंग टैक्सीवे जोड़ने का प्रस्ताव रखा, जिससे हवाई अड्डा बढ़ी हुई उड़ान संचालन को कुशलतापूर्वक संभाल सकेगा और अधिक एयरलाइनों को आकर्षित कर सकेगा। सांसद ने बेंगलूरु, हैदराबाद, मुंबई और दिल्ली जैसे प्रमुख हवाई अड्डों पर उपयुक्त लैंडिंग और टेकऑफ स्लॉट सुनिश्चित करने में मंत्रालय से सहायता का अनुरोध किया, क्योंकि कलबुर्गी से संचालित एयरलाइनों को अक्सर इन भीड़भाड़ वाले केंद्रों पर स्लॉट प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि ऐसे हवाई अड्डों पर तरजीही पहुँच से मार्ग व्यवहार्यता और समय-निर्धारण में लचीलापन बढ़ेगा, जिससे समग्र कनेक्टिविटी में सुधार होगा। दोड्डामणि ने कलबुर्गी हवाई अड्डे पर विमानन संबंधी गतिविधियों में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए दीर्घकालिक नीतिगत समर्थन और प्रोत्साहन प्रदान करने का सुझाव दिया। इनमें उड़ान प्रशिक्षण अकादमियों, रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल (एमआरओ) सुविधाओं और कार्गो टर्मिनलों की स्थापना के लिए कर लाभ और सब्सिडी शामिल हो सकती है। आरसीएस-उड़ान ढांचे के तहत कम सेवा वाले मार्गों पर सेवाएँ संचालित करने वाली एयरलाइनों को वित्तीय प्रोत्साहन भी प्रदान किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि विमानन प्रशिक्षण केंद्रों और एमआरओ इकाइयों की स्थापना के लिए लक्षित वित्तपोषण या सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल निजी निवेश को आकर्षित करेंगे, रोजगार सृजन करेंगे और कलबुर्गी को उत्तरी कर्नाटक में एक क्षेत्रीय विमानन कौशल केंद्र के रूप में स्थापित करेंगे। दोड्डामणि ने बताया कि कलबुर्गी हवाई अड्डे के पास विमानन संबंधी विकास के लिए पर्याप्त भूमि है और उन्होंने क्षेत्रीय रसद और शीघ्र खराब होने वाले सामानों के संचालन के लिए उड़ान प्रशिक्षण संगठनों, एमआरओ सुविधाओं और समर्पित एयर कार्गो अवसंरचना की स्थापना का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि इस तरह के विविधीकरण से हवाई अड्डे के लिए नए राजस्व स्रोत उत्पन्न होंगे और स्थानीय आबादी के लिए रोजगार के महत्वपूर्ण अवसर पैदा होंगे।

पूर्व रजिस्ट्रार प्रो. मेलारप्पा महिला उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु विश्वविद्यालय के पूर्व रजिस्ट्रार प्रो. बी.सी. मेलारप्पा को एक महिला के यौन उत्पीड़न और धमकी के मामले में बसवेश्वरनगर पुलिस स्टेशन ने गिरफ्तार किया है। मेलारप्पा द्वारा संचालित कर्नाटक राज्य हरिजन सेवक संघ में दो साल से कार्यरत महिला के पति की मृत्यु हो गई थी। उसके सास-ससुर ने महालक्ष्मी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी कि वह बेटे की मौत के लिए जिम्मेदार है। यह पता चलने पर मेलारप्पा ने पीड़िता को इस्कॉन के पास एक होटल में बात करने के लिए बुलाया। जब मेलारप्पा ने उससे कुछ कागजों पर हस्ताक्षर करने को कहा, तो पीड़िता ने इनकार कर दिया। इससे नाराज होकर मेलारप्पा ने बीच सड़क पर

उसके साथ दुर्व्यवहार किया, उसकी कमर पकड़ी और उसके साथ मारपीट की। पीड़िता ने मेलारप्पा के खिलाफ बसवेश्वरनगर पुलिस स्टेशन में भी शिकायत दर्ज कराई, क्योंकि उसने उसके घर के पास उसे धमकाया और यौन उत्पीड़न किया। पुलिस ने मामला दर्ज किया, जांच की, मेलारप्पा को गिरफ्तार किया और आगे की कार्रवाई की। पीड़ित महिला ने आरोपी के खिलाफ कामाक्षीपाल्या पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है और एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

हाथी के हमले में दो लोगों की मौत

चिक्कमगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के श्रृंगेरी तालुक के कुद्रेमुख वन्यजीव प्रभाग के केरेकट्टे रेंज में शुक्रवार की सुबह हाथी के हमले में दो लोगों की मौत होने की आशंका है। मृतकों की पहचान केरेकट्टे के पास केरेगड्डे निवासी 43 वर्षीय उमेश और 41 वर्षीय हरीश के रूप में हुई है। यह घटना उस समय हुई जब वे जंगल में प्रवेश कर रहे थे।

केरेकट्टे रेंज के वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुँच गए। आगे की जांच पड़ताल जारी है।

राष्ट्रीय एकता पदयात्रा का आयोजन

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो। शिकारीपुरा भारतीय जनता पार्टी ने शुक्रवार को विधायक एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत के लिए राष्ट्रीय एकता पदयात्रा का आयोजन किया। यह कार्यक्रम सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में ''एक भारत - आत्मनिर्भर भारत'' के नारे के तहत देश भर में आयोजित की जा रही एकता पदयात्रा के अंतर्गत आयोजित किया गया। इसका उद्घाटन शिकारीपुरा स्थित बसवेश्वर पार्क में शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करके किया गया।

देश की एकता, अखंडता और अखंडता के लिए अमूल्य योगदान देने वाले लौह पुरुष और भारत के प्रथम गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर मलेनाडु विकास प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष गुरुमूर्ति, जिला अध्यक्ष जगदीश, पूर्व जिला अध्यक्ष टी.डी. मेघराज, मंडल अध्यक्ष हनुमंथप्पा, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष गायत्री, रायता मोर्चा के जिला अध्यक्ष सिद्धलिंगप्पा लिम्मोगोंडी, तालुक महिला मोर्चा की अध्यक्ष रेखा राजशेखर, जिला सचिव निवेदिता राजू, युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष प्रशांत, नगर अध्यक्ष सुनंदा मंजूनाथ समेत अन्य पार्टी नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कर्नाटक राज्योत्सव के दिन, नम्मा मेट्रो बेंगलूरु में येलो लाइन पर पांचवीं ट्रेन करेगी शुरू

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। 70वें कर्नाटक राज्योत्सव के अवसर पर, बेंगलूरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीएमआर-सीएल) 1 नवंबर से बेंगलूरु में नम्मा मेट्रो की येलो लाइन पर पाँचवीं ट्रेन सेवा शुरू करेगा। येलो लाइन पर यात्रियों को, जो सीमित संख्या में ट्रेनों के कारण अत्यधिक भीड़भाड़ का सामना कर रहे हैं, पाँचवीं ट्रेन शुरू होने से कुछ राहत मिलने की उम्मीद है। बीएमआरसीएल अधिकारियों के अनुसार, नई ट्रेन के जुड़ने से कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय सुधार होगा और आर.वी. रोड और बोम्मासंद्रा के बीच चलने वाली 19 किलोमीटर लंबी येलो लाइन पर यात्रियों के लिए प्रतीक्षा समय कम होगा। अधिकारी ने कहा इस नई ट्रेन

के शामिल होने से, व्यस्त समय के दौरान ट्रेनों की आवृत्ति वर्तमान 19 मिनट से बढ़कर 15 मिनट हो जाएगी। बीएमआरसीएल ने कहा कि ट्रेनों की आवृत्ति तो बढ़ेगी, लेकिन दोनों टर्मिनलों से पहली और आखिरी ट्रेन के समय में कोई बदलाव नहीं होगा। सेवाएं पूरे दिन सामान्य रूप से जारी रहेंगी, लेकिन बेहतर गति से हजारों दैनिक यात्रियों को लाभ होगा। बीएमआरसीएल को 30 सितंबर को डिपो में अपनी पाँचवीं ट्रेनसेट प्राप्त हुई। 19 सितंबर को कोलकाता स्थित टीटागढ़ रेल सिस्टम्स लिमिटेड से ट्रेलरों पर कोच भेजे गए थे। अधिकारियों के अनुसार, बेंगलूरु पहुँचने के बाद, ट्रेन का 20 दिनों का परीक्षण चक्र चला।

बेंगलूरु में एक महत्वपूर्ण मेट्रो कॉरिडोर, येलो लाइन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 अगस्त को किया था और अगले दिन इसे सार्वजनिक परिचालन के लिए खोल दिया गया था। यह लाइन शहर के दक्षिणी इलाकों और इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी को व्यापक मेट्रो नेटवर्क से जोड़ती है। हालाँकि, लॉन्च के समय केवल तीन ट्रेनें सेवा में होने के कारण, यात्रियों को व्यस्त समय के दौरान 25 मिनट से अधिक की लंबी प्रतीक्षा का सामना करना पड़ा, जिसके परिणामस्वरूप भीड़भाड़ हो गई। 10 सितंबर को चौथी ट्रेनसेट के जुड़ने से केवल थोड़ा सुधार हुआ, जिससे आवृत्ति घटकर 19 मिनट रह गई। अधिकारियों ने कहा कि पाँचवीं ट्रेनसेट के जुड़ने से येलो लाइन पर भीड़भाड़ और कम होने की उम्मीद है, हालाँकि इष्टतम सेवा स्तर प्राप्त करने के लिए और ट्रेनों की आवश्यकता होगी। इस कॉरिडोर पर प्रत्येक ट्रेन संचार-आधारित ट्रेन नियंत्रण (सीबीटीसी) तकनीक से सुसज्जित है, जो चालक रहित संचालन की अनुमति देती है, जो नम्मा मेट्रो के लिए पहली बार है। सीबीटीसी प्रणाली ट्रेनों के बीच के अंतराल को वर्तमान 150 सेकंड से घटाकर केवल 90 सेकंड कर सकती है, लेकिन वर्तमान में सेवाओं का संचालन प्रशिक्षित लोकोमोटिव पायलटों द्वारा मैन्युअल रूप से किया जा रहा है।

भाजपा प्रदेश कार्यालय के निकट एकता पदयात्रा का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती समारोह के उपलक्ष्य में शुक्रवार को मल्लेश्वरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन के निकट एकता पदयात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने वल्लभभाई पटेल के महान व्यक्तित्व और जीवन दर्शन के बारे में जानकारी दी। सांसद पी.सी. मोहन, भाजपा प्रदेश सचिव विनय बिद्रे, बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश, बेंगलूरु मध्य जिला अध्यक्ष सप्तगिरि गौड़ा, पूर्व विधायक एम.डी. लक्ष्मीनारायण, बेंगलूरु उत्तर जिला महासचिव जे. रंगास्वामी, बेंगलूरु मध्य जिला महासचिव एम. गौतम कुमार, आर. राघवेंद्र राव, नेता कट्टा जगदीश और पार्टी नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पूर्व भाजपा विधायक के बेटे ने टोल कर्मचारियों पर किया हमला

विजयपुरा/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले में पूर्व भाजपा विधायक विजुगौड़ा पाटिल के बेटे और उनके सहयोगियों द्वारा टोल बूथ कर्मचारियों पर कथित तौर पर हमला करने का एक वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। पुलिस के अनुसार, टोल बूथ कर्मचारियों ने अभी तक कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई है। यह कथित घटना 30 अक्टूबर को विजयपुरा-सिंधी मार्ग पर सिंदगी तालुका के कन्नोली के पास टोल बूथ पर हुई। सूत्रों के अनुसार, पूर्व विधायक और भाजपा नेता विजुगौड़ा पाटिल के बेटे समर्थगौड़ा पाटिल अपने चार पहिया वाहन से सिंदगी की ओर जा रहे थे, तभी टोल कर्मचारियों ने उनसे टोल शुल्क देने को कहा। कथित तौर पर, समर्थगौड़ा ने टोल बूथ कर्मचारियों से कहा कि वह विजुगौड़ा पाटिल के बेटे हैं। हालांकि, टोल कर्मचारियों ने कथित तौर पर उन्हें बताया कि उन्हें किसी विजुगौड़ा के बारे में जानकारी नहीं है। जवाब से नाराज होकर, समर्थगौड़ा और उनके साथी अपनी गाड़ी से उतर आए और कथित तौर पर टोल कर्मचारी के साथ गाली-गलौज और मारपीट की। अन्य टोल कर्मचारियों ने बीच-बचाव कर मामला सुलझाया। एक टोल कर्मचारी संगप्पा, जो कथित तौर पर घायल हो गया था, का सिंदगी तालुका अस्पताल में इलाज कराया गया। टोल कर्मचारी ने अभी तक शिकायत दर्ज नहीं कराई है।

विजयपुरा जिले के पुलिस अधीक्षक लक्ष्मण निंबर्गी ने बताया कि अभी तक उन्हें टोल बूथ के कर्मचारी या अधिकारी द्वारा इस संबंध में कोई शिकायत नहीं मिली है।

देवेगौड़ा ने भारत को एकजुट करने के लिए सरदार पटेल की प्रशंसा की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा ने स्वतंत्रता के बाद भारत को एकजुट करने में सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा दिखाए गए कौशल और दृढ़ संकल्प की प्रशंसा की है। गौड़ा ने कहा कि वह सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं

जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। उन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनकी भूमिका और बलिदान की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे हमारे राष्ट्र के महानतम सपूतों में से एक हैं।

धर्म पर संकट अल्पकालिक हो सकता है, स्थायी नहीं : उपराष्ट्रपति

वाराणसी, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)।

काशी एक बार फिर आस्था, संस्कृति और एकता के अद्भुत संगम की साक्षी बनी है। शुक्रवार को उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में श्री काशी नाटकोट्टाई संस्था के नए धर्मशाला भवन का उद्घाटन किया।

श्री काशी नाटकोट्टाई संस्था द्वारा 60 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित इस आधुनिक धर्मशाला भवन का लोकार्पण समारोह के संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि धर्म को कुछ समय के लिए संकट हो सकता है, लेकिन वह कभी स्थायी नहीं होता।

आज धर्म की विजय हुई है, यह इमारत उसी की साक्षी है। उन्होंने कहा कि 25 वर्ष पूर्व जब मैं काशी आया था, तब मैं मांसाहारी था। गंगा स्नान के बाद जीवन में इतना परिवर्तन आया कि मैंने शाकाहार अपना लिया। राधाकृष्णन ने कहा, 25 साल पहले की काशी और आज की काशी में जमीन-आसमान का अंतर है। यह परिवर्तन केवल दो कर्मयोगियों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कारण संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि जहां नाटकोट्टाई समूह सक्रिय होता है, वहां सेवा, धर्म और प्रगति साथ-साथ चलती है। यह भवन उसी भावना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह धर्मशाला केवल एक इमारत नहीं, बल्कि उत्तर और दक्षिण भारत के सांस्कृतिक बंधन का नया अध्याय है। उन्होंने कहा कि तमिल और काशी के बीच सदियों से चले आ रहे रिश्तों को यह भवन और मजबूत

सीपी राधाकृष्णन ने नाटकोट्टाई नगर क्षेत्रम धर्मशाला का लोकार्पण किया

करेगा। तमिल पंडित, कवि, भक्त ज्ञान की जिज्ञासा में काशी आते रहे। कंवर गुरु, महाकवि सुब्रमण्य भारती यहां बसे। काशी तमिल संगमम ने इसे और मजबूत किया। काशी की पवित्रता पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि 72 हजार मंदिर, कण-कण में शिव, हवा में गूंजता मंत्र ओम नमः शिवाय काशी की पहचान है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि 1863 में इस संस्था की स्थापना तमिलनाडु से काशी आने वाले भक्तों की सुविधा के लिए हुई थी और आज भी वही भावना जीवित है।

1942 के कर्फ्यू में भी शंभो प्रणाली नहीं रुकी। ये कम नहीं, अधिक देने वाले लोग हैं। नाटकोट्टाई समूह पराए के लिए जीता है। यह सिंगापुर, बर्मा, काशी जहां भी जाता है अपनी छाप छोड़ता है। उन्होंने अन्नपूर्णा देवी की मूर्ति की वापसी और काशी-तमिल संगमम जैसे आयोजनों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में काशी का आध्यात्मिक पुनर्जागरण हो रहा है। आज हर ओर हर हर महादेव और गंगा मैया की जय की गूंज सुनाई दे रही है।

उन्होंने कहा कि जो समाज केवल अपने लिए नहीं बल्कि दूसरों के लिए भी जीता है, वही सच्चे धर्म का पालन करता है। उन्होंने कहा कि धर्मशाला में 76 सोलर लैंप (1.5 करोड़) ग्रीन एनर्जी का प्रतीक, इससे सालाना 25 लाख रुपए की बचत होगी।

सैमसंग इनोवेशन कैंपस में 1600 छात्रों ने लिया प्रशिक्षण

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ देंगे छात्रों को सर्टिफिकेट

गोरखपुर, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उद्योग और सेवा क्षेत्र की मांग के अनुसार अद्यतन व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए सैमसंग इंडिया के सहयोग से संचालित सैमसंग इनोवेशन कैंपस के तहत गोरखपुर विश्वविद्यालय के 1600 विद्यार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया है। प्रशिक्षण प्राप्त विद्यार्थियों को शनिवार को प्रमाण पत्र का वितरण किया जाएगा। योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित प्रमाण पत्र वितरण समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कुछ विद्यार्थियों को अपने हाथों से प्रमाण पत्र सौंपेंगे। इस अवसर पर विद्यार्थियों को सीएम योगी से मार्गदर्शन भी प्राप्त होगा।

सैमसंग इनोवेशन कैंपस प्रमाण पत्र वितरण समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में सैमसंग इंडिया के प्रेसिडेंट एवं सीईओ जेबी पार्क तथा इलेक्ट्रानिक्स सेक्टर स्किल्स काउंसिल आफ इंडिया के अध्यक्ष विनोद शर्मा की सहभागिता रहेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन करेंगी। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के 1600 से अधिक विद्यार्थी, जिन्होंने सैमसंग इनोवेशन कैंपस के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त किया है, उन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिग डेटा, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, कोडिंग एंड प्रोग्रामिंग जैसी भविष्य की प्रौद्योगिकियों में प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम इलेक्ट्रानिक्स सेक्टर स्किल्स काउंसिल आफ इंडिया के सहयोग से तथा स्वदेश (सोशल वेलफेयर एंड डेवलपमेंट फॉर इम्पावर्ड सोसाइटी) संस्था द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है।

अब भी देश की मुख्य धारा से जुड़ नहीं पा रहा जम्मू-कश्मीर

छह साल में अन्य राज्यों के 631 लोगों ने खरीदी जमीन

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 31 अक्टूबर।

जम्मू कश्मीर के पुनर्गठन के छह साल के बाद भी देश के अन्य राज्यों के लोगों को जम्मू कश्मीर में जमीन जायदाद खरीदने में कोई दिलचस्पी नहीं है। यह सरकार द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि पिछले 6 साल में मात्र 631 लोगों ने ही प्रापर्टी खरीदी है और इसमें से भी अधिकतर जमीनें जम्मू संभाग में खरीदी गई हैं। जबकि कश्मीर में सिर्फ औद्यौगिक इस्तेमाल के लिए जमीनें खरीदी गई हैं।

जम्मू कश्मीर सरकार ने खुलासा किया है कि अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद से 631 बाहरी लोगों, यानि

जम्मू संभाग में सबसे अधिक बिकी जमीनें, कश्मीर पर अभी भी शक

केंद्र शासित प्रदेश के अनिवासियों ने जम्मू कश्मीर में जमीन खरीदी है। विधानसभा में विधायक शेख अहसान अहमद द्वारा प्रस्तुत अतारांकित सरकारी प्रश्न संख्या 286 के अनुसार, विवरण बताते हैं कि जम्मू कश्मीर में गैर स्थानीय लोगों द्वारा 130 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की जमीन का अधिग्रहण किया गया है।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, जम्मू क्षेत्र में 378 अनिवासियों ने 212 कनाल, 13 मरला और 128 वर्ग फुट जमीन खरीदी है, जिसका मूल्य लगभग 90.48 करोड़ रुपए है। वहीं, कश्मीर क्षेत्र में 253 अनिवासियों ने 173 कनाल और 7 मरला जमीन खरीदी है, जिसका कुल मूल्य 39.49 करोड़ रुपए है। यह खुलासा 5 अगस्त, 2019 के संवैधानिक परिवर्तनों के बाद गैर-निवासियों से जुड़े भूमि लेनदेन की आधिकारिक पुष्टि करता है, जिसने दशकों में पहली बार बाहरी लोगों को जम्मू कश्मीर में संपत्ति रखने की अनुमति दी। इससे पहले पिछले साल राज्यसभा को बताया गया था कि पिछले तीन वर्षों में जम्मू कश्मीर के बाहर के 185 लोगों ने केंद्र शासित प्रदेश में जमीन खरीदी है।

हालांकि, तत्कालीन केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा था कि लद्दाख द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, केंद्र शासित प्रदेश में बाहरी लोगों द्वारा कोई जमीन नहीं खरीदी गई है। तब उन्होंने एक लिखित प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा था जम्मू कश्मीर सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, वर्ष 2020, 2021 और 2022 के दौरान केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर के बाहर के कुल 185 लोगों ने केंद्र शासित प्रदेश में जमीन खरीदी है। उन्होंने बताया था कि 2020 में एक व्यक्ति ने, 2021 में 57 लोगों ने और 2022 में 127 लोगों ने जमीन खरीदी थी।

मुर्मु और शाह ने सरदार पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित की, शाह ने एकता दौड़ को झंडी दिखाई

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150 वीं जयंती पर शुक्रवार को यहां पटेल चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

बाद में श्री शाह ने सरदार पटेल की जयंती 'एकता दिवस' के अवसर पर लोगों को देश की एकता और अखंडता के संकल्प की शपथ दिलाई और 'एकता दिवस दौड़' को झंडी दिखाकर रवाना किया। श्रीमती मुर्मु और श्री शाह ने सुबह साढे छह बजे यहां पटेल चौक स्थित सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। दिल्ली के उप राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी सरदार पटेल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

राष्ट्रपति ने श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद अपने संदेश में कहा , लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्म दिवस पर मैं सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। सरदार पटेल एक महान देशभक्त, दूरदर्शी नेता और राष्ट्र-निर्माता थे, जिन्होंने अपने अटूट संकल्प, अदम्य साहस और कुशल नेतृत्व से देश के एकीकरण का ऐतिहासिक कार्य किया। उनकी कर्मनिष्ठा और राष्ट्रसेवा की भावना हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। आइए, 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के अवसर पर हम सब एकजुट होकर, एक सशक्त, समरस और श्रेष्ठ भारत के निर्माण का संकल्प लें।

श्री शाह ने कहा , राष्ट्रीय एकता, अखंडता और किसानों के सशक्तीकरण के प्रतीक लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी का उनकी जयंती पर कृतज्ञ राष्ट्र की ओर से वंदन करता हूं।

सरदार साहब ने रियासतों का एकीकरण कर देश की एकता और सुरक्षा को सुदृढ़ बनाया और किसानों, पिछड़ों और वंचितों को सहकारिता से जोड़कर देश को स्वर-ोजगार और आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर किया। उनका दृढ़ विश्वास था कि देश के विकास की धुरी किसानों की समृद्धि में निहित है। वे आजीवन किसानों के कल्याण और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए समर्पित रहे।

सरदार साहब ने जिस न्यायप्रधान और एकता के सूत्र में बंधे राष्ट्र का निर्माण किया, उसकी रक्षा करना हर एक राष्ट्रभक्त का दायित्व है।

बाद में श्री शाह ने यहां मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में उपस्थित लोगों को देश की एकता और अखंडता के संकलप की शपथ दिलाई और एकता दिवस दौड़ को झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर केन्द्रीय शहरी आवास मंत्री मनोहर लाल, खेल और युवा मामलों के मंत्री मनसुख मांडविया, गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार, दिल्ली के उप राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता , अनेक जाने माने खिलाड़ी और कई गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद थे।

आरएसएस पर फिर लगे प्रतिबंध : खड़गे

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर फिर से प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए क्योंकि देश में उसके और भारतीय जनता पार्टी की वजह से गड़बड़ियां हो रही हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह उनकी निजी राय है कि संघ पर प्रतिबंध लगाया जाये।

श्री खड़गे ने शुक्रवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में एक सवाल के जवाब में कहा कि भाजपा और आरएसएस हमेशा देश के लिए घातक रहे हैं और आरएसएस पर फिर से प्रतिबंध लगा देना चाहिए।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल के अनुसार आरएसएस और हिंदू महासभा की गतिविधियों के कारण देश में जिस तरह का माहौल बना उसी के कारण गांधीजी की हत्या हुई थी। इसी वजह से श्री पटेल ने इस संगठन को प्रतिबंधित कर दिया था।

उन्होंने कहा, ' मैं आपको सरदार पटेल की बात याद दिलाना चाहता हूं। सरदार पटेल ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी को 4 फरवरी 1948 में लिखे एक पत्र में कहा था - गांधी जी की मृत्यु पर आरएसएस ने हर्ष प्रकट किया और मिठाई बांटी थी। श्री खरगे ने कहा कि जिन लोगों ने गांधी जी की हत्या की आज उसी विचारधारा के लोग कहते हैं कि कांग्रेस पार्टी सरदार पटेल को याद नहीं करती है।

श्री खरगे ने कहा कि मोदी सरकार अब पाठ्यक्रमों में बदलाव कर इतिहास को बदलने का प्रयास कर रही है। हाल ही में एनसीईआरटी की तीन किताबों में से गांधी जी, गोडसे, आरएसएस और 2002 के गुजरात दंगों से जुड़े अध्याय हटा दिए गए हैं। भाजपा सरकार सच्चाई को छिपाना चाहती है, जो बहुत बुरी बात है लेकिन उसे समझ लेना चाहिए कि सच छिप नहीं सकता है। हालांकि मोदी सरकार हमेशा झूठ को सच बनाने की कोशिश में लगी रहती है और इससे उनकी मंशा समझ में आती है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि 9 जुलाई 2024 को मोदी सरकार ने आरएसएस की शाखाओं में सरकारी कर्मचारियों के शामिल होने पर लगा 58 साल पुराना प्रतिबंध हटा दिया । यह प्रतिबंध भी फिर से लगाया जाना चाहिए।

राष्ट्र की सुरक्षा और लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए शासन महत्वपूर्ण: अजीत डोभाल

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने शुक्रवार को कहा कि शासन राष्ट्र निर्माण और राष्ट्र की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिससे राष्ट्र अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने और आम आदमी की आकांक्षाओं को पूरा करने में सक्षम होता है। एनएसए अजीत डोभाल ने राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर व्याख्यान देते हुए इस बात पर जोर दिया कि शासन में एक उभरती चुनौती आम आदमी को संतुष्ट रखने की बढ़ती जरूरत है। उन्होंने कहा कि आम आदमी ज्यादा जागरूक और आकांक्षी हो गया है, उसकी राज्य से ज्यादा अपेक्षाएं हैं और राज्य का भी उसे संतुष्ट रखने में निहित स्वार्थ है। कमजोर शासन को शासन परिवर्तन का एक संभावित कारण बताते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल और अन्य देशों में गैर-संस्थागत तरीकों से शासन परिवर्तन के उदाहरण दिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन मॉडल की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि भारत एक निश्चित प्रकार के शासन, एक निश्चित प्रकार की सरकार और सामाजिक संरचना से, बल्कि वैश्विक व्यवस्था में अपने स्थान से भी एक व्यापक बदलाव कर रहा है।

उन्होंने संस्थागत भ्रष्टाचार को

रोकने के लिए वर्तमान सरकार द्वारा किए गए संस्थागत बदलावों पर भी प्रकाश डाला, जिससे संकेत मिलता है कि संभवतः और भी उपाय किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जब भी कोई बदलाव आता है तो सबसे जरूरी है आपकी दूरदर्शिता की स्पष्टता, धूल और तूफानों से अंधे न हो जाना, शोर और धमकियों से घबराना नहीं और विपरीत परिस्थितियों से हार न मानना।

उन्होंने कहा कि आपको खुद को सुसज्जित और तैयार करना होगा। सरदार वल्लभभाई पटेल का जीवन इसी के बारे में था। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन के एक योद्धा के रूप में भूमिका निभाई, महात्मा गांधी और उनके सभी उपक्रमों का समर्थन किया, और स्वतंत्रता के बाद के युग में 500 से ज्यादा रियासतों का एकीकरण करके देश का एकीकरण भी किया।

डोभाल ने अखिल भारतीय सेवा संरचना के लिए सरदार वल्लभभाई पटेल के दृष्टिकोण को भी श्रेय दिया, जिसने देश को मजबूत शासन दिया। सुशासन के एक प्रमुख अंग के रूप में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने सुरक्षा की आवश्यकता और महिलाओं को समानता और सशक्तिकरण की भावना देने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आधुनिक नई दुनिया में सुशासन के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण जरूरी है। मेरा मानना है कि न केवल अच्छे कानून, अच्छी संरचनाएं और अच्छी व्यवस्थाएं होना जरूरी हैं, बल्कि उससे भी ज्यादा जरूरी है कि उन्हें प्रभावी ढंग से लागू किया जाए।

डोभाल ने शासन में तकनीक के इस्तेमाल की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने आगे कहा कि हमें ऐसी तकनीक का इस्तेमाल करना होगा जो ज्यादा पारदर्शिता, जवाबदेही और आम आदमी तक सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि हमें समाज को साइबर खतरों या तकनीक से पैदा होने वाले कई अन्य खतरों से बचाना होगा।

सुझाव

रखें शिशु के दिमागी विकास का भी ख्याल

पहले छह महीने मां के दूध और छह महीने बाद मां के दूध के साथ ठोस आहार उसके शरीर की नींव बनाते हैं। इसलिए यह जानना जरूरी है कि शिशु को कैसा आहार दिया जाए ताकि वह दिमाग से भी दुरुस्त रहे।

कैसी हो शिशु की खुराक

- मांओं को ध्यान रखना चाहिए कि शिशु के पेट का आकार वयस्क के पेट से 5 गुना छोटा होता है। ऐसे में जरूरी है कि शिशु को पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्व मिलें। अगर आपको लगता है कि घर के खाने से आपके शिशु को आयरन, जिंक और विटामिन पूरी तरह नहीं मिल पा रहे तो आप फोर्टीफाइड या सप्लीमेंट जैसे आहार भी दे सकती हैं।
- आज के वक्त में मां अपने बच्चों के मोटापे या हाइट जैसी बातों का बहुत ज्यादा ध्यान रखती है। उसे लगता है कि अगर बच्चा मोटा नहीं है और कद बढ़ रहा है तो वह सेहतमंद है। लेकिन मां होने के नाते आपके लिए यह जानना बहुत जरूरी है कि बच्चे का सिर्फ ऊपरी शरीर स्वस्थ होना ही काफी नहीं है बल्कि उसका दिमाग सेहतमंद होना भी जरूरी है। दरअसल शिशु के जन्म के साथ ही फांउडेशन तैयार होना शुरू हो जाता है। पहले छह महीने मां के दूध के साथ और छह महीने बाद मां के दूध के साथ ठोस आहार उसके शरीर की नींव बनाते हैं। इसलिए यह जानना जरूरी है कि शिशु को कैसा आहार दिया जाए ताकि शरीर के साथ दिमाग से भी दुरूस्त रहे। शिशु के शरीर और दिमाग दोनों की सेहत के लिए शिशु के आहार में पोषक तत्वों जैसे कि माइक्रोन्यूट्रियंट और मैक्रोन्यूट्रियंट दोनों का सही मात्रा में होना जरूरी है। तो आइये जानते हैं, शिशु को आप कैसा आहार दें ताकि उसका बचपन हंसते, मुस्कुराते व खेलते हुए बीते।

जरूरी पोषक तत्वों की जानकारी

मैक्रोन्यूट्रियंट आहार में प्रोटीन, फैट और काब्रोहाईड्रेट जैसे तत्व शामिल हैं, जो शिशु के शरीर को मजबूती देते हैं। इसकी वजह से बच्चों को खेलने की ऊर्जा मिलती है। माइक्रोन्यूट्रियंट जैसे मिनरल्स (आयरन, फोलिक एसिड और जिंक इत्यादि) व विटामिंस शिशु के दिमागी विकास और इम्युनिटी के लिए जरूरी हैं। शिशु को प्रोटीन, फैट और काब्रोहाईड्रेट तो रोजाना चपाती, चावल, दूध और घी आदि से मिल जाता है लेकिन माइक्रोन्यूट्रियंट की कमी रह जाती है। अगर आपका शिशु बार-बार बीमार होता है तो उसमें इम्युनिटी की कमी है जो जिंक से मिलती है, वहीं बच्चों के दिमागी विकास के लिए आयरन जरूरी है। मां के लिए यह जानना बहुत जरूरी है कि मां के दूध में सभी पोषक तत्व होते हैं, लेकिन आयरन नहीं होता। शुरूआती छह महीने जब शिशु मां के दूध पर निर्भर होता है तो वह अपने शरीर में जमा आयरन से उसे पूरा कर लेते हैं, लेकिन छह महीने बाद शिशु के आयरन को आहार से पूरा किया जाना जरूरी होता है।

शुरुआती 1000 दिन हैं खास

शिशु के शुरूआती 1000 दिन उसकी जिंदगी के सबसे महत्वपूर्ण दिन होते हैं, क्योंकि पहले साल ही शिशु का वजन तीन गुना बढ़ता है तो ऊंचाई में भी डेढ़ गुना बढ़ जाती है। जब शरीर बढ़ता है तो जाहिर है दिमाग का विकास कैसे पीछे रह सकता है। दो साल तक बच्चे का दिमागी और मानसिक विकास 80 फीसदी तक हो जाता है। इसलिए समय पर बच्चे को संतुलित आहार देना बहुत जरूरी है।

शाकाहारी परिवारों में पोषण

हमारे घरों में गेहूं, चावल या मकई जैसा खाना ज्यादा खाया जाता है और यही आहार शिशु को भी दिया जाता है, लेकिन बच्चों को दाल का पानी, हरी सब्जियां, टोफू, फल इत्यादि नियमित रूप से नहीं दे पाते। इस उम्र में बच्चों के पोषक तत्वों की डिमांड बढ़ जाती है, जो अकसर पूरी नहीं हो पाती।

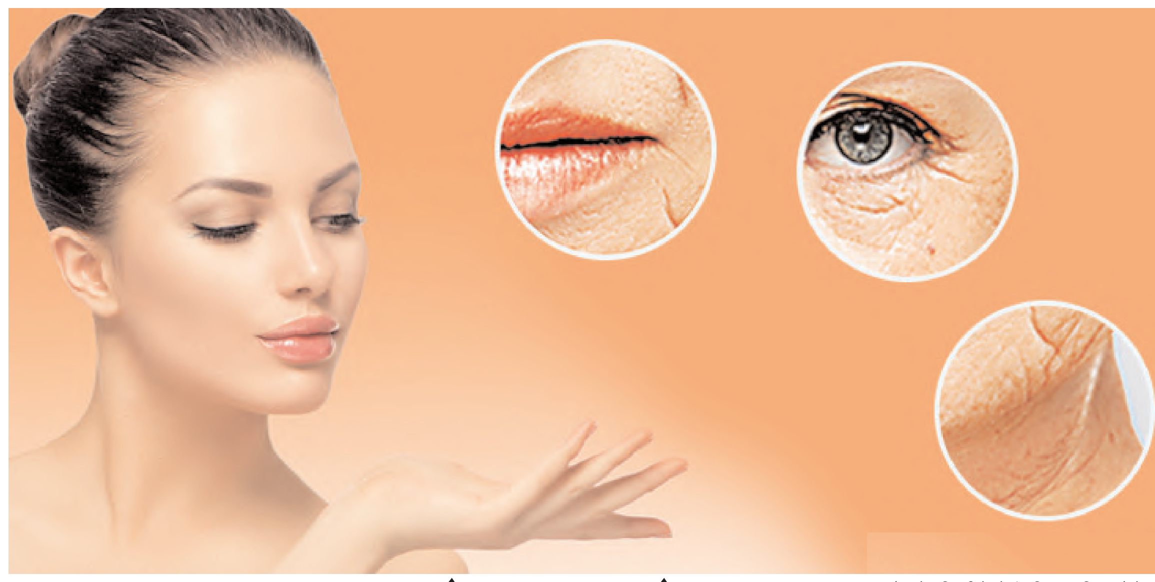

10 कदम जो आपको बना दें हसीन और जवां

आप भी 40 - 50 की उम्र में जवां दिख सकती हैं, बिल्कुल हेमा मालिनी की तरह। यह जादू नहीं, डिसिप्लिन है जिंदगी जीने का, जो आपको यंग, ब्यूटीफुल औरएनर्जेटिक बनाता है।

अपनाएं यह कदम

एजिंग एक नेचुरल प्रक्रिया है। रोके नहीं रुकती, पर इसे थाम जरूर सकते हैं हम। अक्सर बढ़ती उम्र और उसका चेहरे पर दिखता असर हर किसी को परेशान कर देता है, लेकिन इसका उपाय भी हमारे पास ही रहता है। यह उपाय है हमारी दिनचर्या में बदलाव, खुशी और तनाव से दूर रहना। हम जितना खुश रहेंगे, उतना तनाव को खुद से दूर भगाएंगे। यह तनाव ही तो चेहरे पर उम्र की रेखाओं को आसानी से दिखाता है। आप भी 40-50 की उम्र में जवां दिख सकती हैं बिल्कुल हेमा मालिनी की तरह। आज वे 70 की उम्र में 50 की लगती हैं। यह जादू नहीं है। है जिंदगी जीने का डिसिप्लिन, जो आपको यंग, ब्यूटीफुल, एनजेर्टिक बनाता है। यहां हम इसके 20 टिप्स दे रहे हैं

- जवां निखार के लिए ब्यूटी स्लीप थेरेपी लें। फर्क बस सोच का है। रोज की 7-8 घंटे की नींद बॉडी व माइंड को फिट रखती है, तो 8-9 घंटे की नींद फेस मसल्स को रिजुवेनेट करती हैं और ताजगी वाला निखार आपके चेहरे पर दिखता है। उम्र से 5 साल छोटा लगना है तो नियमित 8-9 घंटे की स्ट्रेस फ्री स्लीप लें। बस, शर्त यह कि स्ट्रेस आपके आसपास न फटके।
- आपको सिरहाने में चेहरा ढक के सोने की आदत है, तो इसे आज से बदल डालिए। कुछ और लंबी चली यह आदत तो चेहरे पर दे देगी स्लीप लाइन्स। आदतन सोने का यह ढंग देगा झुर्रियों का स्वागत करेगा। यानी एजिंग का फास्ट प्रोसेस शुरू। हमेशा कमर के बल सोएं।
- शर्म छोड़िए आप। बिंदास इस्तेमाल में लाएं एंटी रिंकल्स सेरम्स। इसके इस्तेमाल से न सिर्फ रिंकल्स कम दिखेंगे, बल्कि चेहरा ग्लो भी करेगा। ऐसा हम नहीं वैज्ञानिक मानते हैं। झुर्रियों को छिपाने का परखा इलाज है एंटी रिंकल सेरम।
- झुर्रियों को छूमंतर करना है, तो आलस छोड़िए, फुर्ती अपनाइए। चेहरे को समय दें पानी से मुहं धोने के दौर बीत गया। अबसे चेहरे के हर वॉश के बाद टोनिंग करें और अंत में मॉश्चराइजर लगाकर चेहरे को नमी दें। मॉश्चराइजर की क्वालिटी से समझौता नहीं करें।
- साबुन छोड़ दें। सिर्फ चेहरे के लिए। एजिंग प्रोसेस के बाद यह जरूरी हो जाता है। चेहरा माइल्ड फेस क्लींजर से धोएं। साबुन त्वचा को सूखा करेगा, जो धीरे-धीरे झुर्रियों को चेहरे पर स्थाई बना देगा। यह बदलाव आज से ही लाएं।
- नाइट स्किन केयर। शोधों में सिद्ध हो गया है कि रात का समय मुफीद होता है स्किन केयर और पैंपर करने के लिए और रात में स्किन नाइट केयर सुचारू काम करता है।
- पानी का स्किन पर मैजिक। पानी का ग्लोइंग स्किन से ताल्लुक पता है आपको। पानी को शेडयूल में शामिल कर लें। मोबाइल में पानी पीने का ऐप डाल सकते हैं, जो आपको हर घंटे में याद दिलाएगा कि पानी पीना है। बेहतरीन और सस्ता एंटी एजिंग प्रोडक्ट है पानी।
- रोज कम से कम एक गिलास दूध पीने की आदत बना लें। इसका कारण प्रोटीन, एमीनो एसिड, विटामिन ए, जैसे न्यूट्रिएंट नहीं हैं। इसके एंटी एजिंग गुण भी हैं। दूध में हाइड्रेटिंग गुण शामिल हैं, जो नमी बनाए रखता है और ड्राइनेस को पास नहीं आने देता। साथ ही दूध नियमित पीने से स्किन डार्कनिंग दूर होती है।
- बढ़ती उम्र के निशां हैं पफी और डार्क सर्कल्स। इसे दूर आपको करना होगा, वरना सूजी और काले घेरे वाली आंखें आपको बड़ा दिखाएंगी। उम्र से दस साल बड़ा।
- दिन में 4 से 5 मील खाएं, पर सब सेहतमंद, न्यूट्रीएंटस से भरपूर होने चाहिए। खाना सिर्फ पेट भरने के लिए नहीं खाएं, बल्कि हैल्दी स्किन के लिए भी खिलाएं। थाली में एंटी एजिंग फूड, जैसे टमाटर, बेरीज, एवोकैडो, सूखे मेवे, दही, अंकुरित अनाज, टोफू, चिकन, संतरे, ओटस आदि में जगह दें। सफेद चीजों को खाने से निकाल दें। मैदा, चीनी, चावल।

बच्चे को विनर बनाने और सुपरमॉम कहलाने के टिप्स

हर मां चाहती है कि उसका बच्चा विनर बने, लेकिन ऐसा अक्सर होता नहीं है। बच्चे के विनर बनने की राह में बहुत सी अड़चनें आती हैं। इसी तरह से आपको भी सुपरमॉम बनने के लिए बहुत ज्यादा मेहनत करने की जरूरत है। यूं ही हर कोई सुपरमॉम नहीं बन जाता या सुपरमॉम नहीं कहलाता।

बच्चे से खुलकर बातचीत करें

बच्चे के साथ जब आपकी बातचीत हो, तब आप भूल जाएं कि आप उसकी मां हैं। सिर्फ तभी आप उससे दोस्ताना रिश्ता बना सकती हैं, जो आपके बच्चे की पर्सनालिटी के लिए बेहद जरूरी है। सिर्फ तभी आप उसकी जिंदगी की हर खुशी, हर गम में साझीदार बन सकती हैं और उसकी जिंदगी में घटने वाले अच्छे और बुरे का फर्क उसे समझा सकती हैं। हर बात स्पष्ट और साफ शब्दों में बताएं बच्चे से बात करने के तरीके को बहुत स्पष्ट रखें। उसे जो कहना हो, साफ शब्दों में कहें, बात को घुमा फिरा कर न कहें। कोई बहाना बनाकर, दूसरे बच्चों का उदाहरण देकर या ताना मारकर कोई बात न कहें। इससे बच्चे को बुरा लग सकता है या फिर उसका व्यवहार भी इसी तरह का हो सकता है।

बच्चे के लिए रोल मॉडल बनें

मां और पिता हर बच्चे के लिए रोल मॉडल होते हैं। इसलिए यह जरूरी है कि बच्चे के पैदा होने के बाद से ही आप अपने व्यवहार को बच्चे के अनुसार ढालें। आज के बच्चे बहुत जल्दी दूसरों की बातों को एडॉप्ट करते हैं। अगर आप ज्यादा गुस्सा करती हैं तो बच्चे के सामने खास ध्यान रखें कि तेज गुस्सा न करें, नहीं तो कुछ ही समय में बच्चा आपसे सीखकर आपके साथ भी वैसा ही व्यवहार करने लगेगा और तब आप कछ नहीं कर सकेंगी।

उत्सुकता का सही जवाब दें

बच्चा जितने सवाल पूछता है, उतना ही बुद्धिमान होता है। इसलिए अगर आपका बच्चा आपसे हर समय सवाल पूछता है तो चिढ़कर उसे झिड़कने की जगह उसके सवाल का सहीसही जवाब दें। यदि आपको जवाब पता नहीं है तो उससे कुछ समय ले लें, यानी कहें कि यह बात पता करके कल उसे बताएंगी।

मनी टिप्स

बच्चों को इस तरह सिखायें मनी मैनेजमेंट

अगर बच्चों को कम उम्र से ही फाइनेंस के बारे में थोड़ा-थोड़ा सिखाया जाए तो वे समझ सकेंगे कि पैसे आसानी से नहीं कमाये जाते, बल्कि उसके लिए मेहनत करनी होती है और उनका संचय भी जरूरी है।

उदाहरण देकर समझाएं

पांच से दस साल की उम्र हालांकि, इस उम्र में बच्चे बहुत नासमझ होते हैं उनको सब समझाना आसान नहीं होता। इसलिए उन्हें आप अपने उदाहरण द्वारा यानी आप अगर नौकरीपेशा हैं तो अपना और अगर नहीं तो अपने पति का उदाहरण देकर समझाएं कि, हम/पापा ऑफिस जाते हैं और वहां कड़ी मेहनत करते हैं। जिसके बदले कंपनी/आफिस हमें पैसे देते हैं और उन पैसों को सुरक्षित रखने के लिए हम बैंक का सहारा लेते हैं। जब कभी पैसों की जरूरत होती है, तो एटीएम/बैंक से निकाल लाते हैं। उन्हें इस बात का एहसास कराएं कि पैसे कमाना आसान नहीं। इसके लिए कड़ी मेहनत की जाती है। दस से पंद्रह साल की उम्र इस उम्र में बच्चे थोड़े-बहुत परिपक्व हो जाते हैं। उनमें रुपयों का जमा घटाना, साथ ही जरूरी चीजों की खरीदारी के लिए समझ-बूझ भी आ जाती है।

जेब खर्च

बच्चे का जेब खर्च बांधें। उसे जेब खर्च जोडने़ के लिए प्रेरित करें। अगर आपका बच्चा किसी नयी चीज की मांग करता है तो, उससे कहिए कि वह अपनी पाकेट मनी सेव कर उससे खरीदारी करे। उदाहरण के लिए जब बच्चों को स्वयं का नकद मिलेगा, उन्हें तय करना होगा कि यह कैसे खर्च करें। बचत के बारे में बात करने का भी यही सही समय है। मान लें कि आपके बच्चे के लिए प्रति सप्ताह रु 200 पॉकेट मनी तय है, लेकिन वह रु 300 की लागत वाला पैन खरीदना चाहता है, तो ऐसे में बाहर जाकर उस पैन को खरीदना संभव नहीं है। तब वह हर हफ्ते कुछ पैसे जमा कर सकता है, फिर बाद में पैन खरीद लेगा।

बचत की आदत

इस तरीके से बच्चे के अंदर सेविंग की फीलिंग जागृत होगी और वह बचत के बारे में सीखेंगे। साथ ही यह भी समझाएं कि केवल सोचने भर से चीजें नहीं खरीदी जा सकतीं। प्रत्येक वित्तीय निर्णय के लिए योजना बनानी होती है। आप उन्हें वास्तविक जीवन के उदाहरण या कुछ कहानियों के जरिए यह बातें समझा सकते हैं।

निवेश और बचत का फर्क

उन्हें निवेश और बचत का फर्क समझाएं। उन्होंने यह भी समझाएं कि आवश्यकता और शौक में फर्क होता है, इसके लिए उन्हें रोजमर्रा की जिंदगी से कोई भी उदाहरण लेकर दिया जा सकता है जैसे कि रोज पेट भरना जीवन चलाने की आवश्यकता है लेकिन होटल में जाकर खाना शौक। किशोरावस्था में जब बच्चा किशोरावस्था में पैर रखने लगता है यानी कि टीनएजर हो जाता है तब उस पर कुछ जिम्मेदारी छोड़ें। उन्हें ईएमआई भुगतान, बचत और कर्ज का फर्क समझाएं। उदाहरण के लिए मेरे बेटे को अपने स्कूल प्रोजेक्ट के लिए प्रिन्टर की जरूरत थी। यही मौका था, इएमआई के बारे में समझाने का। उसको कहा गया, कंपनी से बात करो, मूल्य पूछो और मालूम करो कि कितनी इएमआई है? और यकीन मानिए आसानी से पूरा प्रोसिजर समझ गया।

क्रेडिट और डेबिट कार्ड

बच्चे को क्रेडिट और डेबिट कार्ड के बारे में समझायें। उन्हें यह भी बताएं कि क्रेडिट कार्ड या कर्ज का भुगतान समय पर न करने से परेशानी का सामना करना पड़ता है। अपने किशोरों को बताएं कि क्रेडिट कार्ड की पेशकश के साथ जमा हो जाने से पहले क्रेडिट कार्ड और ब्याज दरें कैसे काम करती हैं। उन्हें यह भी बताना मत भूलिए कि आज क्रेडिट कार्ड के जरिए वह जो भुगतान कर रहे हैं उसका पुनर्भुगतान उन्हें करना ही होगा। संभावित खतरों को जानने से उन्हें क्रेडिट कार्ड, सिर पर ऋण से बचने में मदद मिल सकती है।

घूमने जाएं गंगा किनारे जहां विराजते हैं स्वयं भगवान

गंगा नदी के किनारे बसे मंदिर श्रद्धा का केंद्र हैं। गंगा नदी उत्तराखंड से होती हुई उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल तक जाती है। इन प्रदेशों के अनेक शहरों में अनेक मंदिर हैं जो गंगा की पवित्रता को संजोए हैं।गंगा देश की सबसे विशाल नदी है। वेदों, पुराणों और रामायण-महाभारत में भी इसका व्यापक उल्लेख है। अनेक पवित्र तीर्थस्थल इसके किनारे बसे हैं। गंगा नदी को स्वर्ग की नदी भी कहा जाता है।

आइए जानते हैं गंगा किनारे बसे कुछ प्रसिद्ध धार्मिक जगाहों के बारे में -

गंगोत्री मंदिर, गंगोत्री

गंगा नदी का उद्गम गंगोत्री में होता है। गंगोत्री उत्तरकाशी से 100 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यहां गंगा जी का मंदिर है। समुद्र तल से लगभग तीन हजार मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह मंदिर भोज के वृक्षों से घिरा हुआ है। इस मंदिर का गंगोत्री शहर से गहरा नाता है। प्राचीन काल में यहां एक शिला थी जिसे भागीरथी शिला कहा जाता है। किंवदंती है कि इसी शिला पर बैठकर भगीरथ ने तप किया था। इस शिला के निकट एक मंच था जिस पर यात्रा के दिनों में देवी-देवताओं की मूर्तियां प्रतिस्थापित की जाती थीं। इन मूर्तियों को गांवों के विभिन्न मंदिरों जैसे श्याम प्रयाग, गंगा प्रयाग, धराली तथा मुखबा आदि गावों से लाया जाता था और फिर मौसम खत्म होने के बाद उन्हीं गांवों को लौटा दिया जाता था।

भरत मंदिर और मंसा देवी मंदिर

हरिद्वार और ऋषिकेश- दो निकटवर्ती तीर्थ स्थल हैं जिनके बीच लगभग 25 किलोमीटर की दूरी गंगा नदी के किनारे बसे मंदिर श्रद्धा का केंद्र हैं। भरत मंदिर ऋषिकेश का सबसे पुराना मंदिर है जिसे 12वीं शताब्दी में आदि गुरु शंकराचार्य ने बनवाया था। शंकराचार्य का श्रीयंत्र भी इस मंदिर में रखा हुआ है। यह मंदिर बहुत सुंदर है और मंदिर के अंदरूनी गर्भगृह में भगवान विष्णु की प्रतिमा एक शालिग्राम पत्थर पर उकेरी गई है। आम तौर पर श्रीराम के छोटे भाई भरत के लिए अलग से कोई मंदिर नहीं है लेकिन ऋषिकेश में भरत जी ही नहीं, लक्ष्मण और शत्रुघ्न को समर्पित मंदिर भी हैं। भरत मंदिर का मूल रूप तैमूर के आक्रमण के समय क्षतिग्रस्त हो गया था लेकिन मंदिर की बहुत सी चीजें अब भी संरक्षित हैं।

इसी तरह हरिद्वार का मंसा देवी मंदिर भी बहुत प्रसिद्ध है। यह मंदिर हरिद्वार में शिवालिक पर्वत श्रृंखला के मुख्य शिखर पर स्थित है। इसी पर्वतमाला के दूसरे शिखर पर मां चंडी देवी का मंदिर है। दोनों के बीच हर की पैड़ी है। मंसा देवी को दुर्गा की दशम् शक्ति भी कहा गया है। मान्यता के अनुसार महिसासुर का वध कर दुर्गा ने यहीं विश्राम किया था। इस मंदिर में ब्रह्म के मन से उत्पन्न तथा ऋषि जरत्काऊ की पत्नी सर्पराज्ञी देवी मां मंसा की तीन मुख और पांच भुजाओं वाली अष्टनाग वाहिनी मूर्ति स्थापित है। मंसा देवी अपने भक्तों की मनोकामना पूरी करती हैं। नवरात्रों में मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। मंदिर परिसर में ही मौजूद है वर्षो पुराना स्नोही वृक्ष जिस पर डोरी बांधने से मनोकामना पूरी होती है।

वाल्मीकि आश्रम, बिठूर

कानपुर के निकट स्थित है बिठूर, जहां गंगा नदी रामकथा के भावनात्मक पक्ष का स्मरण दिलाती है। बिठूर में गंगा किनारे स्थित है वाल्मीकि आश्रम। कहते हैं, जब श्री राम ने सीता का परित्याग कर दिया था तो सीता को वाल्मीकि बिठूर के इस आश्रम में ले आए थे। वाल्मीकि के इस आश्रम में तीन मंदिर हैं। मुख्य मंदिर वाल्मीकि का है। इस आश्रम में तीन बड़ी-बड़ी मूर्तियां हैं, जिनमें पहली मूर्ति वाल्मीकि की है। वाल्मीकि की मूर्ति पद्मासन मुद्रा में है और वाल्मीकि दाएं हाथ में मोर पंख की कलम लिए हुए हैं। इस मूर्ति के पास शंख, चक्र, गदा और पद्म धारण किए (भगवान) विष्णु की मूर्ति स्थापित है। दूसरे मंदिर को सीता मंदिर कहते हैं। इस मंदिर में कुश को गोद में लिए और लव की उंगली पकड़े हुए सीता जी की मूर्ति स्थापित है।

आश्रम के पास एक कुंड भी बना हुआ है। इस कुंड को सीता कुंड कहा जाता है। इस कुंड के संबंध में कहा जाता है कि इसी कुंड से सीता जी पाताल में समाई थीं। इसके पास ही एक विशाल घंटा लटका है। अष्ट धातु से निर्मित यह घंटा साढ़े सात मन वजन का है। इसी घंटे के पास स्वर्ग सीढ़ी बनी हुई है। कहते हैं कि यह स्वर्ग जाने का रास्ता है।

हनुमान मंदिर, इलाहाबाद

इलाहाबाद में गंगा नदी का संगम यमुना और सरस्वती नदियों से होता है। यहां नदी किनारे बना हनुमान मंदिर दुनिया भर में मशहूर है। यहां लेटे हुए हनुमान जी की प्रतिमा है। यह प्रतिमा 20 फीट लंबी है।जब हनुमान जी की प्रतिमा उस जगह से निकालने की खुदाई शुरू की तो पूरी सेना भी मिलकर उन्हें वहाँ से हिला भी नहीं सकी । वे जितनी खुदाई करते मूर्ति उतनी ही नीचे चली जाती । आज इसीलिए हनुमान जी की मूर्ति जमीन से करीब दस फीट नीचे है कहा जाता है कि वर्ष में दो बार गंगा जी उनके मंदिर में दर्शन के लिए आती है और ऐसा कई सालों से लगातार होता चला आ रहा है ।

कहा जाता है कि लंका विजय के बाद भगवान राम जब संगम स्नान कर भारद्वाज ऋषि से आशीर्वाद लेने प्रयाग आए तो उनके सबसे प्रिय भक्त हनुमान इसी जगह पर मूर्छित हो गए। सीताजी ने उन्हें अपनी सुहाग के प्रतीक सिंदूर से नई जिंदगी दी और हमेशा स्वस्थ एवं आरोग्य रहने का आशीर्वाद प्रदान किया। सीताजी द्वारा सिंदूर से जीवन देने की वजह से ही बजरंग बली को सिंदूर चढ़ाने की परंपरा है।

विश्वनाथ मंदिर, वाराणसी

गंगा नदी के तट पर स्थित वाराणसी शहर विश्व के प्राचीनतम शहरों में से एक माना जाता है। इस शहर के हृदय में बसा है काशी विश्वनाथ मंदिर को भगवान शंकर के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक माना जाता है। माना जाता है कि निर्वासन में कई साल बिताने के पश्चात भगवान शिव इस स्थान पर आए थे और कुछ समय तक काशी में निवास किया था। ब्रह्मजी ने उनका स्वागत दस घोड़ों केरथ को दशाश्वमेघ घाट पर भेजकर किया था। गंगा तट पर संकरी विश्वनाथ गली में स्थित विश्वनाथ मंदिर कई मंदिरों और पीठों से घिरा हुआ है। यहां पर एक कुआं भी है, जिसे ज्ञानवापी की संज्ञा दी जाती है, जो मंदिर के उत्तर में स्थित है। विश्वनाथ मंदिर के अंदर एक मंडप व गर्भगृह है। गर्भगृह के भीतर चांदी से मढ़ा भगवान विश्वनाथ का 60 सेंटीमीटर ऊंचा शिवलिंग है। यह शिवलिंग काले पत्थर से निर्मित है। माना जाता है कि यह मंदिर बहुत पुराना है।

रेसिपी

पिनव्हील समोसा

सामग्री

1 कप मैदा, 2 टेबलस्पून सूजी, द टीस्पून अजवाइन,½ टीस्पून चीनी, 2 टेबलस्पून तेल, ½ टीस्पून नमक , द कप पानी, स्टफिंग के लिए- 2 उबले टमाटर (कद्दूकस किए हुए), द टीस्पून हल्दी, ½ टीस्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 टीस्पून आमचूर पाउडर, द टीस्पून जीरा पाउडर, 2 टेबलस्पून धनिए के पत्ते(कटे हुए) ½ टीस्पून गरम मसाला पाउडर, ½ टीस्पून अदरक-लहसुन पेस्ट , नमक स्वादनुसार अन्य सामग्री- 2 टेबलस्पून मेदा, द कप पानी, 1 कप तेल (फ्राई करने के लिए)

विधि

सबसे पहले एक बाउल में मेदा, सूजी अजवाइन, चीनी, नमक और तेल मिलाकर अच्चे से मिक्स कर लें। फिर इसमें 1 कप पानी डालें। इस मिश्रण को मिलाकर आटे की तरह स्मूद कर लें और 20 मिनट किसी नर्म गिले कपड़े से कवर करके रख दें। अब स्टफिंग के लिए दूसरे बाउल में उबले आलू हल्दी, लाल मिर्च, जीरा पाउडर, धनिए की बीज, आमचूर पाउडर, गरम मसाला और लहसुन-अदरक का पेस्ट डालें। फिर इसमें नमक डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। अब पहले तैयार किए आटे का पेड़ा लें और उसे रोटी की तरह बेल लें। फिर इसपर स्टफिंग मिश्रण डालकर गोल रोल बनाकर साइड पर ऱख दें। फ्राई करने के लिए आंच पर तेल ऱखें और उसमें तैयार किया समोसा डाल दें। इसको 15-20 मिनट तक डीप फ्राई करें और हल्का ब्राउन होने पर निकाल दें। अब बन गया आपका समोसा पिनव्हील। सॉस के साथ गर्मा-गर्म सर्व करें।

मलाबार पराठा

सामग्री

मैदा- 3 कप, घी- 2 चम्मच बड़े, अंडा- 1, दूध- आधा कप, चीनी- 1 चम्मच, तेल- आश्यकतानुसार, नमक- आधा छोटा चम्मच।

विधि

परात में मैदा,घी, दूध, चीनी, नमक, अंडा और हल्का तेल लेकर आश्यवकतानुसार पानी मिलाकर गूंद लें। आटे को गीले कपड़े से ढककर 15 मिनट तक छोड़ दें। अब आटे की लोइयां बना लें और एक गहरी प्लेट में थोड़ा तेल डाल कर लोइयों को इसमें कुछ देर के लिए रख कर दोबारा कपड़े से ढककर दें। अब बेस पर थोड़ा सा तेल लगाएं और लोई को हल्के हाथ से थोड़ा बेल लें और फिर इसमें घी लगाएं। इसमें एक साइड से कट लगाएं जो सेंटर पॉइंट तक जाना चाहिए। अब इसे घुमाकर लड्डू जैसा आकार दें। अब परतदार पराठा बेल लें। गैस पर तवा गर्म करके इस पर पराठा डालें और एक तरफ सिकने के बाद तेल लगा कर पलट दें। दूसरे साइड को भी सेंक लें। जब दोनों तरफ से सिंक जाए तो इसे बड़ी प्लेट में उतार कर हाथ से हल्का दबा दें। लीजिए तैयार है मलाबार पराठा। अब इसे इसे कोरमे या चटनी के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

संपादकीय

किसानों का एक और 'यलगार'

अब बारी महाराष्ट्र के नाराज किसानों की है। राज्य में भाजपा-महायुति सरकार बने 10 माह बीत चुके हैं। किसान अशांत और असंतुष्ट हैं कि चुनाव के दौरान कर्जमाफी, फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद, दिव्यांग किसानों के मानदेय आदि पर जो वायदे किए गए थे, अभी तक अधूरे हैं। उन्हें लागू क्यों नहीं किया जा रहा है? महाराष्ट्र सरकार आर्थिक संकट का रोना रो रही है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बीती 29 अक्तूबर को तुरंत कर्जमाफी से इंकार कर दिया है। फसल बीमा योजना किसानों को बेवकूफ बना रही है। कंपनियां मालामाल हो रही हैं। राज्य सरकार 1 रुपए की जो 'प्रतीकात्मक किस्त' देती थी, उसे भी बंद कर दिया गया है, क्योंकि उससे 5000 करोड़ रुपए की बचत हुई है। लिहाजा किसान एक बार फिर आंदोलित हैं। उन्होंने महाराष्ट्र के नागपुर में 'यलगार' का उद्घोष किया है। करीब 1.5 लाख किसानों ने सडक़ें अवरुद्ध कर चक्का जाम कर दिया है, नतीजतन बॉम्बे उच्च न्यायालय को खुद संज्ञान लेकर आदेश जारी करना पड़ा है कि किसान सडक़ें, राजमार्ग खाली करें। जनता को बहुत असुविधा हो रही है, लेकिन बुधवार रात तक किसान 'यलगार' को जारी रखने पर आमादा थे। आंदोलन का नेतृत्व पूर्व मंत्री बच्चू कडू कर रहे हैं, जो 'प्रहार जनशक्ति पार्टी' के संस्थापक हैं। सवाल है कि 'यलगार' किसानों का है अथवा यह राजनीतिक लामबंदी है? हालांकि राज्य सरकार ने जून, 2025 में कर्जमाफी पर एक कमेटी बनाई थी। उसकी रपट और अनुशंसाएं आ गई हैं अथवा नहीं, यह अभी निश्चित नहीं है। दरअसल बुनियादी मुद्दा किसान की कर्जमाफी का है। केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार ने 2008 में तत्कालीन प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह की रूपरेखा के मुताबिक, किसानों के 72,000 करोड़ रुपए के कर्ज माफ किए थे। इस आंकड़े पर विवाद है, क्योंकि मौजूदा प्रधानमंत्री मोदी का दावा है कि कुल 53,000 करोड़ रुपए के कथित कर्ज माफ किए गए। उनमें कई लाभार्थी 'फर्जी' थे अथवा कुछ लोग दिवंगत हो चुके थे, लेकिन उनके नाम पर कर्जमाफी की गई। बहरहाल इस आंकड़े को भी छोड़ते हैं, लेकिन उसके बाद कर्जमाफी एक 'राजनीतिक फैशन' बन गई, लिहाजा राज्य सरकारों ने भी किसानों के कर्ज माफ किए। हम आंकड़ों की पुष्टि नहीं कर सकते, लेकिन यह तय है कि कर्जमाफी के तौर पर सरकारें किसानों की आर्थिक मदद करती रही हैं। आखिर किसान कितने कर्जदार हैं, यह यक्ष प्रश्न किया जाता रहा है? अब केंद्र सरकार पर करीब 225 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है, जो 2014 में करीब 58 लाख करोड़ रुपए था। इतनी तो कई देशों की सकल अर्थव्यवस्था नहीं होती। इस गंभीर सवाल को भी समझना चाहिए कि आखिर कब तक सरकारें किसानों की कर्जमाफी करती रहेंगी? महाराष्ट्र सरकार पर भी 2024-25 का कुल कर्ज 8.40 लाख करोड़ रुपए है। सालाना ब्याज करीब 65000 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। हर नागरिक पर 72,761 रुपए का कर्ज है। सरकारों को सिर्फ किसानों का कल्याण देखना है या गरीबी-रेखा के आसपास या उसके तले जीने वाले समुदायों की भी चिंता करनी है? यकीनन किसान के हालात तब से बदतर हैं, जब भारत ब्रिटिश हुकूमत का गुलाम था। किसान की गरीबी या कर्जदारी बीते 11 साल की ही देन नहीं है। 'किसान अन्नदाता है', हमें इस मुहावरे को भी छोडऩा होगा। देश के प्रत्येक समुदाय, वर्ग, नागरिक का देश के विकास और संचालन में योगदान रहा है। देश के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि का योगदान 15-16 फीसदी ही है। शेष 85 फीसदी के कर्ज कौन माफ करेगा? यदि महाराष्ट्र के नागपुर क्षेत्र के आंकड़े देखें, तो जनवरी-मार्च, 2025 में ही 767 किसानों ने आत्महत्याएं की हैं। पश्चिमी विदर्भ में ही 257 किसानों ने जान दी है। यह देश में किसानों की सर्वाधिक आत्महत्याओं का केंद्र रहा है। आरएसएस का मुख्यालय भी यहीं है, तो केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का चुनाव क्षेत्र भी नागपुर है और मुख्यमंत्री भी इसी क्षेत्र की विधानसभा सीट से चुन कर आते हैं। बहरहाल केंद्र सरकार से शुरुआत होनी चाहिए, क्योंकि एमएसपी केंद्र ही तय करता है। वहां से कोई सुविचारित पहल की जानी चाहिए। अलबत्ता यह 'यलगार' भी दिल्ली के किसान आंदोलन से विराट रूप धारण कर सकता है।

राज्य सरकार 1 रुपए की जो 'प्रतीकात्मक किस्त' देती थी, उसे भी बंद कर दिया गया है, क्योंकि उससे 5000 करोड़ रुपए की बचत हुई है। लिहाजा किसान एक बार फिर आंदोलित हैं। उन्होंने महाराष्ट्र के नागपुर में 'यलगार' का उद्घोष किया है। करीब 1.5 लाख किसानों ने सडक़ें अवरुद्ध कर चक्का जाम कर दिया है, नतीजतन बॉम्बे उच्च न्यायालय को खुद संज्ञान लेकर आदेश जारी करना पड़ा है कि किसान सडक़ें, राजमार्ग खाली करें। जनता को बहुत असुविधा हो रही है, लेकिन बुधवार रात तक किसान 'यलगार' को जारी रखने पर आमादा थे। आंदोलन का नेतृत्व पूर्व मंत्री बच्चू कडू कर रहे हैं, जो 'प्रहार जनशक्ति पार्टी' के संस्थापक हैं। सवाल है कि 'यलगार' किसानों का है अथवा यह राजनीतिक लामबंदी है? हालांकि राज्य सरकार ने जून, 2025 में कर्जमाफी पर एक कमेटी बनाई थी। उसकी रपट और अनुशंसाएं आ गई हैं अथवा नहीं, यह अभी निश्चित नहीं है। दरअसल बुनियादी मुद्दा किसान की कर्जमाफी का है। केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार ने 2008 में तत्कालीन प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह की रूपरेखा के मुताबिक, किसानों के 72,000 करोड़ रुपए के कर्ज माफ किए थे। इस आंकड़े पर विवाद है, क्योंकि मौजूदा प्रधानमंत्री मोदी का दावा है कि कुल 53,000 करोड़ रुपए के कथित कर्ज माफ किए गए। उनमें कई लाभार्थी 'फर्जी' थे अथवा कुछ लोग दिवंगत हो चुके थे, लेकिन उनके नाम पर कर्जमाफी की गई। बहरहाल इस आंकड़े को भी छोड़ते हैं, लेकिन उसके बाद कर्जमाफी एक 'राजनीतिक फैशन' बन गई, लिहाजा राज्य सरकारों ने भी किसानों के कर्ज माफ किए।

पाकिस्तान अपनी कुचालों का जायज ठहराने एवं अपनी रक्षा की गुहार लगाते हुए भारत पर दबाव बनाना चाहता है

नया सैन्य गठजोड़ भारत के लिए चुनौती

ललित गर्ग

हाल ही में पाकिस्तान समेत संयुक्त अरब अमीरात, कतर और अज़रबैजान के बीच बन रहे सैन्य गठजोड़ की खबरें भारत के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। यह घटनाक्रम न केवल दक्षिण एशिया बल्कि मध्य एशिया और खाड़ी क्षेत्र के भू-राजनीतिक समीकरणों को भी प्रभावित कर रहा है। पाकिस्तान लगातार अपनी रक्षा और कूटनीतिक स्थिति को मज़बूत करने की दिशा में सक्रिय हुआ है और वह ऐसे देशों से निकटता बढ़ा रहा है जो भारत के रणनीतिक हितों के लिए चुनौती बन सकते हैं। भारत को इस नए उभरते गठजोड़ को केवल एक सामान्य रक्षा समझौते के रूप में नहीं देखना चाहिए, बल्कि इसे एक दीर्घकालिक रणनीतिक प्रयास के रूप में समझना चाहिए, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय स्थिति को सुधारना और भारत पर अप्रत्यक्ष दबाव बनाना है। भारत की विदेश नीति और सुरक्षा के मद्देनजर इस तरह के गठबंधन बड़ी चुनौती के लिहाज देखे जाने चाहिए। पिछले महीने पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हुए ऐतिहासिक सैन्य समझौते, जिसके तहत एक देश पर हुआ हमला दूसरे देश पर भी माना जाएगा, की तर्ज पर ही इस सैन्य गठजोड़ का विचार सामने लाया गया है। हालांकि इन चार देशों के बीच अभी कोई औपचारिक समझौता नहीं हुआ है, लेकिन माना जा रहा है कि अगले कुछ महीनों में इसकी घोषणा हो जाएगी। गौरतलब है कि तुर्किये, पाकिस्तान और अजरबैजान का त्रिपक्षीय गठबंधन, जिसे थ्री ब्रदर्स के नाम से जाना जाता है, एक मजबूत सैन्य साझेदारी का रूप ले चुका इसके अतिरिक्त, इस्लामिक मिलिट्री काउंटर टेररिज्म कोएलिशन (आईएमसीटीसी) भी है, जिसका संस्थापक सऊदी अरब है और जिसमें चालीस से अधिक सदस्य देश शामिल हैं। इन देशों के बीच सैन्य अभ्यास, हथियार सौदे और कश्मीर जैसे मुद्दों पर इनका स्वाभाविक सामूहिक रुख भारत के लिए चिंता का विषय रहा है। इससे पाकिस्तान अपनी कुचालों का जायज ठहराने एवं अपनी रक्षा की गुहार लगाते हुए भारत पर दबाव बनाना चाहता है। नहीं भूलना चाहिए कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद जब भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया, तब ज्यादातर मुस्लिम देशों ने तटस्थ रुख अपनाया था, लेकिन तुर्किये और अजरबैजान दो ऐसे मुल्क थे, जो पूरी तरह से पाकिस्तान के समर्थन में खड़े थे। दरअसल, तुर्किये के राष्ट्रपति तैयब अर्दोआन की इस्लामिक दुनिया के मॉडर्न खलीफा बनने की सनक का पाकिस्तान समर्थन करता है, इसी वजह से तुर्किये ने संयुक्त राष्ट्र में भी कश्मीर पर पाकिस्तान के रुख का खुला समर्थन किया है। सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुआ हालिया रक्षा समझौता इस बात का संकेत है कि पाकिस्तान अब अपनी सुरक्षा रणनीति को क्षेत्रीय स्तर पर फैलाने में सफल हो रहा है। यह समझौता इस सिद्धांत पर आधारित है कि अगर किसी एक देश पर हमला होता है तो दोनों की संयुक्त प्रतिक्रिया होगी। यह बात भारत के लिए सीधे तौर पर खतरे की घंटी है क्योंकि इससे

पाकिस्तान को रक्षा सहायता, प्रशिक्षण, संसाधन और राजनीतिक समर्थन प्राप्त हो सकता है। इसी तरह पाकिस्तान अज़रबैजान, यूएई और कतर जैसे देशों के साथ भी अपने संबंधों को मजबूत करने में जुटा है। इन देशों के साथ पाकिस्तान का यह बढ़ता सामरिक सहयोग उसके लिए आर्थिक और तकनीकी लाभ भी लेकर आ सकता है, जिससे भारत के लिए क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखना कठिन हो सकता है। भारत को इन परिस्थितियों में अपनी विदेश नीति को अधिक सशक्त और लचीला बनाना होगा। अब वह समय बीत चुका है जब भारत केवल पारंपरिक प्रतिद्वंद्विता और सीमित क्षेत्रीय चिंताओं के आधार पर नीति बनाता था। आज की दुनिया में भू-राजनीति बहुस्तरीय हो चुकी है, जहां आर्थिक संबंध, तकनीकी साझेदारी और रक्षा सहयोग एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। भारत को चाहिए कि वह अपने खाड़ी देशों से संबंधों को और सुदृढ़ करे। यूएई और सऊदी अरब जैसे देशों के साथ भारत के आर्थिक और सांस्कृतिक संबंध पहले से ही मजबूत हैं, पर उन्हें रक्षा सहयोग के स्तर पर भी विस्तारित करने की जरूरत है। भारत यदि इन देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी बढ़ाता है तो पाकिस्तान को क्षेत्रीय स्तर पर अलग-थलग करने में मदद मिल सकती है। साथ ही भारत को यह भी समझना होगा कि पाकिस्तान केवल सैन्य ताकत पर नहीं, बल्कि कूटनीतिक चालों और मीडिया नैरेटिव के माध्यम से भी अपनी स्थिति को मजबूत करने का प्रयास कर रहा है। ऐसे में भारत को न केवल रक्षा मोर्चे पर बल्कि कूटनीतिक और सूचनात्मक मोर्चे पर भी सक्रिय रहना होगा। भारत की नीति प्रतिक्रियात्मक न होकर सक्रिय, दूरगामी और अग्रदर्शी होनी चाहिए। भारत को यह दिखाना होगा कि वह केवल अपनी सीमाओं की रक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता और वैश्विक शांति का भी एक भरोसेमंद संरक्षक है। भारत ही दुनिया से आतंकवाद को समाप्त करने की मुहिम छेड़े हुए है। भारत के लिए यह भी जरूरी है कि वह अपने मित्र देशों के साथ सामूहिक सुरक्षा दृष्टिकोण विकसित करे। जिस तरह अमेरिका और यूरोपीय संघ सामूहिक रक्षा नीति पर चलते हैं, उसी तरह भारत को भी इंडो-पैसिफिक क्षेत्र, एसोसिएशन ऑफ साउथइस्ट ऐशियन नेशनस-देशों और मध्य पूर्व में सहयोगी नेटवर्क को सुदृढ़ करना चाहिए। यह केवल सैन्य दृष्टि से नहीं बल्कि कूटनीतिक और आर्थिक दृष्टि से भी भारत की स्थिति को मजबूत करेगा।

पाकिस्तान की नई विदेश नीति की दिशा साफ है- वह भारत को घेरने की कोशिश कर रहा है, चाहे वह चीन के साथ सीपेक परियोजना के माध्यम से हो या अब मध्य-पूर्व के देशों के साथ रक्षा सहयोग के जरिए। भारत को इस घेराबंदी को तोड़ने के लिए तीन दिशा में एक साथ काम करना होगा- अपनी रक्षा क्षमता को आधुनिक बनाना, विदेश नीति में सक्रियता लाना, और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की सकारात्मक छवि को और प्रखर बनाना। यह स्थिति भारत के लिए केवल एक चुनौती नहीं बल्कि अपनी सामरिक दूरदर्शिता को सिद्ध करने का अवसर भी है। भारत यदि समय रहते अपने पड़ोस में बढ़ते इस सैन्य गठजोड़ की गंभीरता को समझ लेता है और सक्रिय कदम उठाता है, तो वह न केवल पाकिस्तान की कूटनीतिक चालों को निष्प्रभावी बना सकता है, बल्कि दक्षिण एशिया को स्थिरता और सहयोग के नए मॉडल के रूप में प्रस्तुत कर सकता है।

इन चार राष्ट्रों का सैन्य गठबंधन भारत के लिए एक चेतावनी है कि भू-राजनीति में देशों के बीच धार्मिक एकजुटता नए रूप में सामने आ रही है, ऐसे में क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा बनी रहे, इसके लिए भारत को अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करते हुए कूटनीतिक मोर्चे पर भी सक्रिय बने रहना होगा। भारत पिछले कई वर्षों से पाकिस्तान, तुर्की और अजरबैजान को काउंटर करने के लिए अलग-अलग रणनीतियों पर काम कर रहा है। इनमें इन तीनों देशों के दुश्मनों की मदद से लेकर इन्हें आर्थिक तरीके से चोट पहुंचाना भी शामिल है। पाकिस्तान के खिलाफ भारत के कदमों से हर कोई परिचित है। अब बात करते हैं तुर्की की। भारत ने तुर्की को काउंटर करने के लिए उसके सबसे बड़े दुश्मन ग्रीस के साथ रक्षा संबंधों को मजबूत किया है। इसके अलावा भारत ने साइप्रस के मुद्दे को भी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाना शुरू किया है, जिसकी जमीन पर तुर्की ने अवैध रूप पर कब्जा जमाया हुआ है। वहीं, भारत ने तुर्की को अपने बाजार में प्रवेश को लेकर भी सख्तियां बरती है। इस सैन्य गठजोड़ के हकीकत बनने की सूरत में भारत के लिए जरूरी होगा कि वह आर्मेनिया, ग्रीस और साइप्रस के साथ अपने संबंध मजबूत करे और यूएई के साथ भी द्विपक्षीय रिश्तों को और प्रगाढ़ बनाए, जो भारत का बड़ा व्यापारिक भागीदार रहा है और आम तौर पर इस्लामिक मुद्दों पर तटस्थ रुख रखता है। आज भारत को यह मानना होगा कि "सुरक्षा" अब केवल हथियारों का मामला नहीं है, यह अर्थव्यवस्था, कूटनीति, और तकनीक का समन्वित प्रश्न बन चुका है। पाकिस्तान की नई चालें एवं कुचालें हमें केवल सतर्क रहने की नहीं, बल्कि सजग, सक्रिय और रणनीतिक रूप से एक कदम आगे रहने की प्रेरणा देती हैं। भारत यदि अपनी नीति में इस नए दृष्टिकोण को शामिल करता है, तो यह गठजोड़ उसके लिए खतरा नहीं बल्कि आत्मसुधार और आत्मसशक्तिकरण का अवसर साबित हो सकता है।

पाकिस्तान लगातार अपनी रक्षा और कूटनीतिक स्थिति को मज़बूत करने की दिशा में सक्रिय हुआ है और वह ऐसे देशों से निकटता बढ़ा रहा है जो भारत के रणनीतिक हितों के लिए चुनौती बन सकते हैं। भारत को इस नए उभरते गठजोड़ को केवल एक सामान्य रक्षा समझौते के रूप में नहीं देखना चाहिए, बल्कि इसे एक दीर्घकालिक रणनीतिक प्रयास के रूप में समझना चाहिए, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय स्थिति को सुधारना और भारत पर अप्रत्यक्ष दबाव बनाना है। भारत की विदेश नीति और सुरक्षा के मद्देनजर इस तरह के गठबंधन बड़ी चुनौती के लिहाज देखे जाने चाहिए। पिछले महीने पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हुए ऐतिहासिक सैन्य समझौते, जिसके तहत एक देश पर हुआ हमला दूसरे देश पर भी माना जाएगा, की तर्ज पर ही इस सैन्य गठजोड़ का विचार सामने लाया गया है।

कुछ अलग

हमारी कोई ब्रांच नहीं...

करप्शन करने के तरीके और उससे बचने के उपाय सस्ती दरों पर सीखने-खरीदने के लिए हमारे यहां पधारें। एक बार तो पधारो म्हारे देस, भारत मा जनाब! ...हमारी शॉप थ्री सिक्स्टी फाइव इन टू सेवन इन टू ट्वेन्टी फोर डेज खुली रहती है। भुगतान, भ्रष्टाचार के स्तर के अनुसार। ओनली सीओडी अप्लाई। जल्दी कीजिए। सीमित ऑफर।...हमारी कोई ब्रांच नहीं, फिर भी हम इस देश के कण-कण में व्याप्त हैं।...एक बार भ्रष्टाचार करके तो देखिए जनाब।...डर लगे तो! हम बैठे हैं न!...अगर पकड़े गए तो! हम बैठे हैं न!...रेड पड़ गई तो! हम बैठे हैं न!' रेलवे स्टेशन की दीवारों पर लगे इस विज्ञापन को पढक़र वह अब अपनी भ्रष्टाचार की कमजोर नसों को तगड़ा करने के लिए अपने सूट-टाई को संभालते, मुंह को रुमाल से छिपाते, 30, रैगरपुरा, दिल्ली आखिरकार पहुंच ही गया। लगा मानों किसी रेडलाइट एरिया में घुसने जा रहा है।...नहीं, नहीं, आपने गलत समझा। हम भारत की अदालत नहीं।...अरे! क्या बात कर दी भाई साहब, हम सीबीआई भी नहीं, हम मीडिया भी नहीं।

देश दुनिया से

दोषी बच्चा या कोई और?

संत कबीर जी का एक प्रसिद्ध दोहा है 'गुरु कुम्हार सिस कुंभ है, गढ़ी गढ़ी काढ़े खोट/अंतर हाथ सहारा दे, बाहर बाहें चोट', अर्थात गुरु उस कुम्हार की भांति है जो शिष्य रूपी घड़े को सुंदर आकार देने के लिए ऊपर से चोट करता है किंतु अंदर से हाथ लगा कर रखता है कि घड़ा कहीं टूट न जाए। गुरु के द्वारा दिए जाने वाला दंड यदि निस्वार्थ भाव से तथा बिना हानि पहुंचाए दिया जाता है तो उससे विद्यार्थी के व्यक्तित्व का परिष्कार ही होता है। यहां हम गुरु के साथ अभिभावकों को भी ले सकते हैं क्योंकि माता-पिता भी बच्चे के प्रथम गुरु होते हैं। आजकल गुजरात (गांधीनगर) के एक दस साल के लडक़े को सोशल मीडिया पर खूब ट्रोल किया जा रहा है। 'कौन बनेगा करोड़पति' के 17वें सीजन में पांचवीं कक्षा में पढऩे वाला इषित भट्ट नामक बच्चा हॉट सीट पर बैठा। उस बच्चे ने अमिताभ बच्चन के सामने कुछ इस प्रकार का व्यवहार किया जिससे उसे देखने वाले सभी नाराज चल रहे हैं और उसको ट्रोल करने के लिए सोशल मीडिया में होड़ लग गई है। उसे संस्कारहीन, बदतमीज कह रहे हैं। उस बच्चे को देखकर यह लगता है जैसे उसे नियम, अनुशासन, शिष्टाचार कुछ भी नहीं सिखाया गया है। अत्यधिक आत्मविश्वास और शायद कुछ अहंकार के कारण सवाल पूछने से पहले ही वह बोल उठा 'मेरे को रूल्स पता है, इसलिए आप मुझे अभी रूल्स समझाने मत बैठ जाना।' बाद में कार्यक्रम के होस्ट अमिताभ बच्चन जी सवाल पूछना आरंभ करते हैं तो ऑप्शन या विकल्प देने से पहले ही इशित उत्तर लॉक करने के लिए कहता है। उस बच्चे ने बिग बी की किसी भी बात को पूरा नहीं सुना और बीच में ही बात काट कर बदतमीजी की सीमाएं लांघता रहा। हॉट सीट पर बैठकर बड़े-बड़े विद्वान और उम्रदराज लोग भी कहते हैं कि अमिताभ जी आपको देखकर सब भूल गया। हॉट सीट पर अंत तक सभी करोड़पति बनने के लिए सारी लाइफ लाईन प्रयोग करने के बाद भी हॉट सीट नहीं छोडऩा चाहते, पर यह बच्चा तो सबसे ही अलग था। हॉट सीट पर बैठने से पहले न भावुक हुआ, न रोया-धोया, सीधा बिग बी से भिड़ गया और उन्हें बोलने नहीं दिया, न ही पूरे विकल्प ही सुनता और उत्तर देना आरंभ कर देता। कभी कहता यह भी कोई पूछने का सवाल है, कभी कहता अरे प्रश्न तो पूछो। इसके पश्चात एक प्रश्न का उत्तर उसे नहीं आया तो कहा अरे ऑप्शन तो डालो। बाद में बिना पूरे ऑप्शन सुने गलत उत्तर देकर कहने लगा, सर इसमें एक क्या चार लॉक लगा दो, लेकिन लॉक करो। बाद में वह हार कर बिना कुछ लिए चला गया। बिग बी की किसी भी बात को उसने गंभीरता से नहीं सुना। उस बच्चे के व्यवहार ने सोचने पर मजबूर कर दिया कि आखिर इस बच्चे के ऐसे गलत संस्कार का दोषी किसे माना जाए। उसे बदतमीज या उद्दंड कहने वाली रीलों की भरमार लग गई। किसी ने बच्चे के मां-बाप को कोसा। किसी ने बच्चे को असभ्य कहा। वैसे देखा जाए तो हॉट सीट पर बैठे सभी बच्चे बहुत ही बातूनी और आत्मविश्वास से भरे होते हैं, पर यह बच्चा तो आंधी की तरह हॉट सीट पर आया और तूफान की तरह चला गया और अपने पीछे बहुत से गंभीर सवाल छोड़ गया। उस बच्चे की नादानी और मासूमियत पर तरस भी आता है और उसके असंयम, अतिआत्मविश्वास और बदतमीजी पर क्रोध भी आता है, पर क्या वह अकेला इस प्रकार की प्रकृति का दोषी है? आजकल लगभग बहुत से बच्चे इस प्रकार का आचरण करते दिखाई देते हैं। इसमें किसी सीमा तक वातावरण जो उन्हें दिया जा रहा है, उसका भी अहम रोल है। अक्सर माता-पिता अपने बच्चों के लिए यह कहते सुनाई देंगे कि क्या करें हमारा बच्चा कुछ सुनता नहीं। कभी-कभी तो उन्हें इस बात से अधिक गर्व होता है कि उनका बच्चा इतना बुद्धिमान है कि वह अपनी बुद्धि से ही चलना चाहता है। यही माता-पिता की सबसे बड़ी भूल होती है। छोटी-छोटी बातें व्यक्तित्व का निर्माण करती हैं। परिणाम यह होता है कि बच्चों को बचपन से ही मनमानी करने की आदत पड़ जाती है। उसे खूब लाड-प्यार दिया जाता है। आजकल संयुक्त परिवार टूट रहे हैं। एकल परिवार में एक या दो बच्चे होते हैं, जिनकी हर जरूरत को पूरा करना माता-पिता अपना पहला कत्र्तव्य समझते हैं। संयुक्त परिवार में बच्चे अपने भाई-बहनों, चाचा, ताया आदि के बच्चों के साथ मिलकर रहते थे। एक दूसरे के साथ मिल-बांटकर खाना, प्यार से और अनुशासन में रहना और बड़ों का आदर करना, छोटों से प्यार करना सिखाया जाता था, लेकिन आज बच्चे इतने संवेदनशील बना दिए गए हैं कि मां-बाप न कहने से डरते हैं कि बच्चा कहीं आत्महत्या न कर ले। किसी समय गुरुकुल में छात्र शिक्षा ग्रहण करने के साथ गुरु की सेवा व अन्य कार्य भी करते थे। लंबे समय तक गुरुओं के साथ रहकर विद्याध्ययन और गुरु सेवा करके विद्यार्थी संयमित और मर्यादित जीवन का अभ्यस्त हो जाता था। पर आज का बच्चा पाठशाला में भी कोमल बनाया जा रहा है और घर पर भी सबका लाडला है। पाठशाला में नैतिक शिक्षा के लिए समय नहीं होता। मासूम बच्चे का मन-मस्तिष्क कोरे कागज की तरह होता है। उस कोरे कागज में वह जो कुछ देखता-सुनता-ग्रहण करता है, वही अंकित होता चला जाता है। अगर उसे बचपन से ही महापुरुषों की जीवनियां या शिक्षाप्रद व धार्मिक कहानियां सुनाई जाएं तथा अनुशासन में रहना, शिष्टाचार, बड़ों का आदर-सम्मान, अपने से छोटे से प्रेम करना, त्याग और संयम आदि गुण उसमें विकसित किए जाएं तो वह छाप आजीवन रहती है। पर आजकल इन सब बातों के लिए किसी के पास समय नहीं। इसके स्थान पर दो-तीन साल के बच्चे को उनके अभिभावक टीवी में चल रहे कार्टून कार्यक्रम के पास बिठाकर स्वयं अपने काम में मस्त हो जाते हैं। जिस प्रकार का कार्टून कार्यक्रम वह टीवी या मोबाइल में देखता है, उसी तरह के हाव-भाव और बड़ी-बड़ी बातें करना वह सीख जाता है। रही बात संस्कारों की तो परिवार बालक की प्रथम पाठशाला है। इसमें मां-बाप का बहुत बड़ा योगदान होता है। वही बच्चों को अच्छे संस्कार देते हैं। आज बच्चों को आत्मविश्वासी तो बनाया जाता है, पर अनुशासन में रहना और शिष्टाचारी बनना नहीं सिखाया जाता। उद्दंडता और जिद करने की प्रवृत्ति को सुधारने के लिए उसे प्यार से समझाने की जरूरत है।

'कौन बनेगा करोड़पति' के 17वें सीजन में पांचवीं कक्षा में पढऩे वाला इषित भट्ट नामक बच्चा हॉट सीट पर बैठा। उस बच्चे ने अमिताभ बच्चन के सामने कुछ इस प्रकार का व्यवहार किया जिससे उसे देखने वाले सभी नाराज चल रहे हैं और उसको ट्रोल करने के लिए सोशल मीडिया में होड़ लग गई है। उसे संस्कारहीन, बदतमीज कह रहे हैं। उस बच्चे को देखकर यह लगता है जैसे उसे नियम, अनुशासन, शिष्टाचार कुछ भी नहीं सिखाया गया है। अत्यधिक आत्मविश्वास और शायद कुछ अहंकार के कारण सवाल पूछने से पहले ही वह बोल उठा 'मेरे को रूल्स पता है।

आप का नजरिया

धमकियों की गुलेल

कुछ धमकियों की गुलेल ने पूरे हिमाचल को आहत किया है। शिमला के रोहड़ू उपमंडल का गवाणा प्राथमिक स्कूल उस वक्त अभिशप्त हो गया जब एक शिक्षिका ने बच्चे की नादानी को सबक सिखाने की हिंसक प्रवृत्ति से जोड़ लिया। एक छोटे से बच्चे को निर्वस्त्र अवस्था में कंटीली झाड़ी से पीटने की निर्ममता, अगर स्कूल के आंचल में पैदा हो गई, तो इस तरह की वारदात का हश्र क्या होगा। एक छात्र अपनी ही शिक्षिका की क्रूरता का शिकार हुआ तो यह कहना पड़ेगा कि विभाग की बागडोर अब किसी आचार संहिता का मजमून नहीं। विडंबना यह है कि शिक्षा विभाग के भीतर प्रायः असामान्य घटनाएं हो रही हैं और इनका संज्ञान सिर्फ हल्की सी कार्रवाई के तहत पौंछा लगा देता है। यह इसलिए भी कि शिक्षा विभाग अपनी तरह की राजनीति का अखाड़ा है, जहां शिक्षक वर्ग विभिन्न संगठनों के लबादे में शिक्षण की पद्धति और रूह की हत्या का दोषी है। किसी भी सरकारी स्कूल की इतनी औकात नहीं कि अभिभावक अपने बच्चों का भविष्य सुखद बनाने के लिए इन्हीं का चयन करें। अगर मजबूरी का सियासी तौर-तरीका जबरन स्कूल चलाने की नौबत न हो तो आधे परिसर औंधे मुंह गिर जाएंगे। हैरानी यह कि संख्या में पिछड़ रहे सरकारी स्कूलों के शिक्षक भी अगर शिक्षा को ढोने का फितूर पाल लें या पूरे कस्बे या कुनबे को सिर पर उठा लें, तो किस्से हमारे चरित्र की अंतिम पायदान पर कुचले जाएंगे। हिमाचल के चारित्रिक, सांस्कृतिक, सामाजिक व भविष्य के निर्माण में सरकारी स्कूल के अध्याय सिमट गए हैं, क्योंकि शिक्षक संगठनों की सियासी ताजपोशियों में पूरे विभाग का विभाजन हो चुका है। जाहिर तौर पर रोहड़ू के विवादित स्कूल की विवादित शिक्षिका भी कहीं न कहीं किसी संगठन की कठपुतली और मन मुताबिक कार्य स्थल चुनने की हकदार रही होगी। कंटीली झाड़ी से अपने ही शिष्य को पीटने वाली मोहतरमा जिस दबंगता से वीडियो में नजर आ रही हैं, वहां सारी कला और कौशल सियासत का विशेषाधिकार प्राप्त होगा। एक शिक्षिका में हम समाज, प्रदेश और देश का दायित्व देख सकते हैं। जिस समाज से शिक्षिका का वजूद उभर रहा है, उसी से पूरा परिदृश्य भी लहूलुहान हो रहा है। कांगड़ा के नागनी माता मंदिर परिसर में सुनियोजित अग्निकांड के माध्यम से एक व्यक्ति ने निजी खुन्नस की माचिस जलाकर कुछ दुकानें जला दीं। अग्निकांड की धमकी देकर यह शख्स मालिक से दुकान ऐंठना चाह रहा था और जब कामयाब नहीं हुआ, तो आग के हवाले पूरा परिसर कर दिया। धमकियों का वीभत्स पूरे हिमाचल में माफिया का रुतबा अख्तियार कर रहा है। आसान धनोपार्जन, विभागीय पहुंच, सियासी प्रश्रय और कारिंदागिरी के माध्यम से हिमाचल में चोर-सिपाही का खेल आंखों में धूल झोंक रहा है। धीरे-धीरे युवा आशाएं अलग दिशा पकड़ रही हैं। हिमाचल की समृद्धि का सूचकांक बदल गया है। मुजारा एक्ट से पहले खेती से समृद्धि होती थी, अब खेत या पहाड़ खोद कर दौलतमंद होने का एक बड़ा अभियान चला है। राज्य का व्यवहार भी बदल चुका है। आसान नहीं है जीवन के हर पहलू से गुजर जाना। यहां एक शासक वर्ग तैयार हो रहा है। व्यवस्था में सौ फीसदी फर्ज निभाने की क्षमता का क्षरण अब नागरिक समाज के भीतर आपसी धमकियों का खुलासा कर रहा है। सरे आम युवा पीढ़ी को उजाडऩे की धमकी में चिट्टे के व्यापारी बढ़ रहे हैं, तो सत्ता के अधिकारों में संपर्क साधने का कौशल निर्णायक सिद्ध हो रहा है। किसी की फाइल मीलों लंबी यात्रा के बाद भी राहत नहीं देती और कहीं मामूली सी पृष्ठभूमि से निकले लोग अब अपनी जन्नत सजा रहे हैं। हिमाचल के हाथों में कंटीली झाडियां उग आई हैं, अंतर यह है कि कभी मासूम बच्चों पर कहर ढहाएंगी और कभी किसी के पक्ष में कानून को सहलाएंगी।

शिमला के रोहड़ू उपमंडल का गवाणा प्राथमिक स्कूल उस वक्त अभिशप्त हो गया जब एक शिक्षिका ने बच्चे की नादानी को सबक सिखाने की हिंसक प्रवृत्ति से जोड़ लिया। एक छोटे से बच्चे को निर्वस्त्र अवस्था में कंटीली झाड़ी से पीटने की निर्ममता, अगर स्कूल के आंचल में पैदा हो गई, तो इस तरह की वारदात का हश्र क्या होगा। एक छात्र अपनी ही शिक्षिका की क्रूरता का शिकार हुआ तो यह कहना पड़ेगा कि विभाग की बागडोर अब किसी आचार संहिता का मजमून नहीं। विडंबना यह है कि शिक्षा विभाग के भीतर प्राय: असामान्य घटनाएं हो रही हैं और इनका संज्ञान सिर्फ हल्की सी कार्रवाई के तहत पौंछा लगा देता है। यह इसलिए भी कि शिक्षा विभाग अपनी तरह की राजनीति का अखाड़ा है, जहां शिक्षक वर्ग विभिन्न संगठनों के लबादे में शिक्षण की पद्धति और रूह की हत्या का दोषी है। किसी भी सरकारी स्कूल की इतनी औकात नहीं कि अभिभावक अपने बच्चों का भविष्य सुखद बनाने के लिए इन्हीं का चयन करें। अगर मजबूरी का सियासी तौर-तरीका जबरन स्कूल चलाने की नौबत न हो तो आधे परिसर औंधे मुंह गिर जाएंगे। हैरानी यह कि संख्या में पिछड़ रहे सरकारी स्कूलों के शिक्षक भी अगर शिक्षा को ढोने का फितूर पाल लें या पूरे कस्बे या कुनबे को सिर पर उठा लें, तो किस्से हमारे चरित्र की अंतिम पायदान पर कुचले जाएंगे। हिमाचल के चारित्रिक, सांस्कृतिक, सामाजिक व भविष्य के निर्माण में सरकारी स्कूल के अध्याय सिमट गए हैं, क्योंकि शिक्षक संगठनों की सियासी ताजपोशियों में पूरे विभाग का विभाजन हो चुका है।

दृष्टि कोण

बिहार के चुनाव पर नेपाली निगाहें

नेपाल के मेट्रो शहर वीरगंज में प्रोफेसर भाग्यनाथ प्रसाद गुप्ता मधेस राजनीति की सुपरिचित शख्सियत में से हैं। फोन पर पूछा, कि आम नेपाली किस नुक्ते-नज़र से बिहार चुनाव को देखता है? जवाब, एक नेपाली कहावत के रूप में पेश था- 'अन्धो गाई र लंगडो गोरु' अर्थात, 'अंधी गाय और लंगड़ा बैल'। ऐसी कहावत का उपयोग तब किया जाता है, जब दो असमर्थ लोग मिलकर एक दूसरे की मदद करते हैं। इस कहावत के बहुआयामी निहितार्थ हैं। संसाधनों के मामलों में नेपाल सम्पूर्ण नहीं है। जहां उसे बिहार से मदद चाहिये, मिलती है। और जब सीमा पार बिहार में मुश्किलें होती हैं, नेपाल की जनता और व्यापारी, सेवाभाव से प्रस्तुत होते हैं। 1751 किलोमीटर लंबी भारतीय सीमा नेपाल से लगती है। इनमें भारत के पांच राज्यों की सीमाएं : बिहार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल और सिक्किम बाड़बंदी के बग़ैर हैं। सबसे लंबी सीमा बिहार की 756 किलोमीटर, और सबसे छोटी सीमा सिक्किम की मात्र 99 किलोमीटर है। बिहार के सात सीमावर्ती ज़लि- पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, अररिया, किशनगंज हैं। नेपाल के हवाले से बहुत पुरानी कहावत इस्तेमाल होती रही, 'बेटी-रोटी का सम्बन्ध।' लेकिन, अब उसकी व्याख्या व्यापक है। बेटी-रोटी का सम्बन्ध केवल वोट बैंक तक महदूद नहीं है, विभिन्न दलों के जो प्रत्याशी खड़े होते हैं, उनके चुनावी खर्च का एक बड़ा हिस्सा नेपाल के उद्योग-व्यापार वाले वहन करते हैं। वैसे 21 विधानसभा क्षेत्र हैं, जो बिलकुल बॉर्डर लाइन पर हैं। दरअसल, बेटी-रोटी का कॉन्सेप्ट इन्हीं वजहों से शुरू होता है। लगभग हर तीसरे-चौथे परिवार की रिश्तेदारी नेपाल में दिखाई देती है। चुनांचे, जब नेपाल में चुनाव होता है, भारत वाले दोस्त, रिश्तेदार एक्टिव हो जाते हैं, उसी तरह जब भारत के इन पांच राज्यों में चुनाव होता है, नेपाल का सरोकार सामने आ जाता है। लेकिन, चुनावी दायरा 21 विधानसभा क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। ऐसे सात सीमावर्ती ज़लि बिहार के हैं, जिनके

मुख्यालय की राजनीतिक गतिविधियों में नेपाल के लोगों की दिलचस्पी बनी रहती है। चुनावी सभा चाहे दरभंगा में हो, या कि मोतिहारी में, राहुल-मोदी अथवा अमित शाह को देखने नेपाल के लोग पहुंच ही जाते हैं। बिहार में इस तरह के 60 से 65 विधानसभा क्षेत्र हैं, जिनके भावी विधायकों, मंत्रियों, सांसदों के 'गुड बुक' में बने रहने की कवायद नेपाल में चलती रहती है। दूसरा, मुस्लिम फैक्टर भी है, लगभग 80 फ़ीसद मुस्लिम आबादी तराई क्षेत्र में है, शेष 20 प्रतिशत मुसलमान मुख्यतः काठमांडू, गोरखा और पश्चिम नेपाल की पहाड़ियों तक सीमित हैं। लेकिन, जो बॉर्डर लाइन के नेपाली मुसलमान हैं, बताना अब ज़रूरी नहीं रह गया, कि बिहार में होने वाले चुनाव में वो किसकी जीत के ख्वाहिशमंद हैं। आप देख सकते हैं, चम्पारण के ढाका तथा सीमांचल के चार ज़लि पूर्णिया, कटिहार, अररिया और किशनगंज वाले अल्पसंख्यकों का राब्ता, नेपाल में एक्टिव मुसलमानों से रहता है। बिहार-नेपाल व्यापार के लिए बारा, पर्सा, महोत्तरी, मोरंग, धनुषा, सर्लाही, रौतहट, सुनसरी और झापा ज़लिों से जुड़े 10 ट्रांज़टि पॉइंट शामिल हैं। मुख्य व्यापार में कृषि उत्पाद, दूध प्रसंस्करण, नॉन-वोवन बैग निर्माण, पशुधन के लिए खनिज और विटामिन मिश्रण वाला उत्पादन, औषधि, पेट्रोलियम, लिथियम आयन सौर बैटरी, कॉस्मेटिक्स से लेकर कपड़े और इलेक्ट्रॉनिक सामान तक शामिल हैं। लेकिन अब इसमें नया तड़का लगा है, शराब और शबाब का, जिसने एक नई क़स्मि की कनेक्टिविटी दोनों देशों में पैदा की है।

बलोचिस्तान के 12 जिले सूखाग्रस्त, प्रांतीय सरकार को एहतियाती कदम उठाने की सलाह

रावलपिंडी, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग (पीएमडी) ने बलोचिस्तान प्रांत के 12 जिलों को सूखे की निगरानी में रखा है। पीएमडी ने प्रांतीय सरकार को सूखाग्रस्त जिलों में एहतियाती कदम उठाने की सलाह दी है। विभाग का आकलन है कि पश्चिमी और दक्षिण-पश्चिमी बलोचिस्तान में सूखे की स्थिति और बिगड़ सकती है। चगाई, ग्वादर, केच, खारन, मस्तुंग, नुश्की, पिशिन, पंजगुर, किला अब्दुल्ला, क्वेटा और वाशुक जिलों में सूखे का सबसे अधिक प्रभाव है। इसलिए इन जिलों को सूखा निगरानी में रखा गया है। डान अखबार की बलोचिस्तान के सूखे पर केंद्रीय रिपोर्ट के अनुसार, पीएमडी मानता है कि बलोचिस्तान की जलवायु शुष्क से लेकर अर्ध-शुष्क है। इसकी विशेषता अत्यधिक परिवर्तनशील वर्षा, अत्यधिक तापमान में उतार-चढ़ाव और लंबे समय तक सूखा रहना है। प्रांत के दक्षिण-पश्चिमी और दक्षिणी हिस्से मुख्यत: शुष्क हैं, जहां ग्रीष्मकालीन मानसून का प्रभाव बहुत कम होता है। पश्चिमी और दक्षिण-पश्चिमी बलोचिस्तान के अधिकांश जिले सर्दियों की वर्षा पर निर्भर हैं, जहां वार्षिक वर्षा 71 से 231 मिलीमीटर के बीच होती है। इस साल इन क्षेत्रों में मई से अक्टूबर की अवधि के दौरान सामान्य से कम वर्षा (-79 प्रतिशत) दर्ज की गई है। इसके अलावा, लगातार शुष्क अवधि बढ़ी है। यह पूरे क्षेत्र में लंबे समय तक सूखे की स्थिति का संकेत देती है।

वर्षा की यह महत्वपूर्ण कमी सूखे की स्थिति पैदा कर सकती है। इन क्षेत्रों में वर्षा में कमी और लगातार शुष्क दिनों का सारांश पीएमडी रिपोर्ट में दिया गया है। जलवायु चक्र और नवंबर से जनवरी 2026 तक के मौसमी पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए इन क्षेत्रों में सामान्य से कम वर्षा और सामान्य से अधिक तापमान रहने की संभावना है। पीएमडी का कहना है कि मौजूदा शुष्क परिस्थितियों के कारण कृषि क्षेत्र में जल संकट पैदा होने की आशंका है। इसका मुख्य कारण रबी फसलों के लिए सिंचाई जल की सीमित उपलब्धता है। मौसम विज्ञान कार्यालय ने सभी संबंधित हितधारकों को कृषि, पशुधन और आजीविका पर संभावित प्रभावों को कम करने के लिए एहतियाती उपाय करने की और जिला समन्वय समितियों के माध्यम से उभरते सूखे की स्थिति पर कड़ी निगरानी रखने की सलाह दी है।

न्यूज ब्रीफ

चीन से राफेल को टक्कर देने वाला लड़ाकू विमान खरीदने को तैयार इंडोनेशिया, रक्षा विशेषज्ञ उठा रहे सवाल

जकार्ता। इंडोनेशिया के एक अधिकारी ने खुलासा किया है कि उनका देश कम से कम 42 चीनी जे-10सी लड़ाकू विमान खरीदने का इच्छुक है, चीन के इस लड़ाकू विमान को राफेल से टक्कर लेने वाला बताया जाता है। यह चौंकाने वाला है क्योंकि इंडोनेशिया पहले ही इन विमानों में भी रुचि दिखा चुका है। इंडोनेशिया ने तुर्की से कान पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान (समझौते पर दस्तखत भी किए हैं)। वहीं दक्षिण कोरिया से केएफ-21 बोरामे, और अमेरिका से एफ-15 ईएक्स ईगल सेंकड खरीदने की इच्छा जता चुका है। इंडोनेशियाई वायु सेना पहले से ही लॉकहीड-मार्टिन एफ-16 मल्टी रोल फाइटर जेट इस्तेमाल कर रही है। इसके अलावा उसके पास रूसी सुखोई एसयू-27/30, दक्षिण कोरियाई केएआई टी-50 हल्के लड़ाकू विमान और पुराने बीएई हॉक हल्के हमलावर विमान/प्रशिक्षक भी हैं। लेकिन ये सभी विमान अब पुराने हो चुके हैं और सरकार की कोशिश देश के लिए नये विमान खरीदने की है। इस बीच इंडोनेशिया, फ्रांस से भी 42 राफेल फाइटर जेट खरीद रहा है, जिसकी डिलीवरी जल्द शुरू होने वाली है। इसीलिए सवाल ये भी हैं कि क्या वहां चीनी और फ्रांसीसी लड़ाकू विमान एक साथ ऑपरेट कर पाएगा अब उठ रहे सवाल हैं कि क्या इंडोनेशिया सिर्फ समझौते कर रहा है या वाकई खरीद करेगा, क्योंकि पैसे की कमी है चीन के साथ दक्षिण चीन सागर विवाद होने पर चीनी विमान खरीदना कितना समझदारी भरा है क्या वह चीनी और फ्रांसीसी (राफेल) लड़ाकू विमानों को एक साथ ऑपरेट कर पाएगा अलग-अलग जेट खरीदने से ऑपरेशन संभालना (अलग-अलग मिसाइलें, नेटवर्क इंटीग्रेशन) मुसीबत बन जाएगा।

गंजेपन की समस्या से निजात दिलाने लाया गया...............हेयर ग्रोथ सीरम

ताईपे। अगर आप गंजेपन से परेशान हैं और हर नए प्रोडक्ट को आजमाने के बाद निराश हो चुके हैं, तब यह खबर आपके लिए जरुरी है। हाल ही में वैज्ञानिकों ने एक ऐसा हेयर ग्रोथ सीरम तैयार किया है, जिसके बारे में दावा किया गया है कि यह सिर्फ 20 दिनों में गंजी खोपड़ी पर बाल उगाने की ताकत रखता है। यह सीरम नेचर जर्नल में प्रकाशित एक शोध का हिस्सा है। यह एक रब-ऑन सीरम है, जिसे सीधे सिर की त्वचा पर लगाया जाता है। इसमें प्राकृतिक फैटी एसिड का इस्तेमाल किया गया है, जो त्वचा की वसा कोशिकाओं को सक्रिय करता है। ये सेल्स बालों के रोम को पुनर्जीवित करती हैं, जिससे नए बाल उगने लगते हैं। दरअसल गंजेपन की समस्या तब होती है जब बालों के रोम निष्क्रिय हो जाते हैं या मर जाते हैं। यह सीरम उन निष्क्रिय रोमों को फिर से सक्रिय करता है। वैज्ञानिकों ने चूहों पर सीरम का परीक्षण किया, जिसमें 20 दिनों के भीतर बालों की ग्रोथ देखी गई। यह सीरम बालों की जड़ों में ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाता है, जिससे पोषण बेहतर तरीके से पहुंचता है।

ट्रंप ने पेंटागन को करीब 33 साल बाद फिर से परमाणु परीक्षण शुरू करने का आदेश दिया

पेंटागन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पेंटागन को करीब 33 साल बाद फिर से परमाणु परीक्षण शुरु करने का आदेश दिया है। वहीं एशिया दौरे से वापसी के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस मामले में मीडिया से बातचीत भी की। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, लगता है कि ये सभी परमाणु परीक्षण कर रहे हैं। हमारे पास किसी से भी ज्यादा परमाणु हथियार हैं। हम परीक्षण नहीं करते, लेकिन जब दूसरे परीक्षण कर रहे हैं, तो लगता है कि हमारे लिए भी ऐसा करना उचित है। हालांकि, ट्रंप ने यह नहीं बताया कि अमेरिकी परमाणु परीक्षण कब और कहां होंगे, बस इतना कहा, हमारे पास परीक्षण स्थल हैं। इसकी घोषणा की जाएगी। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति से जब पूछा गया कि क्या उन्हें इस बात की चिंता है कि अमेरिका एक जोखिम भरे परमाणु वातावरण में प्रवेश कर रहा है, इस पर उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हमने इसे काफी अच्छी तरह से निपटाया है। ट्रंप ने कहा, मैं परमाणु निरस्त्रीकरण देखना चाहूंगा। हम इस बारे में रूस से बात कर रहे हैं और सब ठीक रहा तो चीन भी इसमें शामिल हो जाएगा। कांग्रेसनल रिसर्च सर्विस की अगस्त में आई एक रिपोर्ट में कहा गया था कि राष्ट्रपति के आदेश के बाद अमेरिका को परमाणु हथियार का परीक्षण करने में 24 से 36 महीने लगेंगे। हाल के वर्षों में केवल उत्तर कोरिया ने ही परमाणु परीक्षण किया हैं ।

माइक्रोवेव में खाना गर्म करने से कैंसर का कोई प्रमाण नहीं

वाशिंगटन, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)।

विश्व स्वास्थ्य संगठन और विभिन्न कैंसर रिसर्च संस्थानों के अनुसार, माइक्रोवेव में खाना गर्म करने से कैंसर का कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है। माइक्रोवेव रेडिएशन केवल खाने को गर्म करने के लिए होता है और यह खाने में रेडियोएक्टिविटी नहीं पैदा करता। लेकिन कुछ गलतियों से स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है। सबसे जरूरी है कि माइक्रोवेव में हमेशा माइक्रोवेव सेफ बर्तनों का इस्तेमाल किया जाए। गलत बर्तन, जैसे कुछ प्लास्टिक कंटेनर, गर्म होने पर हानिकारक केमिकल छोड़ सकते हैं। एल्यूमिनियम फॉयल या किसी भी तरह के धातु के बर्तन कभी माइक्रोवेव में न डालें। विशेष रूप से प्रेग्नेंट महिलाओं को प्लास्टिक बर्तनों से बचना चाहिए क्योंकि इनमें मौजूद केमिकल शरीर में जाकर स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर डाल सकते हैं। इसके बजाय कांच या सिरेमिक के बर्तन अधिक सुरक्षित माने जाते हैं। कई लोग मानते हैं कि माइक्रोवेव में खाना गर्म करने से पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं।

विशेषज्ञ बताते हैं कि पोषक तत्वों का नुकसान माइक्रोवेव में उतना ही होता है जितना स्टोव या उबालने में। सही तापमान और समय पर खाना गर्म करने से पोषण सुरक्षित रहता है। इसके अलावा, खाना ज्यादा देर तक माइक्रोवेव में गर्म करना न केवल स्वाद और पोषण को प्रभावित करता है, बल्कि बर्तन और ओवन को भी नुकसान पहुंचा सकता है। खाना गर्म करते समय ढक्कन को पूरी तरह बंद न करें; हल्का खुला रहने से भाप बाहर निकल जाती है और डब्बा फटने या ओवरफ्लो होने का खतरा कम होता है। ओवन की सफाई और समय-समय पर उसकी जांच करना भी जरूरी है। खराब माइक्रोवेव या गंदे ओवन में खाना गर्म करना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है।

संक्षेप में, माइक्रोवेव में खाना गर्म करना पूरी तरह सुरक्षित है, बशर्ते आप सही बर्तन का उपयोग करें, समय और तापमान का ध्यान रखें, और ओवन को साफ-सुथरा रखें। इन सरल सावधानियों के साथ आप माइक्रोवेव का फायदा उठा सकते हैं और स्वास्थ्य जोखिम से बच सकते हैं। बता दें कि समय में माइक्रोवेव हर घर की रसोई का अहम हिस्सा बन गया है। ऑफिस, घर या होटल हर जगह इसका इस्तेमाल बढ़ गया है। खासकर सर्दियों में, जब खाने को जल्दी और आसानी से गरम करने की जरूरत होती है, माइक्रोवेव बेहद काम आता है। हालांकि, कई लोगों में यह धारणा है कि माइक्रोवेव से निकलने वाला रेडिएशन खाने को रेडियोएक्टिव बना सकता है और इससे कैंसर जैसी गंभीर बीमारियां हो सकती हैं।

ध्वनि तरंगों का उपयोग कर पढ़ा जा सकेगा इंसानों के विचारों को

सैन फ्रांसिस्को। अब बिना किसी सर्जरी के काम करने वाला ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस (बीसीआई) विकसित किया जा रहा है । इस मर्ज लैब्स नामक नए स्टार्टअप का समर्थन ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन कर रहे हैं। इस तकनीक में ध्वनि तरंगों और चुंबकीय क्षेत्रों का उपयोग करके इंसानों के विचारों को पढ़ा और समझा जा सकेगा। यह कदम ऑल्टमैन को एलन मस्क की न्यूरालिंक कंपनी के मुकाबले खड़ा करता है, जहां मस्तिष्क में इलेक्ट्रोड लगाने के लिए ओपन-स्कल सर्जरी की आवश्यकता होती है। मर्ज लैब्स का तरीका अल्ट्रासाउंड और जेनेटिक इंजीनियरिंग पर आधारित है, जिससे मस्तिष्क और मशीन के बीच संवाद स्थापित करना सुरक्षित और आसान हो जाएगा। कैलटेक के प्रसिद्ध बायोमॉलिक्युलर इंजीनियर मिखाइल शापिरो इस टीम का हिस्सा हैं। शापिरो अल्ट्रासाउंड और न्यूरल इमेजिंग में अपनी रिसर्च के लिए जाने जाते हैं और उन्होंने जीन थेरेपी पर भी बड़े स्तर पर काम किया है, जिससे कोशिकाओं को ध्वनि तरंगों और विजिबल तरंगों के प्रति संवेदनशील बनाया जा सकता है। इसके अलावा, टूल्स फॉर ह्यूमैनिटी के सीईओ एलेक्स ब्लानिया भी इस प्रोजेक्ट में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। मर्ज लैब्स का लक्ष्य रीड-ओनली मॉडल तैयार करना है, जिसमें एआई केवल मानव विचारों की व्याख्या करेगा लेकिन उन्हें बदल नहीं सकेगा। ऑल्टमैन पहले ही सार्वजनिक रूप से कह चुके हैं कि वह अपने मस्तिष्क में कुछ भी नहीं लगवाएंगे और उनका मकसद केवल पढ़ने के लिए इस तकनीक का उपयोग करना है। शापिरो ने पहले पब्लिक लेक्चर्स में भविष्य का चित्रण किया है, जहां अल्ट्रासाउंड तरंगों और जीन इंजीनियरिंग की मदद से मस्तिष्क की गतिविधियों को रिकॉर्ड या उत्तेजित किया जा सकता है। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, मर्ज लैब्स 250 मिलियन डॉलर के फंडिंग राउंड की तैयारी कर रही है। ऑल्टमैन को को-फाउंडर के रूप में सूचीबद्ध किया जाएगा, हालांकि वह रोजमर्रा के काम में शामिल नहीं होंगे।

दुनिया के सबसे उम्रदराज राष्ट्राध्यक्ष बने पॉल बिया, कैमरुन की आठवीं बार संभालेंगे कमान

कैमरुन, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)।

आपको जानकार हैरानी होगी कि दुनिया के सबसे उम्रदराज राष्ट्राध्यक्ष पॉल बिया ने फिर कैमरून के राष्ट्रपति चुनाव में धमाकेदार जीत दर्ज करके पूरी दुनिया को चौंका दिया है। चुनाव परिणामों की आधिकारिक घोषणा के बाद उन्हें देश का विजेता और निर्वाचित राष्ट्रपति घोषित किया गया। इस जीत के बाद पॉल बिया अपना आठवां कार्यकाल शुरू करने जा रहे हैं। अनुमान है कि मौजूदा कार्यकाल पूरा होने तक उनकी उम्र 100 वर्ष के करीब होगी।

रिपोर्ट के मुताबिक बिया को 53.66 फीसदी वोट मिले हैं, जबकि उनके पूर्व सहयोगी रहे विरोधी नेता तचिरोमा बेकरी को 35.19 प्रतिशत वोट मिले हैं। बिया वर्ष 1982 से कैमरून की सत्ता में हैं और अब तक वे अफ्रीका के सबसे लंबे समय तक शासन करने वाले नेताओं में से एक बन चुके है। उनकी यह ऐतिहासिक जीत फिर से दुनिया का ध्यान उनकी उम्र और नेतृत्व क्षमता की ओर आकर्षित किया है। आखिर कोई नेता 100 साल की उम्र के करीब होते हुए भी देश का नेतृत्व करेगा। यह अपने आप में एक अनोखी बात हो सकती है।

कैमरून में हुए राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों ने फिर इतिहास रच दिया है। 92 वर्षीय पॉल बिया, जो 1982 से लगातार सत्ता में बने हैं उन्होंने फिर से राष्ट्रपति का चुनाव जीता है। पॉल बिया बीते 43 वर्षों से देश की बागडोर संभाले हुए हैं और उन्हें एक और कार्यकाल मिल गया है। पॉल बिया ने वर्ष 2008 में संविधान संशोधन के जरिए राष्ट्रपति पद की कार्यकाल सीमा समाप्त कर दी थी। इसकारण अब उन्हें अनिश्चितकाल तक चुनाव लड़ने का अधिकार मिल गया। तब से लेकर अब तक उन्होंने हर चुनाव में जीत हासिल की है और सत्ता पर अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखी है।

विरोधी खेमा वोटों की गिनती में धांधली का आरोप लगा रहा है। 12 अक्टूबर को हुए चुनाव के दो दिन बाद ही तचिरोमा ने जीत का दावा किया था। उन्होंने वोटों की एक टैली दिखाकर कहा था कि उन्हें 54.8 प्रतिशत वोट मिले थे, जबकि पॉल बिया को 31.3 प्रतिशत वोट मिले थे।

नेपाल में लगातार बारिश और भूस्खलन के कारण 10 राजमार्गों पर आवाजाही ठप

काठमांडू। नेपाल में पिछले दो दिनों से लगातार हो रही भारी वर्षा के कारण देशभर में दस प्रमुख राजमार्ग पूरी तरह से अवरुद्ध हो गए हैं। ईलाम में मेची राजमार्ग पर रात के समय वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, जिससे यातायात पूरी तरह से ठप हो गया है। यह जानकारी ईलाम पुलिस प्रमुख एसपी एक नारायण कोईराला ने दी। इसी प्रकार, संखुवासभा के भोटखोला क्षेत्र में कोशी राजमार्ग पूरी तरह से बंद है। पाँचथर में तामोर कॉरिडोर सड़क भी लगातार वर्षा के कारण पूरी तरह अवरुद्ध हो गई है। गृह मंत्रालय की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक ओखलढुंगा जिले में सिद्धिचरण राजमार्ग बंद पड़ा है। बागमती प्रदेश में काभ्रे स्थित बीपी राजमार्ग, रसुवा में पासाङ ल्हामु राजमार्ग और नेपाल-चीन को जोड़ने वाली सड़क तथा सिन्धुली में मध्य-पहाड़ी राजमार्ग भूस्खलन और बाढ़ के कारण अवरुद्ध हो गए हैं। गण्डकी प्रदेश में मुस्तांग का जोमसोम-कोरला सड़क मार्ग और म्याग्दी का बेनी-दारबाङ सड़क भी पूरी तरह बंद हैं।

जेन जी विद्रोह के बाद एक हजार से अधिक पुलिस वालों ने नौकरी से दिया इस्तीफा

काठमांडू, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)।

नेपाल में जेन जी विद्रोह के बाद पुलिस के अधिकारियों और जवानों के सुरक्षा बल से इस्तीफा देने वालों की संख्या में अचानक ही बढ़ोतरी देखी गई है। नेपाल पुलिस और सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) से पिछले दो महीनों के भीतर लगभग एक हजार सुरक्षाकर्मियों ने इस्तीफा दे दिया है। नेपाल पुलिस के करीब 450 और एपीएफ के लगभग 550 अधिकारियों और जवानों ने इस्तीफा दिया है। इस्तीफा देने वालों में कुछ ने 20 वर्षों की सेवा पूरी की है तो कुछ ने मात्र 5 वर्षों तक ही सेवा की थी। सुरक्षा निकाय के अधिकारियों का कहना है कि जेन-जी प्रदर्शन के बाद इस्तीफा देने वालों की संख्या काफी बढ़ी है। 8 सितंबर को किए गए जेन जी प्रदर्शन के दौरान पुलिस द्वारा गोली चलाए जाने से 22 युवा/विद्यार्थियों की मौत हो गई थी, जिसके अगले दिन देशभर में हिंसात्मक प्रदर्शन फैल गया। इस दौरान सुरक्षा निकाय के कार्यालय और बैरक प्रदर्शनकारियों के निशाने पर थे। उसी दिन नेपाल पुलिस के 1,200 से अधिक हथियार लूट लिए गए थे और करीब 1 लाख राउंड गोलियों का रिकॉर्ड नहीं मिला है। 9 सितंबर को प्रदर्शनकारियों की पिटाई से 3 पुलिसकर्मियों की मौत हुई थी। काठमांडू के बानेश्वर वृत्त में तैनात एक पुलिसकर्मी को प्रदर्शनकारियों ने वर्दी उतरवा कर दौड़ाया था।

नेपाल पुलिस के प्रवक्ता डीआईजी विनोद घिमिरे के अनुसार, घरेलू और व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए रोजाना पुलिसकर्मियों द्वारा इस्तीफे आ रहे हैं। इस्तीफा देने वालों में ज्यादातर निचले स्तर के कर्मचारी शामिल हैं।

घिमिरे ने बताया कि जेन-जी आंदोलन के बाद की स्थिति ने भी सुरक्षाकर्मियों का मनोबल गिराया है और यह इस्तीफों का एक प्रमुख कारण बन रहा है। इसके अलावा, वैकल्पिक रोजगार की तलाश, पारिवारिक स्थिति और विदेश में नौकरी जैसे कारणों से भी इस्तीफों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान मान गए युद्धविराम जारी रखने पर

अंकारा (तुर्किये), 31 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान ने युद्धविराम जारी रखने पर सहमति जताई। दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों के बीच इस्तांबुल में पिछले शनिवार को शुरू दूसरे दौर की वार्ता के विफल होने बाद मध्यस्थ देश कतर और तुर्किये ने प्रयास जारी रखे। मध्यस्थ देशों की कल (गुरुवार) आखिरी कोशिश के बाद दोनों पक्ष बातचीत की मेज पर आए। तुर्किये के विदेश मंत्रालय ने एक्स हैंडल पर संयुक्त बयान जारी कर पाकिस्तान और अफगानिस्तान के युद्धविराम जारी रखने पर सहमति जताने की जानकारी दी।

पाकिस्तान के अखबार डान की रिपोर्ट के अनुसार, इस नए दौर की वार्ता के मेजबान तुर्किये के विदेश मंत्रालय ने संयुक्त बयान जारी किया। इसमें कहा गया है कि अब छह नवंबर को इस्तांबुल में फिर अहम बैठक होगी। बैठक में युद्धविराम के कार्यान्वयन के आगे के तौर-तरीकों पर चर्चा और निर्णय लिया जाएगा। बयान के अनुसार, तब तक दोनों देश शांति बनाए रखने और युद्धविराम का उल्लंघन करने वाले पक्ष पर जुर्माना लगाने के लिए एक निगरानी और सत्यापन तंत्र स्थापित करने पर भी सहमत हुए।

बयान में कहा गया कि मध्यस्थ के रूप में तुर्किये और कतर ने दोनों पक्षों के सक्रिय योगदान के लिए अपनी सराहना व्यक्त की और दोनों देश स्थायी शांति और स्थिरता के लिए दोनों पक्षों के साथ अपना सहयोग जारी रखेंगे। सनद रहे तुर्किये और कतर के पाकिस्तान के साथ गहरे संबंध हैं। कतर अफगान तालिबान और नाटो बलों के बीच वार्ता में प्रमुख भूमिका निभा चुका है।

उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के प्रतिनिधिमंडलों के बीच पिछले शनिवार को इस्तांबुल में दूसरे दौर की बातचीत शुरू हुई थी। इस्लामाबाद, काबुल से होने वाले आतंकवादी हमलों को मुद्दा बनाए रहा। काबुल बार-बार और जोर देकर इसे मानने से इनकार करता रहा। इस वजह से वार्ता में गतिरोध हुआ। चार दिन चली इस वार्ता के बाद पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ सामने आए और उन्होंने काबुल को कड़ी चेतावनी दी। दोनों देशों के बीच 11 अक्टूबर को हुए संघर्ष के बाद लड़ाई छिड़ गई। आखिर में दोनों पक्ष दोहा में बातचीत के लिए एक साथ आए। परिणामस्वरूप एक अस्थायी युद्धविराम हुआ। इस दौरान दोनों देशों के बीच स्थायी शांति और स्थिरता के लिए तंत्र पर काम करने के संबंध में इस्तांबुल में फिर से मिलने का वादा हुआ। पिछले हफ्ते तुर्किये और कतर की मध्यस्थता में दोनों पक्षों के बीच दूसरे दौर की वार्ता इस्तांबुल में शुरू हुई।

पेरिस मास्टर्स 2025 : जैनिक सिनर क्वार्टरफाइनल में पहुँचे, नंबर-1 रैंकिंग की दौड़ बरकरार

पेरिस,31 अक्टूबर (एजेंसियां)।

इटली के स्टार टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने गुरुवार को फ्रांसिस्को सेरुंदोलो को 7-5, 6-1 से हराकर पेरिस मास्टर्स के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। इस जीत के साथ सिनर ने अपनी इनडोर कोर्ट पर लगातार 23वीं जीत दर्ज की और दुनिया की नंबर-1 रैंकिंग पर दोबारा कब्ज़ा करने की उम्मीदों को जिंदा रखा। चार बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन सिनर को शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए यह टूर्नामेंट जीतना होगा। क्वार्टरफाइनल में उनका मुकाबला अमेरिका के बेन शेल्टन से होगा।

शेल्टन, जो पांचवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हैं, ने 12वीं वरीयता प्राप्त आंद्रे रूबलेव को 7-6(6), 6-3 से हराकर ट्यूरिन (इटली) में होने वाले सीज़न-एंडिंग एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई कर लिया है। सिनर इस सीज़न का पाँचवाँ और करियर का 23वाँ खिताब जीतने की दौड़ में हैं। उन्होंने पिछले हफ्ते विएना में एटीपी 500 खिताब जीता था, भले ही फाइनल के दौरान उन्हें ऐंठन की परेशानी हुई थी। सिनर ने कहा, उम्मीद है मैं शारीरिक रूप से पूरी तरह रिकवर कर लूंगा, यही मेरी प्राथमिकता है। मैच शानदार रहा। सिनर का शेल्टन के खिलाफ अब तक का रिकॉर्ड 6-1 है। इस बीच, डिफेंडिंग चैंपियन अलेक्जेंडर ज़्वेरेव ने 15वीं वरीयता प्राप्त अलेजांद्रो डेविडोविच फोकीना को 6-2, 6-4 से हराया। तीसरी वरीयता प्राप्त जर्मन खिलाड़ी ने एक ऐस के साथ मैच खत्म किया और अब उनका सामना 11वीं वरीयता प्राप्त डेनियल मेदवेदेव से होगा — जो 2020 के चैंपियन हैं। दोनों खिलाड़ियों के बीच यह 22वां मुकाबला होगा। अब तक मेदवेदेव 14-7 से आगे हैं और उन्होंने पिछले पांच मैचों में ज़्वेरेव को हराया है। वहीं, 40वीं रैंकिंग वाले वैलेन्टिन वाशेरो (मोनाको) का शानदार प्रदर्शन जारी है। उन्होंने ब्रिटेन के कैमरन नॉरी को 7-6(4), 6-4 से हराकर लगातार दूसरा मास्टर्स क्वार्टरफाइनल खेलना तय किया। इस महीने उन्होंने शंघाई मास्टर्स में क्वालिफायर से शुरुआत कर खिताब जीता था — वह भी विश्व नंबर-240 रैंक से! वाशेरो ने उस टूर्नामेंट में नोवाक जोकोविच को सेमीफाइनल में और अपने चचेरे भाई आर्थर रिंदरनेक को फाइनल में हराया था।

न्यूज़ ब्रीफ

सैमसन को शामिल करने का कोई इरादा नहीं : सीएसके

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल 2026 के लिए नीलामी इस साल के अंत में होने वाली है। वहीं इसी को लेकर विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन के राजस्थान रॉयल्स छोड़कर चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) जाने पर चर्चाएं चल रहीं थी हालांकि अब सीएसके ने कहा है कि उसकी सैमसन से कोई बात नहीं चल रही है ओर न ही वह उन्हें शामिल करने जा रही है। सैमसन का रॉयल्स से एक दशक से अधिक का संबंध है। साल 2013 में जब उन्हें कोलकाता नाइटराइडर्स ने रिलीज किया था। उसके बाद से ही वह रॉयल्स से जुड़ गये थे। सैमसन ने रॉयल्स से 149 पारियों में 26 अर्द्धशतक और दो शतकों के साथ 4,219 रन बनाए हैं। स्टीव स्मिथ को कप्तानी से हटाने के बाद से ही यानी साल 2021 से वह टीम की कपतानी करते आये हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार सैमसन ने आईपीएल 2025 समाप्त होते ही राजस्थान टीम प्रबंधन को बता दिया था कि वह फ्रैंचाइजी छोड़ना चाहते हैं। सैमसन ने कहा था कि या तो उन्हें रिलीज कर दिया जाए या फिर ट्रेड कर दिया जाए। ये भी कहा गया कि अब उनके फ्रैंचाइजी से संबंध पहले जैसे नहीं रहे हैं हालांकि दोनो के बीच साल 2027 तक का करार है। ऐसे में रॉयल्स नहीं चाहे तो सैमसन का टीम में बने रहना होगा।

क्रिस्टियन क्लार्क को पहली बार न्यूजीलैंड वनडे टीम में मौका, चोटिल हेनरी हुए टीम से बाहर

वेलिंगटन। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम वनडे से पहले न्यूजीलैंड टीम में बदलाव किया गया है। नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स के ऑलराउंडर क्रिस्टियन क्लार्क को पहली बार वनडे टीम में शामिल किया गया है। वह चोटिल मैट हेनरी की जगह लेंगे, जो बाएं पिंडली में खिंचाव के कारण सीरीज़ से बाहर हो गए हैं। मैट हेनरी को हेमिल्टन में खेले गए दूसरे वनडे के दौरान यह चोट लगी थी। वे अब शुक्रवार (31 अक्टूबर) को क्राइस्टचर्च लौटेंगे। 24 वर्षीय क्लार्क ने हाल ही में घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने फोर्ड ट्रॉफी में नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स की ओर से खेलते हुए अपना पहला लिस्ट ए शतक जड़ा और गेंदबाजी में 3 विकेट लेकर 57 रन दिए, जिससे उनकी टीम ने सेंट्रल स्टैग्स को हराया। क्लार्क 2020 अंडर-19 विश्व कप में न्यूजीलैंड टीम का हिस्सा रहे थे, जहां उन्होंने अपने ऑलराउंड कौशल से प्रभावित किया था। साल 2022 से वह नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स के लिए सभी प्रारूपों में खेल रहे हैं और इस वर्ष की शुरुआत में न्यूजीलैंड ए टीम के साथ बांग्लादेश दौरे पर भी गए थे।

2027 विश्वकप खेलना चाहते हैं शार्दुल

मुम्बई। पिछले काफी समय से टीम से बाहर चल रहे ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर भी साल 2027 विश्वकप खेलना चाहते हैं। शार्दुल के अनुसार वह तेज गेंदबाजी के साथ-साथ नंबर-8 पर बल्लेबाजी भी कर सकते हैं। इसलिए उन्हें टीम में जगह मिलनी चाहिये। इस ऑलराउंडर ने अक्टूबर 2023 के बाद से ही सीमित ओवरों का कोई मैच नहीं खेला है। जिससे उनकी दावेदारी कमजोर मानी जा रही है। रणजी ट्रॉफी खेल रहे शार्दुल ने कहा, मेरे लिए टीम में वापसी के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहना बहुत जरूरी है। टी20 विश्वकप दक्षिण अफ्रीका में होने वाला है, इसलिए वहां नंबर आठ पर गेंदबाजी ऑलराउंडर के तौर पर मैं जगब हासिल करना चाहता हूं। शार्दुल की राह हालांकि आसान नहीं है क्योंकि अभी टीम के पास पहले से ही दो ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी और हर्षित राणा हैं। हर्षित को नंबर-8 पर बल्लेबाजी के लिए उतारा गया था जिससे साफ है कि कि उन्हें इस क्रम पर आजमाया जा रहा है। वहीं नितीश भी एक अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं। वहीं शार्दुल ने कहा कि वह हमेशा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए तैयार रहते हैं। उन्होंने कहा कि जब भी उन्हें अवसर मिलेगा वह खेलने के लिए तैयार हैं।

टी20 मैच में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 4 विकेट से हराया

मेलबर्न,31 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला मेलबर्न में खेला गया। इस मुकाबले को ऑस्ट्रेलियाई टीम ने बड़ी आसानी के साथ जीत लिया। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने इस सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। सीरीज का पहला मैच रद्द होने के कारण इस मैच में दोनों ही टीमों के लिए बढ़त हासिल करने का अच्छा मौका था, लेकिन टीम इंडिया इस मौका का इस्तेमाल नहीं कर सकी। अब भारत को अगर यह सीरीज जीतनी है तो उन्हें आने वाले तीनों मुकाबलों को जीतना होगा।

17 साल का विजयरथ रुका

भारतीय क्रिकेट टीम ने इस मुकाबले से पहले मेलबर्न के एतिहासिक चउऋ में कुल 6 टी20 मुकाबले खेले थे। जिसमें टीम इंडिया को 4 मैचों में जीत मिली थी। वहीं सिर्फ एक मैच टीम इंडिया इस वेन्यू पर हारी थी। यह हार साल 2008 में आई थी। इसके बाद से भारतीय टीम एक भी मैच नहीं हारी और सभी मुकाबले को जीती, लेकिन 17 सालों के बाद भारतीय टीम का विजय रथ अब रुक गया है।

कैसा रहा मैच का हाल

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले गए इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान मिचेल मार्श ने टॉस जीता और भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी करने का न्योता दिया। टीम इंडिया ने इस दौरान निराशाजनक प्रदर्शन किया। टीम इंडिया इस मैच में 18.4 ओवर में 125 रन के स्कोर पर ऑलआउट हो गई। इसके बाद रन चेज में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने काफी तेजी से रन बनाए और सिर्फ 13.2 ओवर में 6 विकेट खोकर 126 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। टीम इंडिया को इस मैच में 4 विकेट से हार का सामना करना पड़ा।

टीम इंडिया की बैटिंग ऑर्डर में लगातार छेड़छाड़ कर रहे गंभीर

टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर लगातार भारतीय टीम की बैटिंग ऑर्डर में छेड़छाड़ कर रहे हैं। इस मुकाबले में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला। एशिया कप में जब टीम इंडिया अच्छा प्रदर्शन करके आ रही थी, फिर भी ऑस्ट्रेलिया में बैटिंग ऑर्डर को छेड़ा गया। हर्षित राणा को प्लेइंग 11 में फिट करने के लिए शिवम दुबे को नीचे बल्लेबाजी करने के लिए भेजा जा रहा है। संजू सैमसन को 5वें नंबर से तीसरे नंबर पर प्रोमोट कर दिया गया। जिसके कारण टीम इंडिया की बल्लेबाजी इस मैच में कमजोर नजर आई।

सिंधु अब अगले सत्र में ही नजर आयेंगी

नई दिल्ली,31 अक्टूबर (एजेंसियां)।

महिला बैडमिंटन स्टार पी. वी. सिंधु अब इस सत्र में नजर नहीं आयेंगी। सिंधु अब साल 2026 सत्र से ही वापसी करेंगी। सिंधु ने फिट नहीं होने के कारण बीडब्ल्यूएफ टूर के शेष सभी मुकाबलों से अपना नाम वापस ले लिया है। सिंधु ने कहा कि उन्होंने यह फैसला सहयोगी स्टाफ और खेल चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. दिनशॉ पारडीवाला से बात करने के बाद लिया है।

सिंधु ने कहा, अपनी टीम और डॉ. पारडीवाला की सलाह के बाद उसने साल 2025 सत्र के बाकी टूर्नामेंट से हटना ही सबसे बेहतर समझा है। इसका कारण है कि उनकी पैर की चोट अभी पूरी तरह ठीक नहीं हुई है। इस खिलाड़ी के अनुनार नाम वापस लेना फैसला नहीं था पर इसके अलावा उनके पास कोई विकल्प नहीं था। साथ ही कहा कि चोटें हर खिलाड़ी के खेल सफर का हिस्सा होती हैं। ये हमारे धैर्य और जज़्बे की भी परीक्षा लेती हैं।

उन्होंने कहा कि वह अभी डॉक्टारें की टीम के सहायोग से रिकवरी और अभ्यास पर ध्यान दे रही हैं सिंधु ने कहा, मेरी टीम का मुझपरा काफी भारोसा है जिससे भी मेरा उत्साह हर दिन और बढ़ता है। मैं उनकी आभारी हूं और पहले से कहीं ज्यादा प्रेरित और बेहतर महसूस कर रही हूं। सिंधु ने अपने प्रशंसकों और समर्थकों को धन्यवाद देते हुए कहा कि वह जनवरी 2026 में कोर्ट पर वापसी करेंगी। उन्होंने सोशल मीडिया में लिखा, आप सबके प्यार और समर्थन के लिए दिल से धन्यवाद। यह सफर यहीं समाप्तनहीं होता,जल्द ही एक नई शुरुआत होगी। गौरतलब है कि पिछले साल पेरिस ओलंपिक में शुरुआती दौर में बाहर होने के बाद से ही सिंधु के लिए इस साल का सत्र अच्छा नहीं रहा है रहा। वह चाइना मास्टर्स सुपर 750, इंडिया ओपन सुपर 750 और विश्व चैंपियनशिप में क्वार्टर फाइनल के बाहर हो गयीं थीं।

विस्कोनिया में गोल्डन स्टेट वैरियर्स और मिलवाकी बक्स के खिलाड़ी

विस्कोनिया में गोल्डन स्टेट वैरियर्स और मिलवाकी बक्स के खिलाड़ी चौथे क्वार्टर में खेलते हुए।

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पूर्व भारतीय हॉकी खिलाड़ी मैनुअल फ्रेडरिक का निधन

नई दिल्ली,31 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केरल के पहले ओलंपिक पदक विजेता मैनुअल फ्रेडरिक का शुक्रवार को बेंगलुरु के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। वे 78 वर्ष के थे। फ्रेडरिक भारतीय हॉकी टीम के गोलकीपर थे, जब भारत ने 1972 के म्यूनिख ओलंपिक में नीदरलैंड्स को हराकर कांस्य पदक जीता था।

वे 1978 में अर्जेंटीना में हुए हॉकी विश्व कप में भी भारतीय टीम के गोलकीपर रहे। कन्नूर जिले के बनास्सेरी के निवासी फ्रेडरिक को खेलों में उनके योगदान के लिए वर्ष 2019 में ध्यानचंद पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्होंने राष्ट्रीय चैंपियनशिप के 16 फाइनल्स में टाई-ब्रेक में सफलतापूर्वक रक्षा करने का रिकॉर्ड बनाया था। स्कूल के दिनों में उन्होंने अपनी खेल यात्रा की शुरुआत बीईएम स्कूल, कन्नूर में एक फुटबॉल स्ट्राइकर के रूप में की थी। बाद में सेंट माइकल्स स्कूल में पढ़ाई के दौरान उन्होंने हॉकी में गोलकीपर की भूमिका निभानी शुरू की। केवल 17 वर्ष की आयु में उन्होंने मुंबई हॉकी एसोसिएशन द्वारा आयोजित बॉम्बे गोल्ड कप में हिस्सा लिया। जल्द ही वे राष्ट्रीय टीम में चुने गए और 1971 में उन्होंने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेला। उनके परिवार में दो बेटियां - फ्रेशिना प्रवीण और फेनीला टिनू थॉमस - हैं। मैनुअल फ्रेडरिक के निधन से भारतीय खेल जगत ने एक सच्चे समर्पित खिलाड़ी को खो दिया है। हॉकी समुदाय और उनके प्रशंसक उन्हें हमेशा उनकी खेल भावना, समर्पण और देश के लिए किए गए योगदान के लिए याद रखेंगे।

जब राहुल से नाराज हो गये थे द्रविड़

नई दिल्ली,30 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बल्लेबाज केएल राहुल ऑस्ट्रेलिया दौरे से वापसी के बाद अब ब्रेक पर हैं। इस बीच राहुल ने साल 2023 एशिया कप की एक मजेदार घटना का खुलासा किया है। राहुल ने कहा कि वह 2023 एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ शतक लगाने के बाद अलग ही अंदाज में जश्न मना रहे थे और इस कारण तब मुख्य कोच रहे राहुल द्रविड़ उनपर भड़क गये थे। राहुल ने कहा कि उस मुकाबले में शतक लगाने के बाद उन्होंने स्टैच्यू पोज़ में खड़े होकर ड्रेसिंग रूम की तरफ पीठ की थी। तब द्रविड़ ने उन्हें फटकार दिया और कहा कि इससे तेरा नहीं मेरा स्टैच्यू बन जाएगा।

उस मुकाबले में राहुल ने 111 रन की नाबाद पारी खेली, जबकि विराट कोहली ने 122 रन बनाए। दोनों ने मिलकर तीसरे विकेट के लिए 233 रन की नाबाद साझेदारी की, जिससे भारत ने पाकिस्तान को 228 रनों से हराया था।

राहुल ने कहा कि उस पारी से उन्हें फिर से बड़ पारी खेलने का आत्मविश्वास मिला था। उन्होंने कहा, चार महीने तक मैं अपने से कहता रहा कि मैं सबसे अच्छा खिलाड़ी बनूंगा। यह मैच उसी मेहनत का परिणाम था। अब राहुल नवंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसयी सीरीज में खेलेंगे।

जूनियर एशिया कप हॉकी : पाक की जगह ओमान शामिल

लुसाने। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने कहा है कि पाकिस्तान के हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2025 में भाग लेने से इंकार करने के बाद अब उसकी जगह ओमान को शामिल किया गया है। इससे पहले पाक हॉकी महासंघ ने एफआईएच को इस टूर्नामेंट में भाग नहीं लेने की जानकारी दी थी। उसका कहना था कि अभी इसके लिए हालात ठीक नहीं हैं। पाक ने पिछले साल जूनियर एशिया कप में क्वालीफाई किया था पर उसके हटने के बाद ओमान को इस टूर्नामेंट में शामिल किया गया है।जूनियर एशिया कप 28 नवंबर से 10 दिसंबर 2025 तक चेन्नई और मदुरै में खेला जाएगा। ओमान को जूनियर एशिया कप 2024 में दूसरी शीर्ष वरीयता वाली टीम होने के कारण इस टूर्नामेंट में शामिल नहीं किया गया है। इस बार जूनियर हॉकी विश्व कप के पुरुष और महिला दोनों वर्गों में 24-24 टीमें शामिल होंगी। एफआईएच ने ये कदम विश्व स्तर पर वैश्विक स्तर पर हॉकी की पहुंच बढ़ाने के लिए उठाया है।

आरएनआईटी एआई सॉल्यूशंस लिमिटेड स्टॉक मार्केट में सूचीबद्ध होने वाली भारत की पहली एआई संचालित गवर्नेंस कंपनी बनी

मुंबई, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-संचालित शासन और उद्यम परिवर्तन में अग्रणी, आरएनआईटी एआई सॉल्यूशंस लिमिटेड ने आज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में अपनी सफल लिस्टिंग के साथ एक ऐतिहासिक मील का पत्थर चिह्नित किया। कंपनी के आधिकारिक पदार्पण का संकेत देते हुए, एमडी और सीईओ राजा श्रीनिवास नंदिगाम ने औपचारिक घंटी बजाई। कंपनी बीएसई में आरएनआईटीएआई और एनएसई में आरएनआईटी एआई प्रतीकों के तहत कारोबार करेगी।

समारोह में बोलते हुए राजा श्रीनिवास नंदिगाम ने कहा, हमारी आज की सार्वजनिक लिस्टिंग सिर्फ एक वित्तीय मील का पत्थर नहीं है-यह एक मिशन का मील का पत्थर है। आरएनआईटी में, हम मानते हैं कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को भारत में शासन और उद्यम परिवर्तन की रीढ़ बनना चाहिए।

यह लिस्टिंग हमें जवाबदेह एआई के अपने दृष्टिकोण को बढ़ाने के लिए सशक्त बनाती है-वह एआई जो लोगों की सेवा करता है, उन्हें बदलता नहीं है-जिसे हम शासन, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और खाद्य पारिस्थितिकी में लागू कर रहे हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से शासन को बदलने के मिशन के साथ स्थापित, आरएनआईटी एआई सॉल्यूशंस लिमिटेड कई राज्य सरकारों और उद्यमों के लिए एक विश्वसनीय नवाचार भागीदार के रूप में उभरा है। 2019 में अपनी स्थापना के बाद से, कंपनी ने एआई संचालित चेहरे की पहचान और लाभार्थी ट्रैकिंग सिस्टम को लागू किया है, जिसने सामूहिक रूप से 300 से अधिक विभागों में 3 बिलियन से अधिक पहचान सत्यापन को संभाला है, जिससे यह एआई केंद्रित पहचान और प्रबंधन प्रणालियों का भारत का सबसे बड़ा एसएएएस प्रदाता बन गया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

ताजमहल का...

शिवलिंग पर जल सिंचन करने वाला सुवर्ण कलश इसी जंजीर पर टंगा रहता था। उसे निकालकर जब शाहजहां के खजाने में जमा करा दिया गया तो वह जंजीर लटकी रह गई। उस पर लॉर्ड कर्जन ने एक दीप लटकवा दिया, जो आज भी है।

कब्रगाह को महल क्यों कहा गया? मकबरे को महल क्यों कहा गया? क्या किसी ने इस पर कभी सोचा, क्योंकि पहले से ही निर्मित एक महल को कब्रगाह में बदल दिया गया। कब्रगाह में बदलते वक्त उसका नाम नहीं बदला गया। यहीं पर शाहजहां से गलती हो गई। उस काल के किसी भी सरकारी या शाही दस्तावेज एवं अखबार आदि में ताजमहल शब्द का उल्लेख नहीं आया है। ताजमहल को ताज-ए-महल समझना हास्यास्पद है। इतिहासकार पुरुषोत्तम लिखते हैं कि महल शब्द मुस्लिम शब्द नहीं है। अरब, ईरान, अफगानिस्तान आदि जगह पर एक भी ऐसी मस्जिद या कब्र नहीं है जिसके बाद महल लगाया गया हो। यह भी गलत है कि मुमताज के कारण इसका नाम मुमताज महल पड़ा, क्योंकि उनकी बेगम का नाम मुमता-उल-जमानी था। यदि मुमताज के नाम पर इसका नाम रखा होता तो ताजमहल के आगे से मुम को हटा देने का कोई औचित्य नजर नहीं आता।

विंसेंट स्मिथ अपनी पुस्तक अकबर द ग्रेट मुगल में लिखते हैं, बाबर ने सन् 1630 में आगरा के वाटिका वाले महल में अपने उपद्रवी जीवन से मुक्ति पाई। वाटिका वाला वह महल यही ताजमहल था। यह इतना विशाल और भव्य था कि इसके जितना दूसरा कोई भारत में महल नहीं था। बाबर की पुत्री गुलबदन ने हुमायूंनामा नामक अपने ऐतिहासिक वृत्तांत में ताज का संदर्भ रहस्य महल के नाम से किया है।

प्राप्त सबूतों के आधार पर पता चलता है कि ताजमहल का निर्माण राजा परमर्दिदेव के शासनकाल में 1155 अश्विन शुक्ल पंचमी, रविवार को हुआ था। जिसे बाद में मुहम्मद गौरी सहित कई मुस्लिम आक्रांताओं ने ताजमहल के द्वार आदि को तोड़कर उसको लूटा। यह महल आज के ताजमहल से कई गुना ज्यादा बड़ा था और इसके तीन गुम्बद हुआ करते थे। हिंदुओं ने उसे फिर से मरम्मत करके बनवाया, लेकिन वे ज्यादा समय तक इस महल की रक्षा नहीं कर सके। पुरुषोत्तम नागेश ओक ने ताजमहल पर शोधकार्य करके बताया कि ताजमहल को पहले तेजो महालय कहते थे। वर्तमान ताजमहल पर ऐसे 700 चिन्ह खोजे गए हैं जो इस बात को दर्शाते हैं कि इसका पुनर्निर्माण किया गया है। इसकी मीनारें बहुत बाद के काल में निर्मित की गईं। वास्तुकला के विश्वकर्मा वास्तुशास्त्र नामक प्रसिद्ध ग्रंथ में शिवलिंगों में तेज-लिंग का वर्णन आता है। ताजमहल में तेज-लिंग प्रतिष्ठित था इसीलिए उसका नाम तेजोमहालय पड़ा था।

आगरा को प्राचीनकाल में अंगिरा कहते थे, क्योंकि यह ऋषि अंगिरा की तपोभूमि थी। अंगिरा ऋषि भगवान शिव के उपासक थे। बहुत प्राचीन काल से ही आगरा में 5 शिव मंदिर बने थे। यहां के निवासी सदियों से इन 5 शिव मंदिरों में जाकर दर्शन व पूजन करते थे। लेकिन अब कुछ सदियों से बालकेश्वर, पृथ्वीनाथ, मनकामेश्वर और राजराजेश्वर नामक केवल 4 ही शिव मंदिर शेष हैं। 5वें शिव मंदिर को सदियों पूर्व कब्र में बदल दिया गया। स्पष्टतः वह 5वां शिव मंदिर आगरा के इष्टदेव नागराज अग्रेश्वर महादेव नागनाथेश्वर ही हैं, जो कि तेजोमहालय मंदिर उर्फ ताजमहल में प्रतिष्ठित थे।

शाहजहां ने तेजोमहल में जो तोड़फोड़ और हेराफेरी की, उसका एक सूत्र सन् 1874 में प्रकाशित पुरातत्व खाते (आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया) के वार्षिक वृत्त के चौथे खंड में पृष्ठ 216 से 17 पर अंकित है। उसमें लिखा है कि हाल में आगरा के वास्तु संग्रहालय के आंगन में जो चौखूटा काले बसस्ट का प्रस्तर स्तंभ खड़ा है वह स्तंभ तथा उसी की जोड़ी का दूसरा स्तंभ उसके शिखर तथा चबूतरे सहित कभी ताजमहल के उद्यान में प्रस्थापित थे। इससे स्पष्ट है कि लखनऊ के वास्तु संग्रहालय में जो शिलालेख है वह भी काले पत्थर का होने से ताजमहल के उद्यान मंडप में प्रदर्शित रहा होगा। हिंदू मंदिर प्रायः नदी या समुद्र तट पर बनाए जाते हैं। ताज भी यमुना नदी के तट पर बना है, जो कि शिव मंदिर के लिए एक उपयुक्त स्थान है। शिव मंदिर में एक मंजिल के ऊपर एक और मंजिल में दो शिवलिंग स्थापित करने का हिंदुओं में रिवाज था, जैसा कि उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर और सोमनाथ मंदिर में देखा जा सकता है।

ताजमहल में एक कब्र तहखाने में और एक कब्र उसके ऊपर की मंजिल के कक्ष में है तथा दोनों ही कब्रों को मुमताज का बताया जाता है। जिन संगमरमर के पत्थरों पर कुरान की आयतें लिखी हुई हैं उनके रंग में पीलापन है जबकि शेष पत्थर ऊंची गुणवत्ता वाले शुभ्र रंग के हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि कुरान की आयतों वाले पत्थर बाद में लगाए गए हैं। ताज के दक्षिण में एक प्राचीन पशुशाला है। वहां पर तेजोमहालय की पालतू गायों को बांधा जाता था। मुस्लिम कब्र में गाय कोठा होना एक असंगत बात है। ताजमहल में चारों ओर चार एक समान प्रवेशद्वार हैं, जो कि हिंदू भवन निर्माण का एक विलक्षण तरीका है जिसे कि चतुर्मुखी भवन कहा जाता है। ताजमहल में ध्वनि को गुंजाने वाला गुम्बद है। हिंदू मंदिरों के लिए गूंज उत्पन्न करने वाले गुम्बजों का होना अनिवार्य है। बौद्धकाल में इसी तरह के शिव मंदिरों का अधिक निर्माण हुआ था। ताजमहल का गुम्बज कमल की आकृति से अलंकृत है। आज हजारों ऐसे हिंदू मंदिर हैं, जो कि कमल की आकृति से अलंकृत हैं।ताजमहल के गुम्बज में सैकड़ों लोहे के छल्ले लगे हुए हैं जिस पर बहुत ही कम लोगों का ध्यान जा पाता है। इन छल्लों पर मिट्टी के आलोकित दीये रखे जाते थे जिससे कि संपूर्ण मंदिर आलोकमय हो जाता था। ताजमहल की चारों मीनारें बाद में बनाई गईं। इतिहासकार ओक के अनुसार ताज एक सात मंजिला भवन है। शहजादे औरंगजेब के शाहजहां को लिखे पत्र में भी इस बात का विवरण है। भवन की चार मंजिलें संगमरमर पत्थरों से बनी हैं जिनमें चबूतरा, चबूतरे के ऊपर विशाल वृत्तीय मुख्य कक्ष और तहखाने का कक्ष शामिल है। मध्य में दो मंजिलें और हैं जिनमें 12 से 15 विशाल कक्ष हैं। संगमरमर की इन चार मंजिलों के नीचे लाल पत्थरों से बनी दो और मंजिलें हैं, जो कि पिछवाड़े में नदी तट तक चली जाती हैं। सातवीं मंजिल अवश्य ही नदी तट से लगी भूमि के नीचे होनी चाहिए, क्योंकि सभी प्राचीन हिंदू भवनों में भूमिगत मंजिल हुआ करती है।

नदी तट के भाग में संगमरमर की नींव के ठीक नीचे लाल पत्थरों वाले 22 कमरे हैं जिनके झरोखों को शाहजहां ने चुनवा दिया है। इन कमरों को, जिन्हें कि शाहजहां ने अतिगोपनीय बना दिया है, भारत के पुरातत्व विभाग द्वारा तालों में बंद रखा जाता है। सामान्य दर्शनार्थियों को इनके विषय में अंधेरे में रखा जाता है। इन 22 कमरों की दीवारों तथा भीतरी छतों पर अभी भी प्राचीन हिंदू चित्रकारी अंकित हैं। इन कमरों से लगा हुआ लगभग 33 फुट लंबा गलियारा है। गलियारे के दोनों सिरों में एक-एक दरवाजे बने हुए हैं। इन दोनों दरवाजों को इस प्रकार से आकर्षक रूप से ईंटों और गारे से चुनवा दिया गया है कि वे दीवार जैसे प्रतीत हों। ताजमहल की सातों मंजिलों को खोलकर साफ-सफाई कराने की नितांत आवश्यकता है, ताकि यह पता चल सके कि उसमें मुमताज के अलावा और कौन-कौन से तथ्य दफ्न हैं। फ्रांसीसी यात्री बेर्नियर ने लिखा है कि ताज के निचले रहस्यमय कक्षों में गैर मुस्लिमों को जाने की इजाजत नहीं थी, क्योंकि वहां चौंधिया देने वाली वस्तुएं थीं। यदि वे वस्तुएं शाहजहां ने खुद ही रखवाई होती तो वह जनता के सामने उनका प्रदर्शन गौरव के साथ करता, परंतु वे तो लूटी हुई वस्तुएं थीं और शाहजहां उन्हें अपने खजाने में ले जाना चाहता था इसीलिए वह नहीं चाहता था कि कोई उन्हें देखे।

जहां तक राजा जयसिंह द्वारा ताजमहल की जमीन तोहफे में दिए जाने का प्रसंग है, तो कोई किसी को मंदिर तोहफे में नहीं देता। पुरुषोत्तम ओक के अनुसार बादशाहनामा, जो कि शाहजहां के दरबार के लेखा-जोखा की पुस्तक है, में स्वीकारोक्ति है (पृष्ठ 403 भाग 1) कि मुमताज को दफनाने के लिए जयपुर के महाराजा जयसिंह से एक चमकदार, बड़े गुम्बद वाला विशाल भवन (इमारत-ए-आलीशान व गुम्बज) लिया गया, जो कि राजा मानसिंह के भवन के नाम से जाना जाता था। जयपुर के पूर्व महाराजा ने अपनी दैनंदिनी में 18 दिसंबर, 1633 को जारी किए गए शाहजहां के ताज भवन समूह को मांगने के बाबत दो फरमानों (नए क्रमांक आर. 176 और 177) के विषय में लिख रखा है। यह बात जयपुर के उस समय के शासक के लिए घोर लज्जाजनक थी और इसे कभी भी आम नहीं किया गया।बहरहाल इतिहास के उन सत्य और असत्य प्रसंगों से होते हुए तुषार अमरीश गोयल निर्देशित फिल्म द ताज स्टोरी पर फिर से आते हैं। ताज स्टोरी के निर्माताओं ने 29 सितंबर को सोशल मीडिया पर इसका मोशन पोस्टर जारी किया, जिसके बाद कई लोगों ने निर्माताओं पर मुगल बादशाह शाहजहां द्वारा निर्मित इस स्मारक के पुराने हिंदू मंदिर के स्थान पर बनाए जाने के विवादास्पद दावों को हवा देने का आरोप लगाया। परेश रावल ताजमहल में विष्णु दास नामक एक स्थानीय गाइड का मुख्य किरदार निभा रहे हैं, जो विरोध प्रदर्शनों के बीच ताजमहल के डीएनए परीक्षण की मांग को लेकर अदालत जाते हैं। 9 अक्टूबर को फिल्म का टीजर रिलीज हुआ जिसमें परेश रावल का किरदार कहता है कि कुछ लोगों के लिए ताजमहल एक मकबरा है, जबकि कुछ के लिए यह एक मंदिर है। फिर वह दर्शकों के सामने सवाल उठाते हैं, आपको क्या लगता है, इसकी कहानी क्या है? यह फिल्म स्मारक पर आस्था और प्रलेखित इतिहास के बीच चल रही बहस को उजागर करती है। विष्णु दास ताजमहल के खिलाफ मुकदमा दाखिल करते हैं और जल्द ही अदालती लड़ाई में तीखे शब्दों के युद्ध में उलझते हुए दिखाई देते हैं, जहां वह ताजमहल की उत्पत्ति पर सवाल उठाते हैं।

फिल्म में परेश रावल द्वारा अभिनित विष्णु दास लोकप्रिय ऐतिहासिक स्मारक के सामने हाथ जोड़कर झुकते हैं और फिर एक दुकानदार से कहते हैं कि वह ताजमहल देखने आए हैं, जिसे उन्होंने मंदिर बताया था। विष्णु दास एक गवाह से पूछते हैं कि क्या वह ताजमहल के नीचे 22 कमरों में गया था? वे इसे मुगल बादशाह शाहजहां द्वारा अपनी दिवंगत पत्नी मुमताज महल के लिए बनवाए गए प्रेम के प्रतीक के बजाय अत्याचार और नरसंहार का प्रतीक भी कहते हैं।

अयोध्या से भाजपा प्रवक्ता रजनीश सिंह ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और सेंसर बोर्ड को दी गई अपनी शिकायत में द ताज स्टोरी पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। उनका दावा है कि यह 2022 में इलाहाबाद उच्च न्यायालय में उनके द्वारा दाखिल एक याचिका के विषय पर आधारित है। याचिका में रजनीश सिंह ने उच्च न्यायालय से ताजमहल के अंदर बंद 22 कमरों को खोलने की अनुमति देने का अनुरोध किया था। उन्होंने दावा किया था कि यह स्मारक मूल रूप से एक मंदिर था। अब, अपनी शिकायत में, भाजपा नेता ने कहा, मैंने ताजमहल के 22 बंद कमरों को खोलने के लिए एक जनहित याचिका दाखिल की थी। मेरा उद्देश्य केवल पारदर्शिता सुनिश्चित करना और ऐतिहासिक तथ्यों का सत्यापन सुनिश्चित करना था। मुझे पता चला है कि फिल्म द ताज स्टोरी मेरी याचिका के विषय पर आधारित है। रजनीश सिंह ने यह भी दावा किया कि फिल्म के पोस्टर, प्रचार सामग्री और कहानी में न्यायिक विषय और याचिका का संदर्भ उनकी अनुमति के बिना भ्रामक तरीके से दिया गया है। उन्होंने इसे मेरे बौद्धिक और कानूनी अधिकारों का उल्लंघन बताया। उन्होंने यह भी मांग की कि द ताज स्टोरी की स्क्रीनिंग न केवल न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है, बल्कि सामाजिक और धार्मिक भावनाओं में अनावश्यक तनाव भी पैदा कर सकती है।

वकील शकील अब्बास को भी इसी फिल्म से आपत्ति है। शकील अब्बास ने दिल्ली उच्च न्यायालय में एक याचिका दाखिल कर आरोप लगाया है कि द ताज स्टोरी ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करती है और सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ सकती है। लेकिन इतिहास से छुपाया गया तथ्य बाहर तो आना ही चाहिए...

इतिहास सच हो...

और इसका जनसांख्यिकी का संतुलन बिगाड़ रहे हैं। दुर्भाग्य से, पिछली सरकारों ने इस गंभीर मुद्दे को नजरअंदाज किया और इस समस्या से आंखें मूंद लीं। वोट-बैंक की राजनीति के चक्कर में, उन्होंने जानबूझकर देश की सुरक्षा से समझौता किया। पहली बार, देश ने इस चुनौती का सीधे सामना करने और अपनी अखंडता की रक्षा करने के लिए एक मजबूत और निर्णायक रुख अपनाया है।

प्रधानमंत्री ने कहा, हम असली लौह पुरुष को याद करते हैं, जिन्होंने पत्थर, चाकू और विभिन्न साजिशों का सामना किया, लेकिन कभी भी भारत की एकता से समझौता नहीं किया। इतिहास में सच्चाई दर्ज होनी चाहिए न कि कांग्रेस का तोड़-मरोड़कर पेश किया गया पक्ष। 86 वर्षों तक इस सच को राजनीतिक फायदे के लिए छिपाकर रखा गया। इतिहासकार रिजवान कादरी इसे सबके सामने लाए। यह इस बात की याद दिलाता है कि आजादी की लड़ाई के दौरान सरदार पटेल ने न सिर्फ अंग्रेजों से, बल्कि अंदरूनी धोखे से भी लड़ाई लड़ी थी। एक बार सरदार पटेल ने कहा था कि देश सेवा से बड़ा कोई सुख नहीं है। मैं भी मानता हूं कि खुद को देशसेवा के लिए समर्पित करने से बड़ा सुख नहीं है। आज देश में रिकॉर्ड हाइवे और एक्सप्रेस वे बन रहे हैं। वंदे भारत और नमो भारत जैसी ट्रेन भारतीय रेल को बदल रही हैं। छोटे शहर भी अब एयरपोर्ट की सुविधा से जुड़ रहे हैं। इस आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर से भारत को लेकर दुनिया का नजरिया ही पूरी तरह बदल रहा है। इसने पूरब से पश्चिम, उत्तर से दक्षिण देश की दूरियों को भी कम किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, सरदार पटेल मानते थे कि इतिहास लिखने में समय नहीं गंवाना चाहिए, हमें तो इतिहास बनाने के लिए मेहनत करनी चाहिए। उनकी ये भावना हमें उनकी जीवनगाथा में दिखाई देती है। सरदार साहब ने जो नीतियां बनाई, जो निर्णय लिए, उन्होंने नया इतिहास रचा। आजादी के बाद 550 से ज्यादा रियासतों को साथ जोड़ने के असंभव कार्य को उन्होंने संभव करके दिखा दिया। एक भारत-श्रेष्ठ भारत का विचार उनके लिए सर्वोपरि था। सरदार साहब चाहते थे कि जैसे उन्होंने बाकी रियासतों का विलय किया, वैसे ही ओर कश्मीर का विलय हो, लेकिन, पंडित नेहरू ने उनकी वो इच्छा पूरी नहीं होने दी। कश्मीर को अलग संविधान और अलग निशान से बांट दिया गया। कश्मीर पर कांग्रेस ने जो गलती की थी, उसकी आग में देश दशकों तक जलता रहा।

राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम में अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा, सरदार पटेल अमर रहें, आज हम सब एक महान क्षण के साक्षी बन रहे हैं। देशभर में हो रही एकता दौड़ कोटि-कोटि भारतीयों का उत्साह बढ़ा रही है। हम नए भारत की संकल्प शक्ति को साक्षात महसूस कर रहे हैं। हर ऐसी बात जो देश की एकता को कमजोर करती है। हर देशवासी को उससे दूर रहना है। ये राष्ट्रीय कर्तव्य है, ये सरदार साहब को सच्ची श्रद्धांजलि है। यही आज देश की जरूरत है। यही आज एकता दिवस का हर भारतीय के लिए संदेश भी है, संकल्प भी है।

केवड़िया के एकता नगर में आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस परेड के दौरान भारतीय वायु सेना की सूर्य किरण एरोबैटिक टीम ने आसमान को तिरंगे के रंग में रंग दिया। राष्ट्रीय एकता दिवस परेड में अर्धसैनिकबल की टुकड़ियों के साथ-साथ असम, त्रिपुरा, ओड़ीशा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब, जम्मू और कश्मीर, केरल, आंध्र प्रदेश राज्यों के पुलिस बल भी शामिल थे। दूसरी तरफ दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम से रन फॉर यूनिटी को झंडी दिखाई।

ऑस्ट्रेलिया को हराकर ...

उनका 15 मैचों का जीत का सिलसिला (2022-2025) यहीं खत्म हुआ। दिलचस्प बात यह है कि पिछली बार (2017) भी भारत ने ही ऑस्ट्रेलिया को सेमीफाइनल में हराया था। महिला वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया अब तक 6 बार खेल चुकी है, जिनमें से दो बार उसे सिर्फ भारत ने हराया है (2017 और 2025)। भारत अब तीसरी बार महिला वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचा है। पहले दो बार (2005 और 2017) टीम उपविजेता रही थी। इस बार टीम का लक्ष्य है, ट्रॉफी घर लाना।

भारत ने वर्ल्ड कप इतिहास में पहली बार 200 से ऊपर का लक्ष्य चेज किया। इससे पहले टीम इंडिया कभी भी इतना बड़ा टारगेट नहीं जीत पाई थी। लेकिन इस बार स्क्रिप्ट कुछ और ही थी। 339 रनों का पीछा, वह भी वर्ल्ड कप नॉकआउट में। इसमें भारत की बेटियों ने कमाल कर दिया। महिला वनडे विश्व कप के नॉकआउट में 200 से ज्यादा रनों के लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करने का एकमात्र पिछला उदाहरण ब्रिस्टल में 2017 के सेमीफाइनल में इंग्लैंड-डब्ल्यू बनाम दक्षिण अफ्रीका-डब्ल्यू द्वारा 219 रनों का था। भारत का आज का 341/5 स्कोर महिला वनडे मैच में रनों का पीछा करते हुए दूसरा सबसे बड़ा स्कोर भी है, इससे पहले पिछले महीने दिल्ली में इसी टीम के खिलाफ भारत 369 रनों पर ऑलआउट हो गया था। भारतीय महिलाओं का पिछला सर्वोच्च रनों का पीछा करते हुए 2021 में मैके में इसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ 265 रनों का स्कोर था।

यह जीत खास इसलिए भी रही क्योंकि यह पहला मौका था जब किसी वनडे वर्ल्ड कप नॉकआउट (पुरुष या महिला) में 300+ रन का लक्ष्य सफलतापूर्वक चेज हुआ। इससे पहले पुरुष वर्ल्ड कप (2015) में न्यूजीलैंड ने सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 298 रन का लक्ष्य चेज किया था। भारत और ऑस्ट्रेलिया का यह सेमीफाइनल मैच महिला वनडे इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा मैच एग्रीगेट बन गया। दोनों टीमों ने मिलकर 679 रन बनाए।

जब भारत 59/2 पर था, तब मैच ऑस्ट्रेलिया की पकड़ में लग रहा था, लेकिन कप्तान हरमनप्रीत कौर (89) और जेमिमा ने मिलकर 167 रनों की साझेदारी कर मैच पलट दिया। यह साझेदारी भारत के महिला वर्ल्ड कप इतिहास की सबसे बड़ी पार्टनरशिप में से एक बन गई। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए फीबी लिचफील्ड (119) और एलिस पेरी (77) की शानदार पारियों की बदौलत 338 रन बनाए, लेकिन भारतीय गेंदबाजों श्री चरणी और दीप्ति शर्मा (2-2 विकेट) ने बीच के ओवरों में रन रोककर टीम को वापसी कराई। आखिरी ओवर में ऑस्ट्रेलिया के तीन विकेट गिरे, जिससे 350 के पार जाने का मौका छिन गया।

यह भारत की तीसरी वर्ल्ड कप फाइनल एंट्री है। पहले दो बार (2005 और 2017) टीम उपविजेता रही, लेकिन इस बार सबकी उम्मीदें हैं कि जेमिमा, हरमनप्रीत और स्मृति मंधाना की ये नई तिकड़ी ट्रॉफी घर लाएगी। फाइनल में भारत का सामना दक्षिण अफ्रीका से होगा। भारत की इस जीत के साथ तय हो गया कि वर्ल्ड कप 2025 को एक नया चैंपियन मिलेगा। भारत फाइनल में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा और अब पूरा देश इस सुनहरे पल का इंतजार कर रहा है और उम्मीद लगाए बैठा है कि भारतीय महिला टीम पहली बार महिला वनडे विश्व कप का खिताब जीतने में कामयाब रहेगी।

भारतीय टीम ने महिला वनडे इतिहास का सबसे सफल रन चेज करते हुए विश्व कप के फाइनल में जगह बना ली है। भारत ने जेमिमा रोड्रिग्स और हरमनप्रीत कौर के बीच हुई शतकीय साझेदारी के दम पर गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से मात दी। भारत के लिए अमनजोत कौर ने जैसे ही जीत का चौका लगाया, मैदान पर भारतीय महिला टीम के सदस्य खुशी से झूम उठे। वहीं, जेमिमा और अमनजोत ने एक दूसरे गले लगा लिया।

भारतीय महिला टीम ने गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को सेमीफाइनल में हराकर उसका विजय रथ रोक दिया। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.5 ओवर 338 रन बनाए थे। जवाब में भारत के लिए जेमिमा ने शतक लगाया और कप्तान हरमनप्रीत के साथ तीसरे विकेट के लिए 167 रनों की साझेदारी की जिससे भारत ने 48.3 ओवर में पांच विकेट पर 341 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। ऑस्ट्रेलिया की टीम इस टूर्नामेंट में अजेय बनी हुई थी, लेकिन भारतीय टीम ने एलीस हीली की टीम का विजयी अभियान रोक दिया। भारत का अब रविवार को फाइनल में दक्षिण अफ्रीका से सामना होगा जिसने एक अन्य सेमीफाइनल में इंग्लैंड को हराया था।

जेमिमा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में भारत को जीत दिलाने के बाद भावुक हो गईं और अपने आंसू नहीं रोक सकीं। जेमिमा सेमीफाइनल में शतक लगाकर नाबाद लौटीं और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। जेमिमा 134 गेंदों पर 14 चौकों की मदद से 127 रन बनाकर नाबाद रहीं। जेमिमा और हरमनप्रीत के बीच तीसरे विकेट के लिए 167 रनों की साझेदारी हुई।

भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया को ऐसी शिकस्त दी है जो ये टीम लंबे समय तक याद रखेगी। भारतीय महिला टीम के सदस्यों को भी इस बात का अंदाजा है कि उन्होंने कितनी बड़ी जीत दर्ज की है। जैसे ही भारत ने ऑस्ट्रेलिया को हराया टीम के सदस्य खुशी से झूम उठे। सभी एक दूसरे को गले लगाने लगे। इस दौरान कई खिलाड़ियों की आंखों से आंसू छलक उठे। भारत अभी विश्व कप खिताब से एक कदम दूर है, लेकिन सेमीफाइनल में मिली इस अभूतपूर्व जीत से ही टीम के खिलाड़ी अपनी भावनाओं को काबू नहीं रख सके।

चीन ने भारत को रेयर ...

अर्थ्स इंपोर्ट करने के लाइसेंस मिल चुके हैं।

चीन की शर्त है कि मैग्नेट्स को अमेरिका एक्सपोर्ट नहीं किया जा सकता। साथ ही इन्हें डिफेंस से जुड़े कामों में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। इन पाबंदियों की वजह से ऑटोमोबाइल प्रोडक्शन प्रभावित हुआ था, खासकर इलेक्ट्रिक कारों और टू-व्हीलर्स में। कंपनियों ने सरकार से चीन के साथ बात करने को कहा था। रेयर अर्थ मैग्नेट्स मार्केट में सबसे ताकतवर परमानेंट मैग्नेट्स हैं। इनकी मैग्नेटिक स्ट्रेंथ ज्यादा होती है और डिमैग्नेटाइजेशन से बचाव भी। ये वजन और स्पेस कम होने वाली जगहों पर फिट बैठते हैं। इन्हें रेयर अर्थ एलिमेंट्स जैसे नियोडाइमियम, प्रासियोडाइमियम और डिस्प्रोसियम से बनाया जाता है। ज्यादातर ये नियोडाइमियम-आयरन-बोरॉन अलॉय से बने होते हैं। ये छोटे-छोटे और एनर्जी-एफिशिएंट डिवाइसेस में पावर देते हैं।

लाइसेंस पाने वाली कंपनियां ऑटोमोटिव और इलेक्ट्रॉनिक्स को कंपोनेंट्स सप्लाई करती हैं। भारत की ऑटो इंडस्ट्री को 2025-26 में करीब 870 टन रेयर अर्थ मैग्नेट्स इंपोर्ट करने की जरूरत है। कुल मिलाकर देश को 3,600 टन चाहिए। इस साल की शुरुआत में चीन ने रेयर अर्थ मैग्नेट्स की बिक्री पर रोक लगा दी थी। चीन ग्लोबल रेयर अर्थ मेटल्स माइनिंग का 70 प्रतिशत कंट्रोल करता है। मैग्नेट प्रोडक्शन में तो 90 प्रतिशत हिस्सा उसका है। इसका राज सप्लाई चेन पर कंट्रोल है, माइनिंग से लेकर रिफाइनिंग, अलॉय प्रोडक्शन और मैग्नेट मैन्युफैक्चरिंग तक।

अमेरिका और अब ...

इस निविदा में और भी प्रस्ताव मिले थे, लेकिन ऊंची कीमतों के कारण उन्हें केवल 20 लाख बैरल ही मिले। व्यापारी रिलायंस इंडस्ट्रीज की आगे की मांग पर भी नजर रख रहे हैं, जो भारत का सबसे बड़ा रूसी तेल खरीदार रही है।

इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया था कि भारत ने रूस से तेल की खरीद में उल्लेखनीय कमी की है। उन्होंने कहा कि इस मोर्चे पर भारत बहुत अच्छा कर रहा है। ट्रंप ने यह टिप्पणी एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपीईसी) सम्मेलन के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत में की थी। ट्रंप ने एयर फोर्स वन विमान में पत्रकारों से कहा, चीन के तेल खरीदने के मामले में हम ज्यादा कुछ नहीं कर सकते। वह लंबे समय से रूस से तेल खरीद रहा है। यह उसकी बड़ी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करता है, लेकिन मैं कह सकता हूं कि भारत इस मोर्चे पर बहुत अच्छा कर रहा है। हमने तेल पर विस्तार से चर्चा नहीं की, बल्कि इस बात पर बात की कि क्या हम मिलकर युद्ध को समाप्त करने की दिशा में कुछ कर सकते हैं।

देश की संप्रभुता को...

इसके अलावा, पुलिस ने आरोपियों पर न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग करने का भी आरोप लगाया। उनका कहना है कि आरोपियों ने समन्वित रणनीति अपनाकर कार्यवाही में देरी कराई, जिससे न्याय की प्रक्रिया बाधित हुई।दिल्ली पुलिस का प्रतिनिधित्व सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और अधिवक्ता रजत नायर तथा ध्रुव पांडे कर रहे हैं। फरवरी 2020 में हुए इन दंगों में 53 लोगों की मौत हुई और सैकड़ों लोग घायल हुए। दिल्ली पुलिस का यह हलफनामा इस बात पर जोर देता है कि हिंसा का उद्देश्य केवल सामाजिक अशांति नहीं, बल्कि सरकार को अस्थिर करना और देश की संप्रभुता को चुनौती देना था। इसके पहले इसी इरादे से शाहीनबाग षडयंत्र रचा गया, जिसमें कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और देश की तमाम विघटनकारी शक्तियों ने मदद पहुंचाई थी।

शुरू हुआ तीनों...

अभ्यास में राफेल और सुखोई जैसे अत्याधुनिक लड़ाकू विमान, ऑपरेशन सिंदूर में लोहा मनवा चुके ब्रह्मोस और आकाश मिसाइल सिस्टम, युद्धक टैंक, इन्फैंट्री कॉम्बैट वाहन, हेलिकॉप्टर, लंबी दूरी की क्षमता वाले आर्टिलरी सिस्टम्स, ड्रोन्स और नौसेना के युद्धपोत हिस्सा ले रहे हैं। सेना के तीनों अंग गुजरात व राजस्थान की सीमा से सटे इलाकों में संयुक्त ऑपरेशन, शत्रु सीमा में गहराई तक वार करने की क्षमता और मल्टी डोमेन वॉरफेयर का अभ्यास करेंगे।

त्रिशूल युद्धाभ्यास का फोकस गुजरात के कच्छ क्षेत्र पर भी रहेगा जिसे लेकर हाल में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को खुली चेतावनी दी थी। राजनाथ ने कहा था कि यदि पाकिस्तान ने सर क्रीक में दुस्साहस किया तो उसको इतिहास और भूगोल बदलने वाला जवाब मिलेगा। साथ ही उन्होंने कहा था कि कराची का रास्ता भी क्रीक से होकर जाता है। अभ्यास के जरिए वास्तविक युद्ध के मल्टी डोमेन ऑपरेशनल वातावरण में सेना की युद्ध क्षमता, समन्वय व अभियानगत तैयारियों का परीक्षण किया जाएगा। इनसे आधुनिक युद्धक्षेत्र में उभरते खतरों का सामना करने की क्षमता मजबूत होगी। त्रिशूल अभ्यास का एक उद्देश्य दुश्मन की हर गतिविधि की समयबद्ध पहचान करना भी है। इसके लिए उन्नत तकनीकों का समन्वित उपयोग किया जाएगा।इसमें जल, थल, आसमान, साइबर, इलेक्ट्रोनिक जैसे सभी क्षेत्रों से मिलने वाली चुनौतियां निर्मित कर उनसे निपटने का अभ्यास किया जाता है। क्योंकि आधुनिक युद्धों में केवल जमीन, समुद्र या हवा से ही चुनौतियां नहीं मिलती बल्कि इसमें अंतरिक्ष व साइबरस्पेस जैसे नए क्षेत्र भी शामिल हो गए हैं। इसलिए दुश्मन पर बढ़त हासिल करने के लिए सभी क्षेत्रों की क्षमताओं का एक साथ समन्वित परीक्षण किया जाता है।दूसरी तरफ, भारत के थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि आजकल युद्ध का स्वरूप बदल रहा है और अब यह ज्यादातर बिना प्रत्यक्ष संपर्क के और तकनीक आधारित हो गया है। इसलिए सेना को सिर्फ सैन्य शक्ति ही नहीं, बल्कि बौद्धिक और नैतिक क्षमता की भी जरूरत है। उन्होंने युवाओं से कहा कि वे थिंक टैंक, प्रयोगशालाओं आदि सभी जगह अपनी भूमिका निभाएं। थल सेना प्रमुख ने कहा कि युद्ध अब तेजी से संपर्क रहित होते जा रहे हैं। इसलिए इसके जवाब में सैन्य ताकत के साथ-साथ बौद्धिक क्षमता और नैतिक तैयारी की भी जरूरत है। यह बात उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर नई दिल्ली के मानेकशॉ केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि युवाओं की भूमिका थिंक टैंक, प्रयोगशालाओं और युद्धक्षेत्र जैसे अलग-अलग क्षेत्रों में होनी चाहिए।

इस मौके पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भी सेना के अधिकारियों, छात्रों और रक्षा विशेषज्ञों को संबोधित किया। यह कार्यक्रम सेना और रक्षा थिंक-टैंक सेंटर फॉर लैंड वारफेयर स्टडीज की ओर से चाणक्य डिफेंस डायलॉग: यंग लीडर्स फोरम के तहत आयोजित हुआ। मुख्य भाषण में सेना प्रमुख ने युद्ध की बदलती प्रकृति और उसके अनुसार रणनीतिक प्रतिक्रिया की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, युद्ध अब तेजी से गैर-गतिशील और बिना प्रत्यक्ष संपर्क वाला होता जा रहा है, इसलिए इसका सामना करने के लिए सैन्य ताकत, बौद्धिक क्षमता और नैतिक तैयारी जरूरी है। कार्यक्रम में कर्नल सोफिया कुरैशी भी शामिल हुईं, जो ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मीडिया ब्रीफिंग्स में प्रमुख चेहरों में से एक थीं। इस मौके पर यह भी घोषणा की गई कि 27 और 28 नवंबर को चाणक्य डिफेंस डायलॉग 2025 का आयोजन किया जाएगा। इसका विषय सुधार से बदलाव (रिफॉर्म टू ट्रांसफॉर्म): सशक्त और और सुरक्षित भारत होगा।

वादा निभाता है ...

अगले पांच साल में हमलोगों ने एक करोड़ से अधिक नौकरी और रोजगार देने का संकल्प लिया है। बिहार के युवा हर कोने में जा सकें। दुनिया में जहां भी बिहार के युवा की जरूरत हो। उसके लिए हमलोग काम करेंगे। सम्राट चौधरी ने कहा कि महिला रोजगार के लिए महिलाओं को दो लाख तक की सहायता राशि एनडीए सरकार देगी। एक करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का काम एनडीए सरकार करेगी।डिप्टी सीएम ने कहा कि हमलोगों की सरकार बनी तो हम लोग मिशन करोड़पति भी शुरू करेंगे। महिलाओं को करोड़पति बनाने की दिशा में काम करेंगे। अति पिछड़ा समाज के कामगार वर्गों को 10 लाख रुपये की सहायता दी जाएगी। सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त जज की अध्यक्षता में एक आयोग का गठन करेंगे जो अति पिछड़ा समाज को मुख्यधारा में लाने के लिए काम करने का सुझाव सरकार देने का काम करेगा। डिप्टी सीएम ने कहा कि देश में किसान सम्मान निधि योजना चलाया जा रहा है। अभी केंद्र सरकार किसानों को छह हजार दे रही है। अब एनडीए सरकार बिहार के किसानों को तीन हजार रुपए देगी। यानी हर साल अब किसानों को नौ हजार रुपये दिए जाएंगे। इसे कर्पूरी ठाकुर किसान सम्मान का नाम दिया गया है।25 सूत्री घोषणा पत्र में एनडीए ने यह वादा किया है कि एक करोड़ से अधिक सरकारी नौकरी व रोजगार दिया जाएगा। हर जिले में मेगा स्किल सेंटर खोला जाएगा। बिहार स्पोर्ट्स सिटी व प्रखंडों में खेलों के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाया जाएगा। हर जिले में फैक्ट्री व 10 नए औद्योगिक पार्क का निर्माण किया जाएगा। 100 एमएसएमई पार्क व 50,000 से अधिक कुटीर उद्योग स्थापित किए जाएंगे। डिफेंस कॉरिडोर, सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग पार्क स्थापित किया जाएगा। महिला रोजगार योजना से महिलाओं को 2 लाख तक की सहायता राशि दी जाएगी। 1 करोड़ महिलाएं लखपति दीदी बनेंगी। मिशन करोड़पति के माध्यम से महिला उद्यमी करोड़पति बनेंगी। किसान सम्मान निधि 6,000 रुपए से बढ़ाकर 9,000 रुपए की सहायता राशि दी जाएगी। मत्स्य पालकों को 4,500 से बढ़ाकर 9,000 की सहायता राशि दी जाएगी। सभी फसलों के लिए एमएसपी की गारंटी दी जाएगी। एग्री-इन्फ्रास्ट्रक्चर में 9 लाख करोड़ का निवेश किया जाएगा। हर अनुमंडल में एससी व एसटी के विद्यार्थियों के लिए आवासीय विद्यालय बनाया जाएगा। उच्च शिक्षा संस्थान में अध्यनरत सभी अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों को प्रति माह 2,000 दिया जाएगा। ईबीसी वर्ग की जातियों को 10 लाख तक की सहायता दी जाएगी। गरीब परिवारों के छात्रों को नर्सरी से पीजी तक मुफ्त गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जाएगी। स्कूलों में मिड-डे मील के साथ पौष्टिक नाश्ता दिया जाएगा। 50 लाख नए पक्के मकान, मुफ्त राशन, 125 यूनिट मुफ्त बिजली, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना जारी रहेगा। 5,000 करोड़ से जिलों के प्रमुख स्कूलों का कायाकल्प किया जाएगा। 7 एक्सप्रेस-वे और 3,600 किमी रेल ट्रैक का आधुनिकीकरण होगा। विश्वस्तरीय मेडिकल सिटी और हर जिले में मेडिकल कॉलेज का निर्माण किया जाएगा। मां जानकी की जन्मस्थली को विश्वस्तरीय आध्यात्मिक नगरी के रूप में विकसित किया जाएगा। इसे धार्मिक नगरी सीतापुरम के रूप में विकसित करेंगे। पटना, दरभंगा, पूर्णिया व भागलपुर में अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे और 4 नए शहरों में मेट्रो का निर्माण होगा। अगले पांच साल में बिहार को बाढ़ मुक्त बनाया जाएगा। इसके लिए फ्लड मैनेजमेंट बोर्ड की स्थापना एवं फ्लड टू फॉर्च्यून मॉडल अंतर्गत नदी जोड़ परियोजना तटबंध, नहरों का शीघ्र व मत्स्य पालन को बढ़ावा दिया जाएगा।

देवउठनी एकादशी पूजा विधि और मंत्र

ऐसे जगाएं श्रीहरि को चार माह की निद्रा से

देवउठनी एकादशी का बहुत खास महत्व होता है क्योंकि इस दिन भगवान विष्णु चार माह की निद्रा के बाद जागते हैं। साथ ही, इस दिन चातुर्मास का भी समापन हो जाता है। ऐसे में इस दिन विधि-विधान से भगवान विष्णु की पूजा और व्रत करने से बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है। देवउठनी एकादशी के दिन भगवान की पूजा करते समय और श्रीहरि को जगाते समय कुछ मंत्रों का जाप भी अवश्य करना चाहिए। ऐसे में आइए जानते हैं देवउठनी एकादशी की पूजा विधि, मंत्र और विष्णुजी को जगाने का तरीका। इस दिन विधिपूर्वक पूजा व व्रत करने से जातक का भाग्य जाग सकता है और पूजा का पूर्ण फल प्राप्त होता है।

देव उठनी एकादशी पूजा विधि

कार्तिक शुक्ल एकादशी को प्रबोधिनी के नाम से भी जाना जाता है। इसके निमित्त स्नान-दान और उपवास यथापूर्व किए जाते हैं। विशेषता यह है कि एक वेदीपर सोलह आर (कोण या पत्ती) का कमल बनाकर उसपर सागरोपम, जल पूर्ण, रत्न प्रयुक्त, मलयागिरिसे चर्चित, कण्ठप्रदेश में नाल से आबद्ध और सुश्वेत वस्त्र से आच्छादित चार कलश स्थापित करें और उनके बीच में पीताम्बर धारण किए हुए शंख चक्र गदाधारी चतुर्भुज और शेषशायी भगवान की सुवर्ण निर्मित मूर्ति स्थापित करके उसका 'सहस्त्रशीर्षा' आदि ऋचाओं से अंगन्यास पूर्वक यथाविधि पूजन करें और रात्रि में जागरण करके दूसरे दिन के प्रभात में वेदपाठी पांच ब्राह्मणों को बुलाकर उक्त चार कलश चार को और योगेश्वर भगवान की (स्वर्णमयी) मूर्ति पांचवें को देकर उनको भोजन करवाकर स्वयं भोजन करें तो गंगादि तीर्थों, सुवर्णादि दानों और भगवान आदिकी पूजा के समान फल होता है।

यह तो प्रसिद्ध है कि आषाढ़ शुक्ल से कार्तिक शुक्लपर्यन्त ब्रह्मा, इन्द्र, रुद्र, अग्नि, वरुण, कुबेर, सूर्य और सोमादि देवों से वन्दित, जगन्निवास, योगेश्वर क्षीर सागर में शेषशय्यापर चार मास शयन करते हैं और भगवद्भक्त उनके शयन परिवर्तन और प्रबोध के यथोचित कृत्य दत्तचित्त होकर यथासमय करते हैं। उनमें दो कृत्य आषाढ़ और भाद्रपद के व्रतों में प्रकाशित हो चुके हैं और तीसरे (प्रबोध) का विधान यहां प्रकट किया जाता है। यद्यपि भगवान क्षणभर भी कभी सोते नहीं, तथापि 'यथा देहे तथा देवे' मानने वाले उपासकों को शास्त्रीय विधान अवश्य करना चाहिए।

भगवान विष्णु को निद्रा से जगाने की विधि

यह कृत्य कार्तिक शुक्ल एकादशी को रात्रि के समय किया जाता है। उस समय शयन करते हुए हरि को जगाने के लिए सुभाषित स्तोत्र पाठ, भगवत कथा, पुराणादि का श्रवण और भजनादि का गायन, घंटा, शंख, मृदंग, नगारे और वीणा आदि का 'वादन' और विविध प्रकार के देवोपम खेल-कूद, लीला और नाच आदि के द्वारा भगवान को जगाएं और साथ ही, इन मंत्रों का उच्चारण करें।

उत्तिष्ठोत्तिष्ठ गोविन्द त्यज निद्रां जगत्पते। त्वयि सुप्ते जगन्नाथ जगत् सुप्तं भवेदिदम।

उत्थिते चेष्टते सर्वमुत्तिष्ठोत्तिष्ठ माधव। गता मेघा वियच्चैव निर्मलं निर्मलादिशः।

शारदानि च पुष्पाणि गृहाण मम केशव।

अनन्तर भगवान के मंदिर (अथवा सिंहासन) को नाना प्रकार के लता-पत्र, फल-पुष्प और बंदनवार आदि से सजावे और 'विष्णु पूजा' या 'पंचदेव पूजा विधान' अथवा 'रामार्चनचन्द्रिका' आदि के अनुसार भली प्रकार पूजन करें और समुज्ज्वल घृतवर्तिका या कर्पूरादि को प्रज्वलित करके नीराजन (आरती) करें।

'यज्ञेन यज्ञमयजन्त देवास्तानि धर्माणि प्रथमान्यासन। तेह नाकं महिमानः सचन्त यत्र पूर्वे साध्याः सन्ति देवाः।' से पुष्पांजलि अर्पण करके 'इयं तु द्वादशी देव प्रबोधाय विनिर्मिता। त्वयैव सर्वलोकानां हितार्थं शेषशायिना।' 'इदं व्रतं मया देव कृतं प्रीत्यै तव प्रभो। न्यूनं सम्पूर्णतां यातु त्वत्प्रसादाज़्जनार्दन।' से प्रार्थना करें और प्रह्लाद, नारद, पराशर, पुण्डरीक, व्यास, अम्बरीष, शुक, शौनक और भीष्मादि भक्तों का स्मरण करके चरणामृत, पंचामृत या प्रसाद का वितरण करें। इस प्रकार विष्णु भगवान योग निद्रा को त्यागकर प्रत्येक प्रकार की क्रिया करने में प्रवृत्त हो जाते हैं और प्राणिमात्र का पालन-पोषण और संरक्षण करते हैं। प्रबोधिनी की पारणा में रेवती का अन्तिम तृतीयांश हो तो उसको त्यागकर भोजन करना चाहिए।

शनिवार को काले तिल के उपाय से शनि दोष होगा दूर

जीवन में मिलेगी तरक्की और धन में होगी दोगुना वृद्धि

हिंदू धर्म में शनिवार का दिन न्याय के देवता शनिदेव को समर्पित माना गया है। ऐसे में इस दिन भक्त उनकी विधि-विधान से पूजा करते हैं और काले तिल भी जरूर अर्पित करते हैं। वहीं, इस शनिवार को एकादशी का संयोग भी बन रहा है।

ऐसे में अगर आप शनिदोष के चलते जीवन में लगातार समस्याओं का सामना कर रहे हैं, तो इसके लिए शनिवार को काले तिल से जुड़े कुछ विशेष और सरल उपाय आजमा सकते हैं। शनिवार को श्रद्धापूर्वक काले तिल के उपाय करने से जातक को शनि के बुरे प्रभावों से राहत मिल सकती है। ऐसे में जीवन में तरक्की प्राप्त होती है और धन-धान्य में भी वृद्धि हो सकती है।

जल में आंवला और काले तिल मिलाकर स्नान करें

शनिवार के दिन स्नान करने के जल में आधा आंवला और थोड़े काले तिल मिला लें। अब इस पानी से नहाएं और साथ ही, 'गंगे च यमुने चैव गोदावरी सरस्वती, नर्मदे सिन्धु कावेरि जलेऽस्मिन् सन्निधिं कुरु।' मंत्र का जाप करते हुए स्नान करें। इस उपाय को करने से अरोग्य की प्राप्ति होती है और पापों से भी मुक्ति मिल सकती है। साथ ही, इससे जीवन में सुख-समृद्धि के संयोग बनेंगे और भाग्य चमकने के रास्ते भी खुल सकते हैं।

इस उपाय से विष्णुजी की कृपा होगी प्राप्त

इस शनिवार को देवउठनी एकादशी का भी शुभ संयोग बन रहा है। ऐसे में अगर आप इस दिन काले तिल का विशेष उपाय कर लें तो इससे शनिदेव के साथ-साथ विष्णुजी की भी कृपा प्राप्त हो सकती है। इसके लिए काले तिल, शहद और घी को एक साथ मिलाकर 'ऐते तिलाः ओ भगवान विष्णु नमः समर्पियामि' बोलते हुए भगवान विष्णु को 11 बार अर्पित करें। इस उपाय को करने से जातक को जीवन में चल रही समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है और घर में भी सुख-शांति बनी रहती है।

जल में मिलाकर पिएं काले तिल

शनिवार के दिन काले तिल का खास महत्व होता है। इस दिन जल में काले तिल मिलाकर उसका सेवन करना बहुत फलदायी माना जाता है। मान्यता है कि ऐसा करने से शरीर की शुद्धि होती है और पापों का भी नाश हो सकता है। साथ ही, इस दिन आप काले तिल के लड्डू बनाकर भगवान विष्णु को भी अर्पित कर सकते हैं। बाद में लड्डू को प्रसाद के रूप में स्वयं भी ग्रहण करें। इस उपाय को करने से जातक को धन संबंधी समस्याओं से राहत मिल सकती है और जीवन में तरक्की हासिल होती है।

काले तिल का दान करें

अगर आप शनि के बुरे प्रभावों का सामना कर रहे हैं और बनते हुए कार्य भी बार-बार बिगड़ रहे हैं तो शनिवार को एक सरल उपाय आजमा सकते हैं। इसके लिए सुबह स्नानादि करने के बाद शनिदेव की विधि-विधान से पूजा करें और सरसों का तेल भी जरूर अर्पित करें। इसके बाद, किसी गरीब या जरूरतमंद व्यक्ति को सवा किलो तिल का दान करें। इस उपाय को करने से जातक को शनि दोष से राहत मिल सकती है और शनिदेव की कृपा से कारोबार में उन्नति प्राप्त हो सकती है।

विष्णुजी के सामने जरूर जलाएं अखंड दीप

देवउठनी एकादशी पर भगवान विष्णु की विधि-विधान से पूजा की जाती है। साथ ही, इस दिन शनिवार पड़ने से शनिदेव की पूजा करने का भी विधान होता है। ऐसे में रात के समय एक तिल का अखंड दीपक मंदिर में विष्णु भगवान के सामने जरूर जलाएं। ऐसा करने से भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है और करियर में आने वाली समस्याओं से भी आपको छुटकारा मिल सकता है। शनिवार को इन उपायों को करने से जातक को धन संबंधी समस्याओं से भी मुक्ति मिल सकती है और धन-धान्य में वृद्धि होती है।

देवउठनी एकादशी पर दान और सरल उपाय करने से आर्थिक संकट और समस्त बाधाएं होंगी दूर

कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को देवउठनी एकादशी के नाम से जाना जाता है। हिंदू धर्म में इस एकादशी का बहुत खास महत्व होता है। इस दिन भगवान विष्णु क्षीरसागर में चार माह तक शयन करने के बाद जागृत होते हैं। इसी के साथ चातुर्मास का भी समापन हो जाता है। ऐसे में अगर आप देवउठनी एकादशी पर विधि-विधान से पूजा करने के साथ-साथ कुछ ज्योतिष उपाय और दान कर लें तो इससे बेहद उत्तम फल की प्राप्ति होती है और जीवन में चल रही समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। साथ ही, इस एकादशी को किए जाने वाले उपायों और दान से कुंडली में ग्रह-नक्षत्रों पर भी शुभ प्रभाव पड़ता है।

अटके कार्यों की बाधाएं दूर करने का उपाय

देवउठनी एकादशी को प्रबोधिनी एकादशी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन शाम को प्रदोष काल के वक्त तुलसी और पीपल के पेड़ के पास 5 घी के दीये जरूर जलाने चाहिए। साथ ही, 'ओम नमो भगवते नारायणाय' मंत्र का जाप करते हुए 7 या 21 बार वृक्ष की परिक्रमा करें। इस उपाय को करने से जातक को जरूरी कार्यों में आ रही बाधाओं से मुक्ति मिल सकती है और बिगड़े काम भी बनने शुरू हो सकते हैं। लेकिन भूलकर भी देवउठनी एकादशी को तुलसी के पत्ते नहीं तोड़ने चाहिए। इससे अशुभ फल की प्राप्ति हो सकती है।

जीवन में तरक्की और सुखद दांपत्य जीवन का उपाय

इस खास एकादशी को तुलसी की पूजा अवश्य करनी चाहिए। इसके साथ ही पौधे के तने में एक लाल रंग कलावा या धागा बांध दें। इसके बाद, वहां बैठकर श्रद्धापूर्वक तुलसी चालीसा का पाठ करें। साथ ही, तुलसी पर चूड़ी, सिंदूर, बिंदी, चुनरी और बिछिया अर्पित करें। अगले दिन सुबह सुहाग के सामान को तुलसी के पास से उठाकर किसी जरूरतमंद सुहागिन महिला को दान कर दें और उनका आशीर्वाद भी जरूर लें। देवउठनी एकादशी पर इस सरल उपाय को करने से दांपत्य जीवन सुखद बना रहता है। साथ ही, परिवार के सदस्यों को जीवन में तरक्की और खुशहाली प्राप्त होती है।

आर्थिक तंगी दूर करने का उपाय

अगर आप घर या कारोबार में चल रही आर्थिक समस्याओं से परेशान हैं तो देवउठनी एकादशी के दिन एक छोटा सा उपाय आजमा सकते हैं। इसके लिए तुलसी के पौधे पर कच्चा दूध अर्पित करें और गमले के सामने एक घी का दीपक जरूर जलाएं। मान्यता है की तुलसी के पौधे में माता लक्ष्मी का वास होता है। ऐसे में अगर आप देवउठनी एकादशी के दिन यह उपाय करते हैं, तो इससे धन की देवी लक्ष्मीजी का आशीर्वाद प्राप्त होता है। साथ ही, इस दिन आप तुलसी की जड़ में गन्ने का रस भी चढ़ा सकते हैं। ऐसा करने से जातक को घर और कारोबार में चल रही आर्थिक तंगी से छुटकारा मिल सकता है और धन-धान्य में वृद्धि होने लगती है।

देवउठनी एकादशी पर क्या दान करें?

गर्म और ऊनी वस्त्र करें दानदेवउठनी एकादशी को आप विधि-विधान से पूजा करने के बाद किसी गरीब या जरूरतमंद व्यक्ति को गर्म और ऊनी कपड़े दान कर सकते हैं। अब सर्दी का मौसम दस्तक देने लगा है। ऐसे में अगर आप किसी जरूरतमंद को गर्म कपड़े दान करते हैं तो इससे बेहद पुण्य फल की प्राप्ति होती है। साथ ही, स्वास्थ्य अच्छा बना रहता है और कुंडली में ग्रहों पर भी शुभ प्रभाव पड़ता है। ऐसे में आपको जीवन की कई समस्याओं व बाधाओं से छुटकारा मिल सकता है।

सात प्रकार के अनाज करें दान

एकादशी के खास मौके पर आप किसी जरूरतमंद या गरीब व्यक्ति को 7 प्रकार के अलग-अलग अनाज जैसे- गेहूं, जौ, बाजरा, चावल आदि दान कर सकते हैं। ऐसी मान्यता है कि किसी जरूरतमंद को अनाज दान करने से घर में कभी भी अन्न-धन की कमी नहीं होती है। साथ ही, जातक को धन संबंधी समस्याओं से निजात मिल सकती है और कारोबार में खूब तरक्की प्राप्त होती है।

सुहाग का सामान करें दान

दांपत्य जीवन में खुशहाली बनाए रखने के लिए आप देवउठनी एकादशी पर किसी जरूरतमंद सुहागिन महिला को सुहाग का सामान दान कर सकते हैं। इसके लिए पहले सुहाग का सामान तुलसी पर अर्पित करना चाहिए और फिर, किसी जरूरतमंद सुहागिन को इसे दान कर दें। इससे माता लक्ष्मी की भी विशेष कृपा प्राप्त होती है और वैवाहिक जीवन में आने वाली

भगवान विष्णु की कृपा से वृषभ, कर्क समेत पांच राशियों के जातक पाएंगे लाभ और सुख

आज यानी 1 नवंबर दिन शनिवार है और आज तिथि है कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की एकादशी ऐसे में आज प्रबोधिनी एकादशी होने से दिन के देवता भगवान विष्णु रहेंगे। जबकि आज ग्रहों की बात करें तो चंद्रमा का गोचर कुंभ राशि में होगा और कुंभ राशि के स्वामी शनि ग्रह चंद्रमा से दूसरे भाव में होकर सुनफा योग बनाएंगे। जबकि आज गुरु ग्रह अपनी उच्च राशि में होकर हंस राजयोग बना रहे होंगे। और आज के दिन शतभिषा नक्षत्र के संयोग में ध्रुव योग और रवियोग का भी संयोग बनेगा। ऐसे में आज का दिन भगवान विष्णु की कृपा और ध्रुव योग एवं रवियोग के संयोग में वृष, कर्क, कन्या, धनु और मीन राशि के जातको के लिए विशेष रूप से लाभदायक और लकी रहेगा।

वृषभ राशि- आज शनिवार का दिन वृषभ राशि के जातकों के लिए स्थायी लाभ दिलाने वाला रहेगा। आपके कुछ नए संबंध बन सकते हैं जिनसे आपको भविष्य में भी लाभ मिलता रहेगा। आपको किसी पुराने मित्र या परिचित की मदद से भी फायदा हो सकता है। आप प्रॉपर्टी से संबंधित कोई निवेश करना चाह रहे हैं तो इसमें आपको सफलता मिलेगी। कोई पुराना किया हुआ काम भी आपको आज लाभ दिलाएगा। किसी शुभ काम या धार्मिक आयोजन में भाग लेने का मौका मिलेगा। आर्थिक पक्ष आपका आज अनुकूल रहेगा। किसी कोई दिया उधार आपको वापस मिल सकता है। पारिवारिक जीवन मे भी आपके अनुकूल स्थिति बनी रहेगी।

उपाय : आपको आज उपाय के तौर पर श्रीकृष्ण चालीसा का पाठ करना चाहिए। तुलसी को दीप दिखाएं।

कर्क राशि – आज का दिन कर्क राशि के जातको के लिए लाभदायक रहेगा। बिजनेस में आज अच्छी कमाई होगी। आपको आज आर्थिक मामलों में अपनी योजनाओं का लाभ मिलेगा। आज आप कोई पेंडिंग लेनदेन के भी निपटा सकते हैं। नौकरी में आपका दिन आज अनुकूल बीतेगा। किसी साथी सहकर्मी की मदद से आपको फायदा हो सकता है। दोस्तो के साथ पार्टी और मनोरंजन का आयोजन हो सकता है। घर में किसी शुभ मांगलिक कार्यक्रम का संयोग बन सकता है। ज्वेलरी और वस्त्रों के कारोबार में आपको आज विशेष रूप से लाभ मिलेगा।

उपाय : आपको आज उपाय के तौर पर पीपल को जल देना चाहिए और काले तिल भी अर्पित करना चाहिए।

कन्या राशि –आज का दिन कन्या राशि के जातकों के लिए लाभ और उन्नतिदायक रहेगा। आप आज कारोबार में खूल लाभ पाएंगे विशेष तौर पर जो जातक पार्लर, ज्वेलरी और वस्त्रो के कारोबार से जुड़े हैं उनके लिए आज का दिन कमाई वाला रहेगा। छात्रों को आज शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। मन आपक पढ़ाई की ओर बना रहेगा जिसका आपको उचित परिणाम मिलेगा। आपकी जमा पूंजी में भी आज वृद्धि होगी। आपको किसी धार्मिक स्थल की यात्रा का मौका मिलेगा। परिवार से भी आपको आज पूरा सपोर्ट मिलेगा। वैवाहिक जीवन में आपके प्रेम और आपसी सामंजस्य बना रहेगा। आप आज सुख साधनों का आनंद लेंगे। यात्रा सफल रहेगी।

उपाय : आज के दिन कन्या राशि के जातको को उपाय के तौर पर दामोदराष्टकम का पाठ करना चाहिए, तुलसी मैया को दूध से अर्घ्य दें।

धनु राशि –धनु राशि के जातको के लिए आज का दिन शुभ रहेगा। आपको अपनी कार्ययोजना में सफलता मिलेगी। आपके सितारे बताते हें कि आपको आज राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में कामयाबी मिलेगी। आपको आज किसी तकनीकी ज्ञान का भी लाभ मिलेगा। नौकरी में आपको आज अधिकारी वर्ग से सहयोग मिलेगा। आप प्रॉपर्टी के काम में आज सफलता पाएंगे। जो लोग मकान या जमीन खरीदने या बेचने का काम करते हैं उनके लिए दिन लाभदायक रहेगा। विवाह योग्य जातकों के विवाह के योग बनेंगे। बात आगे बढ़ सकती है। पारिवारिक जीवन में खुशी का माहौल रहेगा। वाहन और सुख साधन मिलने का संयोग बनेगा।

उपाय : आपको आज उपाय के तौर पर तुलसी को दीपक दिखाना चाहिए और तुलसी चालीसा का पाठ भी करना चाहिए।

मीन राशि – आज मीन राशि के जातको के लिए आज शनिवार का दिन उत्साहवर्धक और लाभदायक रहेगा। आपको आज कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों से पूरा सहयोग मिलेगा। आप अपनी कार्ययोजना को पूरा कर पाने में सफल रहेंगे। नौकरी में आपका प्रभाव और सम्मान बढेगा। बिजनेस में आपकी कमाई में वृद्धि होगी। आपको आज कहीं से धन का लाभ मिल सकता है। आपका फंसा हुआ पैसा भी आज आपको मिल सकता है। पैतृक संपत्ति से संबंधित कोई तनाव चल रहा है तो उसका समाधान निआजेगा। आपको किसी धार्मिक काम में भाग लेकर पुण्य कमाने का भी मौका मिलेगा। आपको विदेशी क्षेत्र से भी लाभ मिलेगा।

उपाय : आपको आज उपाय के तौर पर श्रीविष्णु चालीसा का पाठ करना चाहिए, भगवान विष्णु को घी का दीप दिखाएं।

मिस वर्ल्ड बनने से पहले ऐश्वर्या राय को मिला था राजा हिंदुस्तानी का ऑफर

बॉलीवुड और दुनिया भर में अपनी खूबसूरती और अदाकारी से सभी के दिलों पर राज करने वालीं ऐश्वर्या राय बच्चन आज भी लोगों की फेवरेट हैं। उनका नाम जब भी जुबां पर आता है, लोग उनके ग्लैमर, स्मार्टनेस और सादगी की तारीफ करने लगते हैं। ऐश्वर्या ने अपने करियर में जो मुकाम हासिल किया है, वह किसी सपने से कम नहीं। बहुत कम लोग जानते हैं कि अगर ऐश्वर्या मिस वर्ल्ड का खिताब नहीं जीततीं, तो उनकी पहली फिल्म 'राजा हिंदुस्तानी' होती, लेकिन किस्मत ने उन्हें एक अलग रास्ता दिखाया और उनकी पहली फिल्म 'प्यार हो गया' बनी। यह कहानी उनके करियर की अनोखी यात्रा की शुरुआत का सिर्फ एक छोटा हिस्सा है। ऐश्वर्या राय का जन्म 1 नवंबर 1973 को कर्नाटक के मैंगलोर में हुआ था। उनका बचपन साधारण परिवार में बीता, लेकिन बचपन से ही उनमें पढ़ाई और कला के प्रति गहरी रुचि थी। ऐश्वर्या को साइंस और जूलॉजी में बहुत दिलचस्पी थी और वह डॉक्टर बनना चाहती थीं। बाद में उनके रास्ते बदल गए और उन्होंने मुंबई में आर्किटेक्चर की पढ़ाई शुरू की। पढ़ाई के साथ ही उन्होंने मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा और यह उनका पहला बड़ा कदम था, जिसने उन्हें ग्लैमर की ओर खींचा।

एक फिल्म ने बदल दी थी किस्मत

ऐश्वर्या ने नौवीं क्लास में ही कैमलिन कंपनी के लिए मॉडलिंग शुरू की थी। इसके बाद उन्होंने पेप्सी, फ्रूटी और कई बड़े विज्ञापनों में काम किया। इन विज्ञापनों ने उन्हें लोकप्रियता दिलाई और लोग उनके चेहरे को पहचानने लगे। मॉडलिंग में काम करते हुए ही उन्होंने ब्यूटी पेजेंट्स की दुनिया में कदम रखा। साल 1994 में उन्होंने मिस इंडिया की उपविजेता बनने के बाद मिस वर्ल्ड का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। यह जीत उनके करियर का बड़ा मोड़ साबित हुई। ऐश्वर्या के करियर की शुरुआत फिल्मी दुनिया में थोड़ी अलग हुई। एक इंटरव्यू में उन्होंने खुद बताया कि अगर वह मिस वर्ल्ड नहीं बनतीं, तो उनकी पहली फिल्म 'राजा हिंदुस्तानी' होती। लेकिन उन्होंने इस खिताब की वजह से अपने करियर की दिशा बदल दी और उनकी पहली फिल्म 1997 में आई 'प्यार हो गया'। इस फिल्म ने उन्हें बॉलीवुड में पहचान दिलाई और दर्शकों ने उनकी अदाकारी की तारीफ की। इसके बाद उन्होंने लगातार काम किया और फिल्मों में अपनी जगह बनाई।

उनकी कुछ यादगार फिल्मों में 'हम दिल दे चुके सनम', 'खाकी', 'देवदास', 'धूम 2', 'मोहब्बतें', 'जोधा अकबर', 'ताल' और 'गुरु' शामिल हैं। ऐश्वर्या ने केवल बॉलीवुड ही नहीं, बल्कि हॉलीवुड फिल्मों में भी काम किया, जिनमें 'द पिंक पैंथर 2', 'प्रोवोक्ड', 'मिस्ट्रेस ऑफ स्पाइसेज' और 'ब्राइड एंड प्रिज्यूडिस' जैसी फिल्में शामिल हैं।

ऐश्वर्या राय को उनके शानदार अभिनय और ग्लैमर के लिए कई पुरस्कार भी मिले। उन्होंने फिल्मफेयर, स्क्रीन अवॉर्ड्स और राष्ट्रीय पुरस्कारों की कई श्रेणियों में नाम कमाया। साल 2003 में वह कान फिल्म फेस्टिवल की जूरी में शामिल होने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री बनीं। इसके अलावा उन्हें 2009 में 'पद्मश्री' और 2012 में फ्रांस का 'ऑर्डर ऑफ आर्ट्स एंड लेटर्स' सम्मान भी मिला।

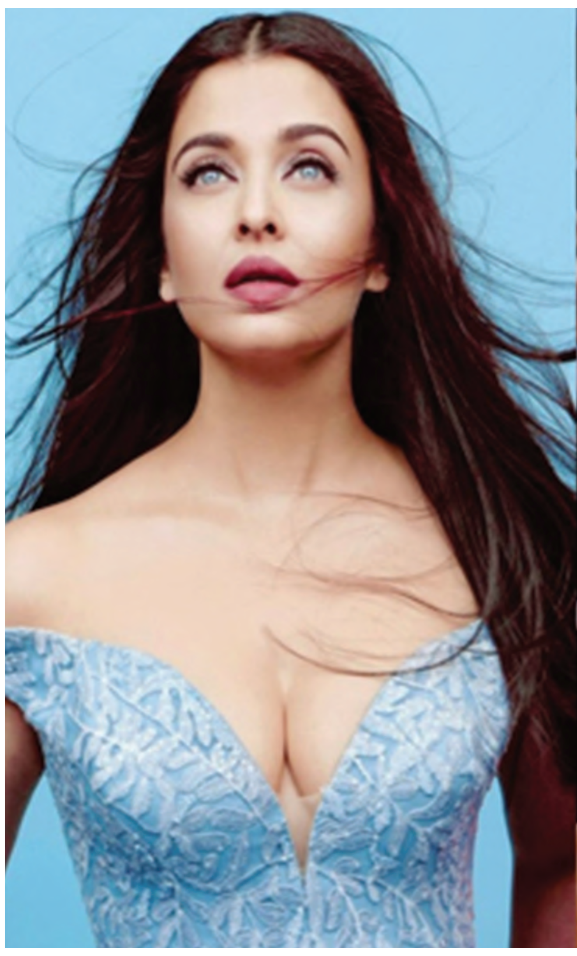

कोमलता और हौसले का संगम फिल्म हक़ के पोस्टर में वर्तिका सिंह की गहराई ने जीता दिल

फिल्म हक़ में वर्तिका सिंह का पहला पोस्टर आखिरकार सामने आ गया है और यह बिल्कुल मनमोहक है। हक़ पूर्व मिस यूनिवर्स इंडिया और सुपरमॉडल वर्तिका सिंह को उनके बहुप्रतीक्षित बॉलीवुड डेब्यू में पेश करता है। जारी किए गए पोस्टर में वर्तिका एक शांत लेकिन गहराई से प्रभावशाली पल में नजर आती हैं मिट्टी के रंगों में लिपटी, उनका चेहरा स्थिर है, पर उनकी आंखों में एक कोमलता और आग दोनों झलकती हैं। यह झलक उनके किरदार की नाज़ुकता और ताकत दोनों को बयां करती है। अपनी भूमिका के लिए वर्तिका ने कई हफ्तों तक वर्कशॉप्स में हिस्सा लिया, जहां उन्होंने इमोशनल मेमोरी तकनीकों के ज़रिए किरदार को भीतर से गढ़ा। लखनऊ से ताल्लुक रखने वाली वर्तिका ने फिल्म के कई अहम दृश्य अपने ही शहर में शूट किए। डेब्यू पर वर्तिका सिंह ने कहा, हक़ एक ऐसी कहानी है जिसने मेरे भीतर कुछ गहराई से हिलाया। इस सफर ने मुझे अपने अंदर झाँकने और हर पल में सच्चाई खोजने पर मजबूर किया। मैंने अपने वो हिस्से देखे जिनके बारे में मुझे पहले पता भी नहीं था। मैं जंगली पिक्चर्स की बेहद आभारी हूँ कि उन्होंने मुझ पर भरोसा किया और मुझे यह मौका दिया। बस यही चाहती हूँ कि यह फिल्म लोगों के दिल तक वैसे ही पहुँचे, जैसे यह मेरे दिल तक पहुँची।

हक़ में इमरान हाशमी और यामी गौतम धर के बीच एक तीखा कोर्टरूम ड्रामा देखने को मिलेगा, जिसके केंद्र में वर्तिका का किरदार है। जैसे-जैसे राज़ खुलते हैं, फिल्म यह दिखाती है कि कैसे धारणाएँ न्याय को प्रभावित करती हैं और कैसे सच कभी-कभी नज़रिए का मामला बन जाता है। जंगली पिक्चर्स, इंसोम्निया फिल्म्स और बवेजा स्टूडियोज के सहयोग से बनी हक़ की कहानी एक ऐतिहासिक सुप्रीम कोर्ट के फैसले से प्रेरित है। यह फिल्म न्याय, पहचान और नैतिक द्वंद्व की जटिल परतों को बेहद मानवीय दृष्टिकोण से पेश करती है। हक़ 7 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

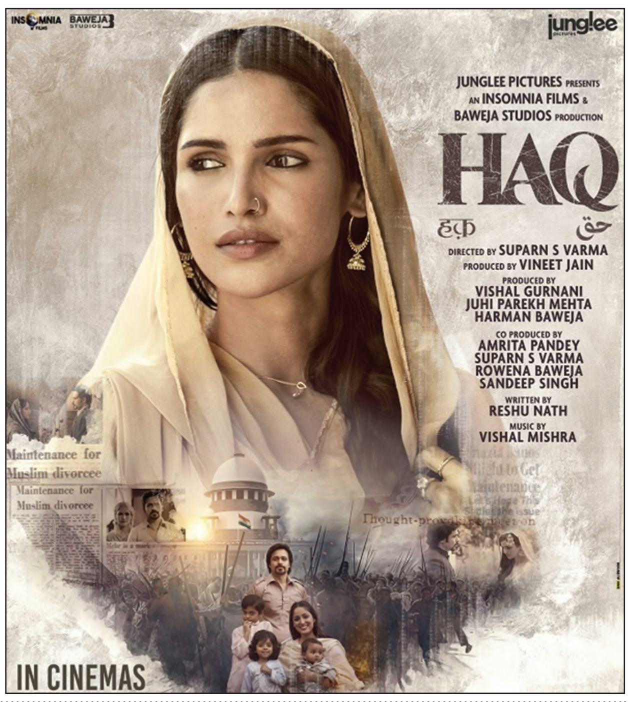

सफलता का मंत्र छोटे हो या बड़े रोल लगातार करते रहें काम:श्रद्धा दास

फिल्म इंडस्ट्री हमेशा बदलती रहती है। पहले कलाकारों के लिए बड़ी फिल्म से शुरुआत करना और भव्य लॉन्चिंग जरूरी माना जाता था, लेकिन अब समय बदल गया है। अभिनेत्री श्रद्धा दास का मानना है कि आज के दौर में कलाकारों को अपने टैलेंट, लगातार मेहनत और खुद से बनाए गए अवसरों पर ध्यान देना चाहिए। यही रास्ता है जो किसी भी कलाकार को इंडस्ट्री में टिकने और नाम कमाने में मदद करता है।

श्रद्धा ने कहा कि सफलता पाने का कोई छोटा रास्ता नहीं होता। उन्होंने कहा, ''मैंने खुद बड़े और छोटे रोल, गाने, दूसरे प्रमुख रोल, सब कुछ करके इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाई है। किसी बड़ी फिल्म के भव्य लॉन्च का इंतजार करना अब पुराने जमाने की सोच है। अगर कोई बाहर से आया है तो उसे लगातार काम करते रहना चाहिए, अच्छे प्रोजेक्ट्स को स्वीकार करना चाहिए, लोगों की नजर में बने रहना चाहिए और अपने काम में सुधार करते रहना चाहिए। यही तरीका है जिससे हर कलाकार अपनी मंजिल तक पहुंच सकता है।''

अपने प्रोजेक्ट्स चुनते समय वह किन चीजों को ध्यान में रखती है, इस सवाल का जवाब देते हुए श्रद्धा ने कहा, ''मेरे लिए सबसे पहले डायरेक्टर का अनुभव और क्षमता मायने रखती है। इसके बाद मैं प्रोडक्शन हाउस, साथ काम करने वाले अभिनेता और स्क्रिप्ट पर भी ध्यान देती हूं। इसके अलावा मैं खुद से सवाल करती हूं कि स्क्रिप्ट में मेरी भूमिका कितनी मजबूत है और कहानी में कितना योगदान है। यह हमेशा से मेरी प्राथमिकता रही है कि मेरा किरदार कहानी में एक फर्क लाए और मैं यह भी देखती हूं कि प्रोजेक्ट की विजुअल प्रस्तुति कैसी है।''श्रद्धा दास की हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज 'सर्च: द नैना मर्डर केस' को लोगों ने काफी पसंद किया। इसके चलते आईएमडीबी ने उन्हें लोकप्रिय भारतीय सेलिब्रिटी लिस्ट में पहला स्थान दिया।

उन्होंने बताया कि शुरुआत में उनका रैंक लगभग 1400 था। फिर फिल्म 'खाकी' के बाद यह बढ़कर 82 हुआ। 'नैना मर्डर केस' के रिलीज के बाद रैंकिंग तेजी से बढ़ी। पहले सप्ताह वह 15वें स्थान पर थीं, दूसरे सप्ताह चौथे स्थान पर और आखिर में वह नंबर 1 पर पहुंच गईं।

श्रद्धा ने कहा, ''मेरे पास कोई पीआर टीम या आईएमबीडी से कोई व्यक्तिगत संपर्क नहीं है। इसलिए यह उपलब्धि मेरे लिए बहुत ही आश्चर्यजनक और उत्साहजनक रही है। लोगों ने मेरे किरदार को वास्तव में पसंद किया और इसके लिए मैं बहुत आभारी हूं। इस अनुभव ने मुझे यह समझने में मदद की कि सच्ची मेहनत और लगन हमेशा सराहना पाती है।''

इश्क कुड़ी की निर्माता बनने पर बोलीं शहनाज गिल, ये तो शुरुआत है, अभी बहुत कुछ बाकी है

अभिनेत्री, गायिका और अब निर्माता बनीं शहनाज गिल अपनी सादगी, जोश और बेबाक अंदाज के लिए पहचानी जाती हैं। शहनाज ने शुक्रवार को आज अपने करियर में एक नया अध्याय जोड़ा है। बतौर निर्माता फिल्म उनकी पहली फिल्म 'इश्क कुड़ी' आखिरकार सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। यह फिल्म न सिर्फ उनके करियर का अहम मोड़ है, बल्कि उनके दिल के भी बहुत करीब है। शहनाज का कहना है कि ये उनकी अभी शुरुआत है। आगे उन्हें बहुत कुछ करना है। शहनाज कहती हैं कि 'इश्क कुड़ी' उनके लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक भावना है। उन्होंने बताया कि यह प्रोजेक्ट उनके जीवन का वह सफर है जिसे वह हमेशा अपने साथ लेकर चलेंगी। इस फिल्म ने उन्हें एक कलाकार के साथ-साथ एक निर्माता के रूप में भी परखा है। निर्माता की जिम्मेदारी संभालने के बारे में शहनाज ने कहा, निर्माता बनने के साथ मेरे ऊपर कई जिम्मेदारियां थीं, कहानी चुनने से लेकर फिल्म की पूरी टीम को संभालने तक। मुझे 'इश्क कुड़ी' की कहानी इतनी पसंद आई कि मैंने तय किया कि इस फिल्म में सिर्फ अभिनय नहीं, बल्कि निर्माण की जिम्मेदारी भी मैं खुद उठाऊंगी। यह फिल्म ऐसी थी जिसे बनाना जरूरी था। शहनाज ने कहा कि उन्होंने इस फिल्म पर एक 'दांव' लगाया है और अब देखना यह है कि दर्शकों की प्रतिक्रिया कैसी मिलती है।

शहनाज ने अब तक अपने करियर में कई भूमिकाएं निभाई हैं। वह सिंगर, एक्ट्रेस, रियलिटी शो स्टार और अब प्रोड्यूसर हैं, लेकिन जब उनसे पूछा गया कि अब वह आगे क्या करना चाहती हैं, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, अभी तो मैंने शुरुआत की है, अभी तो बहुत कुछ बाकी है।

शहनाज का मानना है कि हर नया अनुभव कुछ सिखाता है और 'इश्क कुड़ी' उनके करियर का सबसे भावनात्मक अध्याय है। उन्होंने कहा कि भले ही उन्होंने कई बार अलग-अलग क्षेत्रों में डेब्यू किया हो, लेकिन वह इस फिल्म को अपना सबसे खास और नजदीकी प्रोजेक्ट मानती हैं।'इश्क कुड़ी' की कहानी एक ऐसी लड़की के सफर को दिखाती है जो अपने लिए सही जीवनसाथी की तलाश में है। फिल्म के लेखक और निर्देशक अमरजीत सिंह हैं। पहले यह फिल्म 19 सितंबर को रिलीज होने वाली थी, लेकिन पंजाब में आई बाढ़ के कारण इसे आगे बढ़ाकर 31 अक्टूबर को सिनेमाघरों में उतारा गया।

राजस्थान के विकास में प्रवासी राजस्थानियों के योगदान को मिलेगा बढ़ावा : भजनलाल शर्मा

जयपुर,31 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रवासी राजस्थानियों के सम्मान में आगामी 10 दिसंबर को प्रवासी राजस्थान दिवस का आयोजन करने जा रही है। यह वैश्विक प्रवासी राजस्थानी समुदाय का राजस्थान से जुड़ाव को मज़बूत करने के लिए महत्वपूर्ण मंच साबित होगा। साथ ही, इससे प्रदेश के विकास में प्रवासी राजस्थान के योगदान को बढ़ावा मिलेगा। शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में प्रवासी राजस्थानी दिवस के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कार्यक्रम में आयोजित होने वाले सेक्टोरल सत्र में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं एवं उस क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों को जोड़ने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान विश्व में अपने ऐतिहासिक किलों, महलों एवं हवेलियों के लिए जाना जाता है। प्रदेश में पर्यटन का हैरिटेज पर्यटन से आगे अन्य क्षेत्रों में भी बढ़ाया जाए। इसके लिए प्रदेश में वॉटर एक्टिविटीज सहित अन्य एडवेंचर आधारित टूरिज्म के नए आयामों को विकसित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थान दिवस पर पर्यटन के सेक्टोरल सत्र में टूरिज्म एवं ट्रैवल उद्योग के विशेषज्ञों के साथ ही एडवेंचर आधारित क्षेत्र के प्रतिनिधियों को भी शामिल किया जाए।

शर्मा ने कहा कि शिक्षा पर आधारित सेक्टोरल सत्र में विशेषज्ञों के साथ ही इस क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले प्रवासी राजस्थानियों को भी आमंत्रित किया जाए। साथ ही, स्वास्थ्य सेक्टोरल सत्र के लिए स्वास्थ्य शिक्षा, फार्मा एवं तकनीकी से जुड़े उद्योग प्रतिनिधियों को जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि जल संसाधन के सेक्टोरल सत्र में जल अवसंरचनाओं की नवीनतम तकनीकों के साथ ही परंपरागत पद्धतियों के विशेषज्ञों को शामिल किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अवसर पर सामाजिक, आर्थिक एवं औद्योगिक आदि क्षेत्रों में योगदान एवं उपलब्धि अर्जित करने वाले प्रवासी राजस्थानियों को सम्मान पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इन पुरस्कारों में दिए जाने वाले स्मृतिचिन्ह आदि को राजस्थान की लोक कला से जोड़ा जाए।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर 7 गांवों में अवैध प्लॉटिंग और निर्माणों को किया ध्वस्त

भरतपुर,31 अक्टूबर (एजेंसियां)। भरतपुर विकास प्राधिकरण ने भू-माफियाओं के खिलाफ कठोर कार्रवाई करते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग आगरा रोड के आसपास की ज़मीनों पर हो रही अवैध प्लॉटिंग और निर्माण को ध्वस्त कर दिया है। प्राधिकरण के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने शुक्रवार को बड़ा अभियान चलाते हुए सात प्रमुख गाँवों में अवैध रूप से विकसित की जा रही कॉलोनियों को मिट्टी में मिला दिया। बीडीए की यह कार्रवाई इसलिए भी असरदार है क्योंकि यह सीधे तौर पर उन तत्वों को निशाना बनाती है जो बिना भू-उपयोग परिवर्तन और ले-आउट अनुमोदन के भोले-भाले लोगों को अवैध प्लॉट बेचकर ठगी कर रहे हैं। प्राधिकरण के दस्ते ने जेसीबी मशीनों की सहायता से नगला चांदमारी, नगला गोपाल, बरसो, घसोला, नगला बरताई, नौंह एवं बहनेरा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में अवैध रूप से खड़ी की गई बाउंड्रीवॉल, सड़क निर्माण और अन्य अनधिकृत ढाँचों को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया। अभियान के दौरान, मौके पर मौजूद अतिक्रमणकारियों को स्पष्ट चेतावनी और समझाइश दी गई।

प्राधिकरण प्रशासन ने साफ किया है कि वे पहले नियमानुसार भू-उपयोग परिवर्तन कराकर और लेआउट अनुमोदित करवाकर ही प्लॉटिंग या निर्माण करें। भरतपुर विकास प्राधिकरण प्रशासन ने दो टूक शब्दों में कहा है कि बिना स्वीकृति एवं अनुमोदन के किए जा रहे किसी भी प्रकार के अवैध निर्माण अथवा प्लॉटिंग पर कठोर कार्यवाही जारी रहेगी।

प्राधिकरण की निर्धारित कार्य योजना के तहत, अवैध निर्माणों के विरुद्ध यह कार्रवाई सतत रूप से जारी रहेगी। इस कार्रवाई में प्रशासनिक समन्वय बनाए रखने के लिए मौके पर मौका मजिस्ट्रेट अजय पारीक, तहसीलदार भरतपुर के साथ प्राधिकरण के तहसीलदार मनीष कुमार मीना एवं मुकेश कुमार, कनिष्ठ अभियंता, भू-अभियंता निरीक्षक और पटवारीगण उपस्थित रहे।

राजस्थान हाई कोर्ट की जयपुर खंडपीठ में धमकी भरे मेल से हड़कंप, कोर्ट की सुनवाई रुकी

जयपुर,31 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान हाई कोर्ट की जयपुर खंडपीठ में शुक्रवार को एक धमकी भरे ई-मेल के मिलने से हड़कंप मच गया। रजिस्ट्रार-प्रशासन के ई-मेल पते पर भेजी गई सूचना में हाई कोर्ट के जजों और स्टाफ के नामों का उल्लेख था और मेल में हाई कोर्ट को निशाना बनाने की बात लिखी गई थी। प्रशासन ने सुरक्षा कारणों से अदालत भवन को खाली करवा दिया और सभी सुनवाईयां तत्काल रोक दीं। मेल में कथित रूप से यह भी लिखा गया था कि हाई कोर्ट के जयपुर खंडपीठ को उड़ाने के अलावा कोई चारा नहीं है। सबको जल्दी से खाली कराओ। हम तो बस संपत्ति का नुकसान चाहते हैं। इन संदेशों के आंशिक उद्धरण मिलने के बाद कोर्ट परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम कर दिए गए। फिलहाल पुलिस-प्रशासन धमकी की वैधता और स्रोत का पता लगाने में जुटी है।

रजिस्ट्रार कार्यालय को भेजे गए मेल में तमिलनाडु की कुछ घटनाओं और मीडिया से जुड़े गंभीर आरोपों का भी जिक्र किया गया था। मेल में पाकिस्तान कॉआर्डिनेशन, कुछ 'एक्स' हैंडल और मीडिया से संबंधित नामों का हवाला देते हुए गंभीर और आपराधिक प्रकृति के दावे किए गए हैं। साथ ही कुछ एक्स हैंडल्स और अन्य संदर्भों का भी उल्लेख था।

अधिकारियों ने बताया कि पुलिस और इंटेलिजेंस यूनिट द्वारा मेल की शिनाख्त, भेजने वाले के आईपी-एड्रेस और संबंधित सोशल-मीडिया हैंडल्स की पड़ताल की जा रही है।

अंता उपचुनाव: गैंगस्टर गोदारा के नाम पर धमकी कांड रचने वाला रिटायर्ड अधिकारी गिरफ्तार

बारां,31 अक्टूबर (एजेंसियां)। पुलिस ने विधानसभा उप-चुनाव अंता के निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा को गैंगस्टर रोहित गोदारा के नाम से धमकी भरा पत्र भेजने के सनसनीखेज मामले को मात्र 4 घंटे के भीतर सुलझा लिया है। यह धमकी किसी गैंगस्टर ने नहीं, बल्कि एक रिटायर्ड पीएचईडी अधिकारी ने अपने जमीन विवाद के प्रतिद्वंद्वियों को झूठा फंसाने के लिए दी थी। पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु ने खुलासा किया कि आरोपी की पहचान कोटा के आरके पुरम निवासी नरेन्द्र यादव (64) के रूप में हुई है, जो पीएचईडी में आई.आई.ओ. के पद से रिटायर्ड हो चुका है। आरोपी ने उप-चुनाव की गहमागहमी का फायदा उठाकर साजिश को अंजाम दिया, ताकि शक की सुई उसके विरोधियों की ओर जाए।

गुरुवार, 30 अक्टूबर को अंता प्रत्याशी नरेश मीणा के प्रधान कार्यालय पर एक रजिस्टर्ड डाक से लिफाफा मिला। पत्र में नरेश मीणा के पिता कल्याण सिंह (पूर्व सरपंच) को धमकी दी गई थी कि नरेश मीणा या परिवार के एक सदस्य को मारने की सुपारी 1 करोड़ में मिली है। धमकी देने वाले ने ₹10 लाख अपने शूटर तक पहुँचाने पर सुपारी छोड़ने की बात कही थी, अन्यथा 02 तारीख कत्लेआम करने की चेतावनी दी गई थी। पत्र में गैंगस्टर रोहित गोदारा गैंग का नाम इस्तेमाल किया गया था, जिसमें लिखा था: शूटर रोहित गौदारा गैंग नरेश तेरी बीबी तो विधवा होगी, भीड़ में कुल्हे में गोली लगेगी और मुंह से निकलेगी।

एसपी अंदासु ने बताया कि विशेष टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मात्र 4 घंटे में नरेन्द्र यादव को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि नरेन्द्र यादव का सीसवाली के विजय थानेवाल और अमित थानेवाल से करीब 20 वर्ष पुराना जमीन संबंधी विवाद चल रहा है। नरेन्द्र यादव ने अपने प्रतिद्वंद्वियों थानेवाल बंधुओं को फंसाने के लिए यह चाल चली। उसने स्वयं उल्टे हाथ से धमकी भरा पत्र लिखा और बूंदी जिला मुख्यालय से दो स्पीड पोस्ट किए (एक नरेश मीणा और एक उनके पिता के नाम)। पुलिस को उसके घर की तलाशी में एक और धमकी भरा पत्र मिला, जो वह नरेश मीणा की पत्नी सुनीता मीणा को भेजने वाला था। पुलिस ने बताया कि आरोपी नरेन्द्र यादव आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है। उसके खिलाफ संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर गहनता से अनुसंधान जारी है।

भरतपुर में व्यापारी पर फायरिंग कर लूट का प्रयास

पुलिस ने पाँच बदमाशों को किया गिरफ्तार

भरतपुर,31 अक्टूबर (एजेंसियां)। शहर में व्यापारी पर फायरिंग कर लूट के प्रयास की गुत्थी सुलझाते हुए पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने इस मामले में पाँच नकाबपोश बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने जवाहर नगर निवासी एक किराना व्यापारी पर उस समय फायरिंग कर लूट का प्रयास किया था, जब वह रात को अपने घर लौट रहा था। अचानक हुई फायरिंग में व्यापारी घायल हो गया था। घटना के बाद मुकदमा दर्ज होने पर पुलिस सतर्क हुई और मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी। जिला पुलिस अधीक्षक दिगंत आनंद के निर्देशन में डीएसटी टीम प्रभारी मुकेश कुमार तथा थाना मथुरा गेट पुलिस की संयुक्त टीम ने जगह-जगह छापेमारी की। साइबर सेल की तकनीकी सहायता भी ली गई। लगातार निगरानी और सूचना तंत्र मजबूत होने के बाद पुलिस को मुख्य सुराग मिला कि लोहागढ़ स्टेडियम की सीडीओ के पास कुछ संदिग्ध युवक किसी बड़ी लूट का प्लान बना रहे हैं और उनके पास हथियार भी मौजूद हैं। सूचना की पुष्टि होने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पाँचों बदमाशों को घेराबंदी कर दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपियों में जगत सिंह, हरेंद्र सिंह, प्रशांत, नितिन और रोहित शामिल हैं।

बड़ौली ने हरी झंडी दिखाकर रन फॉर यूनिटी को किया रवाना

चंडीगढ़,31 अक्टूबर (एजेंसियां)। लोह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर एक भारत श्रेष्ठ भारत के संकल्प के साथ सोनीपत में रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया। हजारों स्कूली बच्चों, बुजुर्गों, युवाओं तथा महिलाओं ने भाग लेकर शहरवासियों को राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। इस दौरान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने बतौर मुख्यातिथि जानकीदास स्कूल से हरी झंडी दिखाकर रन फॉर यूनिटी को रवाना किया। इससे पूर्व प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, विधायक पवन खरखौदा, मेयर राजीव जैन सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की तस्वीर पर पुष्पांजलि करते हुए उन्हें नमन किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने रन फॉर यूनिटी की अगुवाई करते हुए सभी शहरवासियों को भारत की एकता में भूमिका निभाने का आह्वान किया। उत्साह और देशभक्ति के माहौल में जब प्रतिभागी एकता के संदेश के साथ दौडऩा प्रारंभ हुए, तो पूरा वातावरण एक भारत, श्रेष्ठ भारत व भारत माता की जय के नारों से गूंज उठा। इस दौरान शहर देशभक्ति के रंग में रंगा दिखाई दिया। रास्ते में विभिन्न स्थानों पर शहरवासियों द्वारा रन फॉर यूनिटी में शामिल नागरिकों पर पुष्प वर्षा की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने रन फॉर यूनिटी को संबोधित करते हुए कहा कि लोह पुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल भारत के सच्चे राष्ट्र निर्माता थे, जिन्होंने 562 रियासतों को जोड़कर भारत को एक अखंड राष्ट्र के रूप में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि आज की यह रन फॉर यूनिटी केवल एक दौड़ नहीं है, बल्कि यह हमारे देश की अखंडता, एकता और सामूहिक शक्ति का प्रतीक है।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर सतर्कता ब्यूरो के अधिकारियों ने किया योगाभ्यास

चंडीगढ़,31 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, मुख्यालय पंचकूला तथा सभी रेंज कार्यालयों में योग सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ब्यूरो में नियुक्त सभी अधिकारी और कर्मचारियों ने मिलकर योगाभ्यास कर एकता और स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य अधिकारियों और कर्मचारियों में मानसिक व शारीरिक संतुलन के साथ-साथ राष्ट्र के प्रति एकता और समर्पण की भावना को मजबूत करना रहा।

नगर पालिका क्लर्क बिजेन्द्र सिंह के खिलाफ भ्रष्टाचार का चालान दाखिल

चंडीगढ़,31 अक्टूबर (एजेंसियां)। राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, गुरुग्राम ने नगर पालिका फर्रूखनगर के क्लर्क बिजेन्द्र सिंह के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले में चालान धारा 7, 13(1)(बी) सहपठित 13(2) पीसी एक्ट के तहत माननीय न्यायालय, गुरुग्राम में दाखिल किया है। राज्य सतर्कता ब्यूरो गुरुग्राम को प्राप्त शिकायत में शिकायतकर्ता ने बताया कि उसने फर्रूखनगर की पावर हाउस कॉलोनी में 400 गज का प्लॉट खरीदा था। इस प्लॉट की प्रॉपर्टी आईडी बनाने के लिए उसने नगर पालिका में ऑनलाइन आवेदन किया था। 2 सितंबर 2025 को जब वह इस संबंध में क्लर्क बिजेन्द्र सिंह से मिला, तो आरोपी ने प्रॉपर्टी आईडी में कुछ कमियां बताकर उन्हें दूर करने और आईडी बनाने के एवज में ₹17,000 नकद रिश्वत की मांग की। उसी दिन शिकायतकर्ता ने आरोपी को ₹5,000 नकद दे दिए। इसके बाद आरोपी बिजेन्द्र सिंह ने शेष ₹9,000 की रिश्वत राशि अपनी कार (नंबर क्ठ-26एझ-5079) में रखने को कहा। शिकायतकर्ता ने आरोपी के निर्देशानुसार राशि उसकी कार में रख दी।

राज्य सतर्कता ब्यूरो की टीम ने दो स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में आरोपी की कार से ₹9,000 की रिश्वत राशि बरामद की और गाड़ी को पुलिस कब्जे में लिया। इसके बाद पर्याप्त साक्ष्यों के आधार पर आरोपी बिजेन्द्र सिंह को नगर पालिका कार्यालय फर्रूखनगर से गिरफ्तार किया गया।

इस संबंध में आरोपी के खिलाफ अभियोग संख्या 31, दिनांक 4 सितंबर 2025, धारा 7 पीसी एक्ट 308(2) बीएनएस के तहत थाना राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, गुरुग्राम में मामला दर्ज किया गया था। अब ब्यूरो ने इस प्रकरण में न्यायालय में चालान पेश कर दिया है।

सरदार पटेल का 'एक भारत' का सपना आज भी हर भारतीय के दिल में धड़कता है : सैनी

चंडीगढ़,31 अक्टूबर (एजेंसियां)। लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर शुक्रवार को फतेहाबाद में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। जिला मुख्यालय पर आयोजित 'रन फॉर यूनिटी' का शुभारंभ हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंचायत भवन से हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रतिभागियों पर पुष्प वर्षा की और उन्होंने स्वयं भी दौड़ में शामिल होकर एकता का संदेश दिया। एमएम कॉलेज मैदान तक आयोजित दौड़ में लगभग 30 हजार प्रतिभागी शामिल हुए। युवाओं, महिलाओं, खिलाड़ियों, विद्यार्थियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों ने हाथों में तिरंगा लेकर उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरा शहर एक भारत, श्रेष्ठ भारत के नारों से गूंज उठा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नशे से दूर रहने की शपथ भी दिलवाई।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस हमारे राष्ट्र की आत्मा को सशक्त करने का दिन है। आज हम सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती मना रहे हैं। लौह पुरुष पटेल ने जिस संकल्प, साहस और दूर दृष्टि से भारत को एक सूत्र में पिरोया, वह आज भी प्रेरणा स्रोत है। मुख्यमंत्री ने सरदार पटेल को याद करते हुए सभी हरियाणा वासियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज की यह दौड़ केवल शारीरिक गतिविधि नहीं, बल्कि राष्ट्र की एकता, अखंडता और अनुशासन का प्रतीक है। हरियाणा के सभी जिलों में लाखों नागरिक इस राष्ट्रीय संकल्प का हिस्सा बन रहे हैं। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के विजन को साकार करने की दिशा में एक कदम है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण अनुशासित, जिम्मेदार और जागरूक नागरिकों से होता है। यह दौड़ हमें सहनशीलता, अनुशासन और सामूहिकता का संदेश देती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस संकल्प को सरदार पटेल ने आजादी के बाद शुरू किया था, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उसे आगे बढ़ाते हुए जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35ए को समाप्त कर एक बार फिर देश की एकता और अखण्डता को सुदृढ़ किया है। उन्होंने कहा कि यह फैसला सरदार पटेल की भावना के अनुरूप था, एक राष्ट्र, एक संविधान, एक तिरंगा। मुख्यमंत्री ने इस कदम को भारत की एकता को और मजबूत करने वाला ऐतिहासिक निर्णय बताया और कहा कि यह उस 'अखंड भारत' की भावना का प्रतीक है, जिसका सपना सरदार पटेल ने देखा था।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। कई लोग आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। किसी करीबी रिश्तेदार की मदद से आज आप अपने करोबार में अच्छा कर सकते हैं जिससे आपको आर्थिक लाभ भी होगा। कोई आपको नुक़सान पहुँचाने की कोशिश कर सकता है। अगर आप हिसाब बराबर करना चाहें, तो ऐसा सलीके से ही किया जाना चाहिए। आपका प्रिय दिन भर आपको याद करने में समय बिताएगा। यात्रा के मौक़ों को हाथ से नहीं जाने देना चाहिए। संभावना है कि आपके और आपके जीवनसाथी के बीच तनाव और बढ़ सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप आज ख़ुद को रोज़ाना की अपेक्षा कम ऊर्जावान महसूस करेंगे। स्वयं को ज़रूरत से ज़्यादा काम के नीचे न दबाएँ, थोड़ा आराम करें और आज के कामों को कल तक के लिए टाल दें। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा-पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। जो लोग आपके क़रीब हैं, वे आपका ग़लत फ़ायदा उठा सकते हैं। अपने प्रिय से दूर होने के बावजूद आप उसकी मौजूदगी महसूस करेंगे। कामकाज के मोर्चे पर आपको सबसे स्नेह और सहयोग प्राप्त होगा। जो चीजें आपके लिए आवश्यक नहीं हैं उनपर आज अपना अधिकतर समय आप जाया कर सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज किया गया निवेश आपकी समृद्धि और आर्थिक सुरक्षा में इज़ाफ़ा करेगा। अपने मित्रों या संबंधियों को अपना आर्थिक काम-काज और रुपये-पैसे का प्रबंधन न करने दें, नहीं तो जल्दी ही आप आपने तयशुदा बजट से कहीं आगे निकल जाएंगे। नए कामों को पूरा करने में महिला सहकर्मियों का भरपूर सहयोग मिलेगा। खाली वक्त आज व्यर्थ की बहसों में खराब हो सकता है जिससे दिन के अंत में आपको खिन्नता होगी। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। आपको अपने जीवनसाथी की ओर से कुछ ख़ास देखने को मिल सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आउटडोर खेल आपको आकर्षित करेंगे- ध्यान और योग आपको फ़ायदा पहुँचाएंगे । जीत का जश्न आपके दिल को ख़ुशी से भर देगा। कुछ ख़रीदने से पहले उन चीज़ों का इस्तेमाल करें, जो पहले से आपके पास हैं। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। किसी के साथ नयी परियोजना या भागीदारी वाले व्यवसाय को शुरू करने से बचें। मुमकिन है कि आपके माता-पिता आपके जीवनसाथी को कुछ शानदार आशीर्वाद दें, जिसके चलते आपके वैवाहिक जीवन में और निखार आएगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपको आराम करने और क़रीबी दोस्तों व परिवार के साथ ख़ुशी के कुछ पल बिताने की ज़रूरत है। धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। पारिवारिक सदस्य या जीवन-साथी तनाव की वजह बन सकते हैं। कामकाज में आपको काफ़ी फ़ायदा हो सकता है। आज आप सारे रिश्तों और रिश्तेदारों से दूर होकर अपना दिन किसी ऐसी जगह पर बिताना पसंद करेंगे जहां जाकर आपको शांति प्राप्त होती है। आपका जीवनसाथी आज आपके लिए कुछ बहुत ख़ास करने वाला है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

बहुत ज़्यादा तनाव और चिंता करने की आदत सेहत को नुक़सान पहुँचा सकती है। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। एक नज़दीकी रिश्तेदार ख़ुद के लिए आपका ज़्यादा ध्यान चाहेगा, हालाँकि वह काफ़ी मददगार और ख़याल रखने वाला होगा। आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं। आपको याद रखने की ज़रूरत है कि भगवान उसी की मदद करता है, जो ख़ुद अपनी मदद करता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। बच्चे आपको घरेलू काम-काज निबटाने में मदद करेंगे। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। योजनाओं को अमली जामा पहनाने और नयी परियोजनाओं को शुरू करने के लिए अच्छा दिन है। आज आप सारे रिश्तों और रिश्तेदारों से दूर होकर अपना दिन किसी ऐसी जगह पर बिताना पसंद करेंगे जहां जाकर आपको शांति प्राप्त होती है। जीवनसाथी के साथ थोड़ा हँसी-मज़ाक़ आपका यादगार दिन बना सकती हैं

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

चूँकि यात्रा के लिहाज़ से आप अभी कुछ कमज़ोर हैं, इसलिए लंबी यात्राओं से बचने की कोशिश कीजिए। आपको कई स्रोतों से आर्थिक लाभ होगा। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। आज आप अपने जीवन की परेशानियों को अपने संगी से साझा करना चाहेंगे लेकिन वो अपनी परेशानियों के बारें में बता के आपको और ज्यादा परेशान कर देंगे। व्यवसायियों के लिए अच्छा दिन है, क्योंकि उन्हें अचानक बड़ा फ़ायदा हो सकता है। दिन अच्छा है दूसरों के साथ-साथ आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने जीवन-साथी के साथ पारिवारिक समस्याओं को साझा करें। एक-दूसरे को फिर से भली-भांति जानने के लिए थोड़ा और वक़्त एक-दूसरे के साथ बिताएँ और ख़ुद की स्नेही जोड़े की छवि को मज़बूत करें। आपके बच्चे भी घर में ख़ुशी और सुकून के माहौल को महसूस कर सकेंगे। अपने निवेश और भविष्य की योजनाओं को गुप्त रखें। आज आप अपने किसी वादे को पूरा नहीं कर पाएंगे जिसकी वजह से आपका प्रेमी आपसे नाराज हो जाएगा। किसी नयी परियोजना पर काम करने से पहले अच्छी तरह सोच-विचार लें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

बच्चों के साथ खेलना बहुत अच्छा और सुकून देने वाला अनुभव रहेगा। किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा-खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। जो कला और रंगमंच आदि से जुड़े हैं, उन्हें आज अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे। जो लोग घर से बाहर रहते हैं आज वो अपने सारे काम पूरे करके शाम के समय किसी पार्क या एकांत जगह पर समय बिताना पसंद करेंगें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। आपके परिवार वाले किसी छोटी-सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं। आप आज प्यार की मनोदशा में होंगे- और आपके लिए काफ़ी मौक़े भी होंगे। अगर आप कोई नया व्यवसाय या योजना शुरू करने की सोच रहे हैं तो जल्दी ही फ़ैसला करें, क्योंकि आपके सितारे महरबान हैं। जो आप करना चाहते हैं, उस ओर क़दम बढ़ाने में घबराएँ नहीं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

तरोताज़ा होने के लिए अच्छी तरह से आराम करें। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। अपनी व्यक्तिगत भावनाएँ और गोपनीय बातें अपने प्रिय से बाँटने का सही समय नहीं है। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। व्यवसाय के लिए अचानक की गयी कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी। जीवन की आपाधापी के बीच आज आप अपने बच्चों के लिए वक्त निकालेंगे। उनके साथ वक्त गुजार के आपको महसूस हो सकता है कि आपने जीवन के कई जरुरी पल गवां दिए हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 01 नवंबर 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : कार्तिक , शुक्ल पक्ष
तिथि : दशमी प्रातः 09:13 तक
नक्षत्र : शतभिषा सायं 06:21 तक
योग : ध्रुव रात्रि 02:09 तक
करण : गर प्रातः 09:13 तक
चन्द्रराशि : कुंभ
सूर्योदय : 06:14, सूर्यास्त 05:44 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:13, सूर्यास्त 05:53 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:06, सूर्यास्त 05:44 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:05,सूर्यास्त 05:36 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा रात्रि 08:28 से , पंचक चालू है , कार्तिक मासे दीप-दानम् विशेष:

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

चिराग पासवान का राहुल-तेजस्वी पर वार

शब्दों की मर्यादा भूल गए, जनता देगी जवाब

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के प्रचार अभियान में अब बयानबाजी तेज हो गई है। वैशाली जिले के राजापाकड़ विधानसभा क्षेत्र में एनडीए प्रत्याशी महेंद्र राम के समर्थन में जनसभा को संबोधित करने पहुंचे हाजीपुर के सांसद और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने राहुल गांधी और तेजस्वी यादव पर जमकर हमला बोला।

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने कहा कि राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर जो बयान दिया, 'इस मर्द से अच्छा तो इंदिरा थी', वह बेहद आपत्तिजनक और मर्यादाहीन है। चिराग ने कहा, इस तरह की भाषा का इस्तेमाल यह दिखाता है कि नेता प्रतिपक्ष (लोकसभा) ने

राजनीति में शब्दों की मर्यादा पूरी तरह खो दी है। प्रधानमंत्री पर व्यक्तिगत प्रहार करने के अलावा उनके पास अब कुछ नहीं बचा है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जब से बिहार में डबल इंजन की सरकार बनी है, प्रधानमंत्री मोदी ने लगातार बिहार का दौरा किया है और लाखों करोड़ की परियोजन-ाओं को राज्य को समर्पित किया है। चिराग ने कहा, राहुल गांधी बार-बार शब्दों की मर्यादा भूलकर प्रधानमंत्री पर हमला करते हैं। पहले उन्होंने 'चौकीदार चोर है' कहा था, जिससे बिहार के पासवान समाज की भावनाओं को ठेस पहुंची थी। अब एक बार फिर वे मर्यादा से नीचे गिरकर बोल रहे हैं। बिहार की जनता इसका जवाब जरूर देगी।

तेजस्वी यादव पर भी निशाना साधते हुए चिराग पासवान ने कहा कि राघोपुर, जो तेजस्वी यादव का विधानसभा क्षेत्र है, वहां अब तक उनकी कोई चुनावी जनसभा नहीं हुई है। उन्होंने कहा, इन लोगों का आपस में ही सर फूटा हुआ है। जब हम सब अपना प्रचार कर चुके थे, तब जाकर इन लोगों का चुनाव प्रचार शुरू हुआ। हमने तो एनडीए में पहले ही सीट बंटवारा फ्रेंडली तरीके से कर लिया था, लेकिन महागठबंधन में अब भी गड़बड़ी है।

चिराग ने आगे कहा, ङ्गजब तेजस्वी विधायक थे, तब भी वे राघोपुर के लोगों से मिलने कितनी बार आए? आज भी वही स्थिति है।

चिराग पासवान की इस जनसभा में बड़ी संख्या में स्थानीय कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे। उनके भाषण के बाद एनडीए कार्यकर्ताओं में जोश देखने को मिला।

महिला डॉक्टर की आत्महत्या मामले में माफी मांगे फडणवीस : कांग्रेस

नई दिल्ली,(एजेंसियां)। कांग्रेस ने महाराष्ट्र में महिला डॉक्टर की आत्महत्या के मामले में राज्य सरकार पर आरोपियों को बचाने का आरोप लगाते हुए इसकी विशेष जांच दल-एसआईटी से जांच कराने की मांग की और कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस बिना जांच के आरोपियों को क्लीन चिट दे रहे हैं इसके लिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए।

मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष तथा सांसद वर्षा गायकवाड़ और महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता अतुल लोढ़े पाटिल ने गुरुवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आत्महत्या करने वाली महिला डाक्टर ईमानदार थीं और राजनीतिक दबाव और तंत्र की विफलता से वह अंत समय तक जंग लड़ती रही। उन्होंने कहा कि महिला डॉक्टर पर शुगर मिल के मजदूरों के फर्जी फिटनेस सर्टिफिकेट और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट बनाने के लिए राजनीतिक दबाव डाला जा रहा था और वह जमकर इसका विरोध करती रहीं। उन्हें धमकाया गया लेकिन वह नहीं मानी और अंततः परेशान होकर उन्होंने तंत्र के सामने अपनी हार मान ली और 22 अक्टूबर को एक होनहार ईमानदार महिला डाक्टर ने आत्महत्या कर ली।

उन्होंने कहा कि महिला डॉक्टर को ब्लैकमेल किया जा रहा था। इससे तंग आकर उन्होंने अपने वरिष्ठ अधिकारियों और पुलिस से भी इसकी शिकायत की लेकिन पुलिस ने राजनीतिक दबाव के चलते इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की।

महिला डॉक्टर अपनी आपबीती आत्महत्या नोट में लिखना चाहती थीं लेकिन उनसे आखिरी क्षणों में कागज़ छीन लिए गए तो फिर उन्होंने सुसाइड नोट अपने हाथ पर लिखा और महाराष्ट्र ने अपनी इस होनहार ईमानदार बेटी को खो दिया।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि इस मामले में राज्य सरकार आरोपियों का बचाव कर रही है। उनका कहना था कि जब महिला डॉक्टर के सुसाइड नोट में आरोपियों के नाम लिखे हुए हैं तो उनको तत्काल गिरफ्तार किया जाना चाहिए था लेकिन आश्चर्य इस बात का है कि खुद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पीड़ित परिवार को वित्तीय सहायता देने की बजाय बिना जांच के आरोपियों को क्लीन चिट दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि श्री फडणवीस को इसके लिए माफी मांगनी चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र में महिला अपराध, अत्याचार चरम पर है और जब भी किसी ने सच की लड़ाई लड़ी तो उसे सिस्टम ने विफल किया। महिला डॉक्टर के साथ भी यही हुआ जो साबित करता है कि महाराष्ट्र में कानून व्यवस्था ध्वस्त है। वहां रक्षक ही भक्षक बन रहे हैं और इस तरह से इस मामले में साबित कर दिया है कि महाराष्ट्र के हालात बहुत खराब हैं।

मुख्यमंत्री नीतीश ने मिथिला में किया रोड शो

दरभंगा (एजेंसियां)। खराब मौसम और तेज बारिश के कारण मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की दरभंगा में प्रस्तावित सभा शुक्रवार को रद्द कर दी गई। हालांकि, उन्होंने सड़क मार्ग से दरभंगा जिले के बेनीपुर और कुशेश्वरस्थान विधानसभा क्षेत्रों में पहुंचकर रोड शो किया और जनता से जदयू उम्मीदवारों के पक्ष में मतदान की अपील की।

बेनीपुर और कुशेश्वरस्थान पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पाग, चादर और माला पहनाकर स्वागत किया। मुख्यमंत्री के साथ जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा भी मौजूद रहे।

रोड शो के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता एक बार फिर विकास की सरकार को मौका दे, ताकि राज्य में जारी योजनाएं और तेजी से आगे बढ़ सकें।

मुख्यमंत्री की कुशेश्वरस्थान में बड़ी सभा आयोजित की जानी

थी, लेकिन भारी बारिश और हेलीकॉप्टर उड़ान रद्द होने के कारण कार्यक्रम स्थगित करना पड़ा। इसके बाद नीतीश कुमार ने सड़क मार्ग से समस्तीपुर होते हुए कुशेश्वरस्थान पहुंचकर रोड शो किया। नीतीश कुमार के सड़क मार्ग से आने की सूचना मिलते ही अलीनगर विधानसभा से भाजपा उम्मीदवार मैथिली ठाकुर उनसे मुलाकात के लिए पहुंचीं और मिथिला की परंपरा के अनुसार मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

कुशेश्वरस्थान विधानसभा सीट पर जदयू के अतिरेक कुमार का मुकाबला वीआईपी के गणेश भारती से है। वहीं बेनीपुर सीट पर जदयू उम्मीदवार विनय कुमार चौधरी का मुकाबला कांग्रेस के मिथिलेश चौधरी से हो रहा है।

जातीय रैलियों के रोक पर राज्य सरकार ने दिया हाईकोर्ट को जवाब

लखनऊ,(एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में जातीय रैली रोकने के मामले में हाईकोर्ट के आदेश के बाद राज्य सरकार ने गुरुवार को इस संबंध में अपना पक्ष स्पष्ट किया है। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ में जातीय रैलियों पर रोक के मामले में केंद्र और राज्य सरकार द्वारा दाखिल किए गए जवाब में कहा गया है कि जातीय रैलियों को रोकने समेत आपराधिक मामलों में लोगों की जाति न लिखे जाने का आदेश जारी किया गया है। राज्य सरकार ने जवाब के क्रम में पुलिस महानिदेशक ने भी सर्कुलर जारी कर दिया है। कोर्ट ने केंद्र के जवाब पर याची को प्रतिउत्तर दाखिल करने का समय देकर मामले की अगली सुनवाई 17 नवंबर को नियत की है।

न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति राजीव भारती की खंडपीठ ने यह आदेश स्थानीय

अधिवक्ता मोतीलाल यादव की जनहित याचिका पर दिया। पहले, इस मामले में कोर्ट ने पक्षकारों केंद्र व राज्य सरकार समेत केंद्रीय निर्वाचन आयोग एवं चार राजनीतिक दलों कांग्रेस, भाजपा, सपा और बसपा से जवाब मांगा था। हाईकोर्ट ने केंद्र व राज्य सरकार से पूछा था कि दोनों सरकारें जातीय रैलियां रोकने को क्या उपाय कर रही हैं? साथ ही कोर्ट ने याची को भी पिछले 10 साल में राजनीतिक दलों द्वारा आयोजित की गई जातीय रैलियों का ब्यौरा नए हलफनामे पर दाखिल करने को कहा था। मामले की पिछली सुनवाई के समय कोर्ट को बताया गया था कि जातीय रैलियां रोकने को बीते 21 सितंबर को राज्य सरकार ने आदेश जारी किया है। इसपर कोर्ट ने कहा था कि यह समझ से परे है कि अगर यह आदेश जारी हुआ तो संबंधित अफसर ने अदालत के पहले के आदेश के तहत इसका हलफनामा पेश क्यों नहीं किया। हाईकोर्ट ने राज्य को इसका हलफनामा दाखिल करने को सिर्फ 3 दिन का समय देकर चेताया कि इसमें नाकाम रहने पर प्रमुख सचिव स्तर के अफसर को स्पष्टीकरण देने को पेश होना होगा। उधर, केंद्र के वकील ने भी जवाबी हलफनामा दाखिल करने को समय मांगा था।

याचिकाकर्ता ने यह याचिका वर्ष 2013 में दायर की थी। उसका कहना था कि उत्तर प्रदेश में जातियों पर आधारित राजनीतिक रैलियों की बाढ़ आ गयी है। सियासी दल ब्राह्मण रैली, क्षत्रिय रैली, वैश्य सम्मेलन आदि नाम देकर अंधाधुंध जातीय रैलियां कर रहे हैं। जिन पर रोक लगाई जानी चाहिए। दरअसल, 11 जुलाई 2013 को हाईकोर्ट ने एक अहम आदेश में पूरे उत्तर प्रदेश में जातियों के आधार पर की जा रही राजनीतिक दलों की रैलियों पर तत्काल रोक लगा दी थी। साथ ही इन पक्षकारों को नोटिस जारी की थी।याची का तर्क था कि इससे सामाजिक एकता और समरसता को जहां नुकसान हो रहा है वहीं, ऐसी जातीय रैलियां तथा सम्मेलन समाज में लोगों के बीच जहर घोलने का काम कर रहे हैं, जो संविधान की मंशा के खिलाफ है।

गौरतलब है कि 2013 में होने वाले आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर बसपा ने प्रदेश के करीब 40 जिलों में ब्राह्मण भाईचारा सम्मेलन आयोजित किये थे। उसके अलावा सपा ने भी पहले लखनऊ में ऐसा ही सम्मेलन किया था। साथ ही उसने मुस्लिम सम्मेलन भी आयोजित किये थे। इसी परिप्रेक्ष्य में याची ने जातीय रैलियों पर तत्काल रोक लगाने की यह याचिका वर्ष 2013 में दाखिल की थी।

अब्दुल बारी सिद्दीकी का बीजेपी पर वार

आजादी की लड़ाई में नहीं, गद्दारी में था नाम

दरभंगा (एजेंसियां)। राजद के वरिष्ठ नेता अब्दुल बारी सिद्दीकी ने बीजेपी पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि आज़ादी की लड़ाई में इस पार्टी का कोई इतिहास नहीं रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी की विचारधारा देशभक्ति की नहीं, बल्कि गद्दारी और मुखबिरी की रही है। सिद्दीकी ने कहा, ङ्गजो लोग आज राष्ट्रवाद का पाठ पढ़ा रहे हैं, वही वो लोग हैं जिनके पूर्वजों ने अंग्रेजों का साथ दिया था। आज वे स्वतंत्रता सेनानियों की कुर्बानियों का अपमान कर खुद को देशभक्त बताने की कोशिश कर रहे हैं। गृहमंत्री अमित शाह के हालिया बयान, जिसमें उन्होंने कहा था कि बिहार में मुख्यमंत्री पद की कोई वैकेंसी नहीं है पर पलटवार करते हुए सिद्दीकी ने कहा, ङ्गयह वैकेंसी बिहार की जनता भरेगी या अमित शाह? बिहार की जनता अपने मताधिकार का प्रयोग करके तय करेगी कि मुख्यमंत्री पद की वैकेंसी कौन भरेगा। इसे तय करने का अधिकार अमित शाह को नहीं है।

उन्होंने आगे कहा कि चुनाव इसलिए होते हैं क्योंकि हमारा देश लोकतंत्र पर चलता है। भारत का संविधान चार मजबूत नींवों पर बना है, हमारा देश लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी है। इसलिए बिहार की जनता ही तय करेगी कि उनका अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, न कि कोई नेता या मंत्री।

दुलारचंद की शव यात्रा में अनंत सिंह को फांसी देने की मांग

पटना (एजेंसियां)। मोकामा सामाजिक कार्यकर्ता और जनसुराज के प्रत्याशी पीयूष प्रियदर्शी के समर्थक दुलारचंद यादव की अंतिम यात्रा में सैकड़ों लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी है। दोपहर में दुलारचंद की अंतिम यात्रा निकाली गई। इसमें दर्जनों लोग लाठी-डंडे लेकर निकले। गुस्साए लोगों ने 'अनंत सिंह को फांसी दो' के नारे लगाए। मृत गुलाबचंद के परिजनों का कहना है कि सब लोगों ने देखा कि किस तरह से इस वारदात को अंजाम दिया गया है। पुलिस से अपील है वह जल्द से जल्द अनंत सिंह को गिरफ्तार करे। इधर, घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। पंडारक में सुबह से ही मृत दुलारचंद की हत्या से गुस्साए लोगों ने एक भी दुकानें नहीं खुलने नहीं दी। इधर, राजद प्रत्याशी पत्नी वीणा देवी ट्रैक्टर में सवार होकर पोस्टमॉर्टम के लिए निकली। उन्होंने हत्यारों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की।

इस बीच एक वीडियो सामने आया है, जिसमें कई लोग गाड़ी के काफिले के पीछे भाग रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि मृत दुलारचंद के समर्थकों आक्रोशित हो गए और अनंत सिंह के समर्थकों को खदेड़ दिया। गुस्साए लोगों ने जमकर रोड़ेबाजी की है। इसमें कुछ लोग चोटिल भी हुए हैं। गुस्साए लोगों ने बंद दुकानों की शटर, कुछ गाड़ियों पर भी पथराव किया। इतना नहीं कुछ लोगों ने हवाई फायरिंग होने का भी आरोप लगाया है। हालांकि, पुलिस गोलीबारी की बात को अफवाह बता रही है। फिलहाल पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बल के जवान ने मोर्चा संभाल लिया है। पटना पुलिस का कहना है कि अफवाहों पर ध्यान न दे। हत्या के बाद अनंत सिंह समेत पांच लोगों पर नामजद प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। शव का पोस्टमार्टम करवाया गया है। पुलिस टीम लगातार कैंप कर रही है।

बता दें कि दुलारचंद यादव की हत्या मामले में जनता दल यूनाईटेड के प्रत्याशी बाहुबली अनंत सिंह समेत पांच लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। मृत दुलारचंद यादव के पोते के लिए आवेदन पर अनंत सिंह, दो भतीजों रणवीर सिंह, कर्मवीर सिंह, करीबी छोटन सिंह और कंजय सिंह पर नामजद और कई अज्ञात के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया गया।

मुंगेर में भारी बारिश : धरहरा प्रखंड को जोड़ने वाली पुलिया धंसी

मुंगेर (एजेंसियां)। मुंगेर जिले के धरहरा प्रखंड को जोड़ने वाले भलार-लालखां दशरथपुर मुख्य मार्ग पर बनी पुलिया शुक्रवार को भारी बारिश के कारण धंस गई, जिससे मार्ग पर आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। पुलिया धंसने से इलाके के ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, पिछले दो दिनों से हो रही लगातार बारिश के कारण पुलिया पर जलस्तर और दबाव बढ़ गया था। यह दबाव पुलिया सहन नहीं कर सकी और उसका एक हिस्सा अचानक धंस गया। सौभाग्य से घटना के समय कोई वाहन पुलिया पर नहीं था, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें पुलिया का धंसा हिस्सा स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

ग्रामीण कार्य विभाग के कार्यपालक अभियंता आशुतोष कुमार ने बताया कि यह पुलिया करीब दस वर्ष पुरानी है और यह सड़क मुंगेर व धरहरा के बीच मुख्य संपर्क मार्ग के रूप में उपयोग की जा रही थी। लगातार बारिश और बाढ़ के पानी के दबाव के कारण पुलिया की नींव कमजोर पड़ गई और वह धंस गई। अभियंता ने कहा कि जैसे ही मौसम अनुकूल होगा, पुलिया की मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया जाएगा और जल्द ही आवागमन बहाल कर दिया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com